



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 25] नई दिल्ली, शनिवार, जून 19, 1976/ज्येष्ठ 29, 1898
No. 25] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 19, 1976/JYAISTHA 29, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए
साधारण नियम जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories).

मंत्रिमण्डल सचिवालय

कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली, 1 जून, 1976

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi, the 1st June, 1976

सं० का० लि० 857.—सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (जूनियर इंजीनियर) भर्ती नियम, 1975 में आगे संशोधन करने के लिए एनड्वारा निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (जूनियर इंजीनियर) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।
- (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (जूनियर इंजीनियर) भर्ती नियम, 1975 की अनुसूची के कालम 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए, अर्थात् :—

“18 और 25 वर्ष के बीच”

G.S.R. 857.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, President hereby makes the following rules further to amend the Central Bureau of Investigation (Junior Engineer) Recruitment Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Bureau of Investigation (Junior Engineer) Recruitment (Amendment) Rules, 1976

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2. In the Schedule to the Central Bureau of Investigation (Junior Engineer) Recruitment Rules, 1975, in column 6, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“Between 18 and 25 years”.

[सं 213/4/75-एवीडी-2]

बी० सी० बंजामी, प्रवर सचिव

[No. 213/4/75-AVD, II]

B. C. VANJANI, Under Secy.

बिधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 1 जून, 1976

सां. कां. नि० 858.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा कम्पनी बिधि प्रशासन विभाग (वर्ग I, II और III पद) नियुक्ति नियम, 1962 का आगे संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, नामशः—

- 1 (1) ये नियम कम्पनी बिधि प्रशासन विभाग (वर्ग I, II और III पद) नियुक्ति (संशोधन) नियम, 1976 कहे जाएंगे।
- (2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।
2. कम्पनी बिधि प्रशासन विभाग (वर्ग I, II और III पद) नियुक्ति नियम 1962 में :—
- (i) अनुसूची I में बिधि पक्ष से, मद 3 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के लिए, निम्नलिखित मद जोड़े जाएंगे, नामशः :—

1	2	3	4	5	6	7
“3 कम्पनी अधिबोधक ग्रेड-II						
10	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग-II राजपत्रित अधिबोधक	रू० 550-25-750- द० रो० 30-900	प्रवरण	30 वर्ष से अधिक सही (सरकारी कर्म-चारियों के लिए छूट)	अनिवार्य : (1) मान्य विश्वविद्यालय की कानून में उपाधि या समकक्ष।	
					(2) वंछनीय न्यायालयों में मुकदमे सम्पन्न करने या सरकारी या प्रखर सरकारी संगठनों में कानूनी मामलों में सम्बन्धित कम से कम एक वर्ष का अनुभव।	
					(3) प्रादेशिक भाषा का ज्ञान (योग्य उम्मीदवार के मामले में संघ लोक सेवा आयोग की स्वेच्छा अथवा योग्यता में छूट)	
					वांछनीय :	
					(1) वाणिज्य बिधि का ज्ञान ;	
					(2) कम्पनी बिधि मामलों के सम्पन्न करने का ज्ञान ;	
					(3) कम्पनी सचिव का सरकारी उपाधि-पत्र।	

8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं शैक्षिक योग्यता—हां	2 वर्ष	50 प्रतिशत परीक्षे और 50 प्रतिशत प्रत्यक्ष नियुक्ति	पदोन्नति . कम्पनी अधिबोधक ग्रेड III बिधि सहा-बक और निरीक्षक पद पर नियुक्ति के पश्चात् नियमित आधार पर 5 वर्षों की सेवा	वर्ग-III विभागीय पदो-न्नति समिति	संघ लोक सेवा आयोग (परापूर्व से भूमित) विनियम, 1958 के अन्तर्गत यथा अपे-क्षित।”

- (ii) अनुसूची III में, कालम 1 मद 7 से सम्बन्धित प्रविष्टियों में “कम्पनी अधिबोधक ग्रेड-III” “शब्दों के लिए” कम्पनी अधिबोधक ग्रेड-II-निरीक्षक/बिधि सहायक” शब्द जोड़े जाएंगे।

[सं० ए-42015/14/73-प्रशा० 2]

इन्द्रनाथ नागपाल, अवर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 1st June, 1976

G. S. R. 858.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Company Law Administration (Classes I, II and III Posts) Recruitment Rules 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Department of Company Law Administration (Classes I, II and III Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Gazette.

2. In the Department of Company Law Administration (Classes I, II and III Posts) Recruitment Rules, 1962 :—

(i) In Schedule I—Legal Side, for item 3 and the entries relating thereto, the following item shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5	6	7
"3. Company Prosecutor Grade II.	10	General Central Service Class-II Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 550-25-750-EB-30-900	Selection	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants).	Essential : (i) Degree in law of a recognised University or equivalent. (ii) At least one year's experience of conducting cases in Criminal Courts or dealing with legal matters in Government or Quasi-Government Organisation. (iii) Knowledge of regional language. (Qualification relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified). Desirable : (i) Knowledge of Commercial Law. (ii) Experience of conducting Company Law cases. (iii) Government diploma in Company Secretaries.
8	9	10	11	12	13	
Age : No Educational Qualification : Yes.	2 years	50% by promotion and 50% by direct recruitment.	Promotion : Company Prosecutors Grade III Legal Assistants and Inspectors with 5 years, service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Class-II Departmental Promotion Committee	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958."	

(ii) In Schedule III, in the entries relating to item 7, in column 1, for the words and figures “Company Prosecutor Grade III”, the words and figures “Company Prosecutor Grade III/Inspector/Legal Assistant shall be substituted.

[No. A-42015/14/73-Admn. II]

I. L. NAGPAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 जून, 1976

सं० का० नि० 859.—भारत सरकार, कंपनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 443(क) तारीख 18 अक्तूबर, 1972 के साथ पठित, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उप-धारा (1) के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी अधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं० सा० नि० आ० 3218 तारीख 4 अक्तूबर, 1957 की अधिसूचना (जिसे हमसे हमसे पश्चात् “अधिसूचना” कहा गया है) में आंशिक उपांतर करते हुए कंपनी अधि बोर्ड एनद्वारा यह निदेश देता है कि मैसर्स आई० डब्ल्यू० एस० सोमोनी कंपनी लि० (जिसे हमसे हमसे पश्चात् “कंपनी” कहा गया है) के मामले में, जो एक विदेशी कंपनी है, उक्त धारा 594 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाओं जैसी कि वे किसी विदेशी कंपनी के अपने लागू होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अन्य अपेक्षाओं तथा उपांतरों के अधीन रहते हुए लागू होंगे अर्थात् :—

तब 30-6-1973, 30-6-1974 व 30-6-1975 के वित्तीय वर्षों की समाप्ति की बाबत कंपनी भारत में समुचित कंपनी रजिस्ट्रार को, निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उप धारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन द्वारा समझा जायेगा :—

(1) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 592 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन तथा परिभाषित प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा सम्पन्न: हस्तांतरित तथा भारत में कार्य कर रहे शास-प्राप्त लेखा पाल द्वारा सम्पन्न लेखा परीक्षित, भारतीय शाखाओं द्वारा प्राप्ति तथा वितरणों के विवरण पत्र की तीन प्रतियां।

(2) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा (1) (घ) के अधीन तथा परिभाषित, प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्तांतरित तथा एक शास-प्राप्त लेखापाल द्वारा सम्पन्न, लेखा परीक्षित परिसम्पत्तियों तथा देयताओं के विवरण-पत्र की तीन प्रतियां ;

(3) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा (1) (ब) के अधीन यथा परिभाषित सभी प्राधिकृत व्यक्तियों तथा दो निदेशकों से इस आशय का प्रमाण-पत्र कि कम्पनी ने सम्बन्धित तुलन-पत्रों की अवधि के मध्य भारत में कोई व्यापार नहीं किया है।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से,

[फा० सं० 14/21/75-सी एन 6]
एम० बलरामन, अध्यक्ष

(Company Law Board)

New Delhi, the 2nd June, 1976

G.S.R. 859.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (i) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs notification No. G.S.R. 443(E), dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216, dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as "the Notification"), the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. I.W.S. Nominee Company Ltd. (hereinafter referred to as "the Company") being a foreign company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall apply subject to the following further exemptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be a sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 if in respect of the financial years ended 30-6-1973, 30-6-1974, and 30-6-1975, the company submits to the appropriate Registrars of Companies in India in triplicate :—

- (i) Three copies of statement of receipts and disbursements made by the Indian Branch(es) duly audited by a Chartered Accountant practising in India and signed by the authorised person as defined under section 592(1) of the Companies Act, 1956.
- (ii) Three copies of statement of Assets and Liabilities duly audited by a Chartered Accountants and signed by authorised person as defined under section 592(1)(d) of the Companies Act, 1956.
- (iii) A certificate from two directors and all the authorised persons as defined under section 592(1)(d) of Companies Act, 1956 to the effect that the company has not carried on any business in India during the period of respective Balance Sheets.

By order of the Company Law Board.

[F. No. 14/21/75-CL. VII]

S. BALARAMAN, Under Secy.

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 31 मई, 1976

सा० का० नि० 860.—नोटिरीज नियम, 1956 के नियम 4 के उप-नियम (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय के न्याय विभाग में भारत सरकार के उपसचिव, श्री आर० वामदेवन को 20 मई, 1976 में ऐसे अधिकारी के रूप में निर्दिष्ट करती है, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किए गए नोटिरीज के संघ में उक्त नियमों के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यों का निष्पादन करेंगे।

[सं० 22/18/76-न्या]

पी० पी० तय्यर, संयुक्त सचिव

(Department of Justice)

New Delhi, the 31st May, 1976

G.S.R. 860.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 4 of the Notaries Rules, 1956, the Central Government hereby designates Shri R. Vasaudevan, Deputy Secretary to the Government of India in the Department of Justice, Ministry of Law, Justice & Company Affairs, as the officer who will discharge the functions of the Competent Authority under the said Rules in relation to Notaries appointed by the Central Government with effect from 20th May, 1976.

[No. 22/48/76-Jus]

P. P. NAYYAR, Jt. Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 जून, 1976

सा० का० नि० 861.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा अधिनियम, 1968 (1968 का 50) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल नियम, 1969 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल नियम, 1969 में, नियम 67 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"67क—प्रभारों का संवायः—पब्लिक सेक्टर के किसी औद्योगिक उपक्रम द्वारा अधिनियम की धारा 14 के अधीन बल के पर्यवेक्षी अधिकारियों और सदस्यों की ऐसे उपक्रम में प्रतिनियुक्ति के लिये देय प्रभार, ऐसी अवधि के लिये और ऐसी रीति में सदन किये जायेंगे जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट की जाएं।

स्पष्टीकरण :—इस नियम के प्रयोजनार्थ, पब्लिक सेक्टर के किसी औद्योगिक उपक्रम द्वारा देय प्रभारों में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे—

(i) इस उपक्रम में प्रतिनियुक्त बल के अधिकारियों और सदस्यों को देय वेतन और भत्ते, छुट्टी वेतन प्रभिदाय और पेंशन प्रभिदाय;

(ii) ऐसे अधिकारियों और सदस्यों के कृत्यों के उचित निर्वाह के लिये आवश्यक बन्ध, उपकरण, परिवहन, आशुष और गोला बारूद और अन्य साजसज्जा की लागत; और

(iii) वह रकम, जो केन्द्रीय सरकार, उस औद्योगिक उपक्रम में प्रतिनियुक्त बल के अधिकारियों और सदस्यों की संख्या को ध्यान में रखते हुये, बल के मुख्यालयों और अन्य स्थापनों के रखरखाव के खर्च महे वित्तीय रकम के रूप में, समय-समय पर अवधारित करें।"

[सा० आर-11011/1/75-गसी (आर)/सी०आई०एम०एफ०/जी०पी०ए० 1]

चरनजीत सिंह अग्रवाल, उप सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 1st June, 1976

G.S.R. 861.—In exercise of the powers conferred by section 22 of the Central Industrial Security Force Act, 1968 (50 of 1968), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Industrial Security Force (Second Amendment) Rules, 1976.

1. (1) These rules may be called the Central Industrial Security Force (Second Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Industrial Security Force Rules, 1969, after rule 67, the following rule shall be inserted, namely:—

“67A. **Payment of charges.**—The charges payable by an industrial undertaking in public sector for the deputation of supervisory officers and members of the Force under section 14 of the Act to such undertaking, shall be paid for such periods and in such manner as the Central Government may from time to time specify.

Explanation.—For the purposes of this rule, charges payable by an industrial undertaking in public sector shall include—

(i) the pay and allowances, leave salary contribution and pension contribution payable to officers and members of the Force deputed to that undertaking;

(ii) the cost of clothing, equipment, transport, arms and ammunitions and other accoutrements necessary for the proper discharge of the functions of such officers and members; and

(iii) the amount which the Central Government may, having regard to the number of officers and members of the Force deputed to the industrial undertaking, determine from time to time, as the proportionate amount being payable by the industrial undertaking towards the cost of maintaining the headquarters and other establishments of the Force.”

[No. R-11011/1/75-AC/S(R)/CISF/GPA. I]

C. S. CHADHA, Dy. Secy.

बिस्म संजालय

(आधिकारिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1976

सा. का. नि. 862.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रचलन कानूनों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा बिस्म संजालय (आधिकारिक कार्य विभाग) के अधीन अलीपुर (कलकत्ता), बम्बई और हैदराबाद स्थित भारत सरकार की टुकसालों में श्रेणी III के पदों पर भर्ती के तरीके को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ:

(1) इन नियमों को भारत सरकार की टुकसालों (श्रेणी III के पद) भर्ती नियमावली, 1976 कहा जाए।

(2) ये नियम इनके सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. प्रयुक्ति : ये नियम इस नियमावली से सम्बद्ध अनुसूची के कालम 2 में निर्दिष्ट पदों पर लागू होंगे।

3. पद की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :

पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उन पदों के वेतनमान वही होंगे जैसाकि उस अनुसूची के कालम 3 से 5 तक में बताया गया है।

4. भर्ती का तरीका, आयु सीमा, अर्हताएं आदि :

उक्त पदों पर भर्ती का तरीका, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे सम्बद्ध अन्य मामले उसी प्रकार तय किए जाएंगे जिस प्रकार पूर्वोक्त अनुसूची के कालम 6 से 14 तक में बताया गया है।

5. अनर्हताएं : कोई व्यक्ति

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करना तय किया हो जिसका पति/पत्नी जीवित हो ; अथवा

(ख) जिसने पति/पत्नी के जीवित होने किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करना तय किया हो, इन पदों पर नियुक्ति का अधिकारी नहीं होगा।

बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार इन बातों से संतुष्ट हो कि इस प्रकार विवाह करना उस व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले व्यक्तिगत नियमों के अधीन अनुमत्त है और ऐसा करने के लिए अन्य कारण भी हैं तो केन्द्रीय सरकार इन नियमों के प्रवर्तन से किसी भी व्यक्ति को छूट दे सकती है।

6 छूट देने का अधिकार : जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो कि इस नियमावली के किन्हीं उपबन्धों से छूट देना आवश्यक और समुचित है वहाँ केन्द्रीय सरकार लिखित रूप में उसके लिए कारण बता कर व्यक्ति को किसी श्रेणी अथवा वर्ग के लिए नियमावली के उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट का आदेश दे सकती है।

7 आवाद : इस नियमावली के कोई उपाबंध केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर इस सम्बन्ध में जांच किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों के प्रत्याशियों तथा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए किए जाने वाले आरक्षणों और दी जाने वाली रियायतों पर कोई प्रभाव नहीं डाल सकेगा।

अनुसूची

क्रम सं०	पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बैतनमान	सेलेक्शन पद सेलेक्शन पद	सीधी भर्ती के लिए भिन्न प्रायु सीमा	सीधी भर्ती के लिए शैक्षिक एवं अन्य अर्हताएं	आवश्यक
1	2	3	4	5	6	7	8	
1.	लेखा कार्यालय							
	उप-लेखापाल	17 (अलीपुर —7) (बम्बई —6) (हैदरा- बाद —4)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी -III (अनु- सचिबीय अग्रज- पत्रित)	500-20-650-25- 800 रुपए	सेलेक्शन पद	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
2.	उप-बुलियन पंजीकार	6 (अलीपुर —3) (बम्बई —3)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी III (अनु- सचिबीय अग्रज- पत्रित)	500-20-650-25- 800 रुपए	सेलेक्शन पद	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
3.	बाणिज्यिक लेखापाल	2 (अलीपुर —1) (बम्बई —1)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (अनु- सचिबीय अग्रज- पत्रित)	425-15-560-२०००- 20-640 रुपए	लागू नहीं होता	25 वर्ष	अनिवार्य : किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से बी० काम पान की डिग्री और बाणिज्यिक लेखापालन तथा बहीखाते रखने का एक वर्ष का अनुभव	
4.	मिंट मास्टर के वैयक्तिक सहायक	3 (अलीपुर —1) (बम्बई —1) (हैदरा- बाद —1)	”	425-15-500-२०००- 15-560-20-700 रुपये	सेलेक्शन पद	”	अनिवार्य : मेट्रिक पास अथवा उसके समकक्ष जो 120 शब्द प्रतिमिनट की गति से आशुलेखन और 40 शब्द प्रति- मिनट की गति पर टाइप कर सकता हो।	

क्या सीधी भर्ती के लिए निर्दिष्ट प्रायु और शैक्षिक अर्हताएं पदोन्नति पाने वालों पर भी लागू होगी।

परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो तो पदोन्नति द्वारा अथवा नियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा सीधी भर्ती के मामले में उन पदों का विवरण जिनसे पदोन्नति की जाएगी।

अर्हता का तरीका—सीधी भर्ती अथवा पदोन्नति/अभिव्यक्ति/स्थानान्तरण द्वारा सीधी भर्ती के मामले में उन पदों का विवरण जिनसे पदोन्नति की जाएगी।

यदि विभागीय पदों के परिस्थितियां जिनमें नति समिति है तो उस भर्ती करने समय संघ का गठन क्या है ? लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायगा।

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	पदोन्नति : कोषाध्यक्ष, प्रधान-लिपिक और बाणि- ज्यिक लेखापाल जिनकी सम्बद्ध पदक्रम में 5 वर्ष की सेवा हो और स्टोरकीपर जिनकी उस पद- क्रम में 8 वर्ष की सेवा हो।	श्रेणी-III विभागीय पदोन्नति समिति	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	”	”	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
प्रायु : नहीं	”	पदोन्नति द्वारा यदि पदोन्नति	पदोन्नति : उन आशुलिपिकों से जिनमें से	श्रेणी-III विभागीय	”
शैक्षिक अर्हताएं		द्वारा सम्भव न हो तो सीधी भर्ती द्वारा	जिन्होंने उस पदक्रम में 5 वर्ष सेवा कर ली हो	पदोन्नति समिति	
जी, हां।					

1	2	3	4	5	6	7	8
5. कोषाध्यक्ष	2 (अलीपुर -1) (बम्बई -1)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी III (अनु- सचिबीय अराज- पक्षित)	425-15-560-२००- 20-640-रुपए	सेलेक्शन		लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
6 प्रधान लिपिक (अलीपुर स्थित टकसाल में सहा- यक बुलियन पंजीकार)	21 (अलीपुर -13) (बम्बई -8) 3	„	425-15-530-२००- 15-560-20-600 रुपए	सेलेक्शन भिन्न	„	„	„
7. स्टोर कीपर	(अलीपुर -1) (बम्बई -1) (हैदरा- बाद -1)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं (अनुसचिबीय अराजपक्षित)	380-12-440-२०- २०-15-560-२० २०-20-640 रुपए	सेलेक्शन	25 वर्ष	अनिवार्य : मेट्रिक या उसके समकक्ष अर्हता और उनके साथ कार्यालय के काम और पद्धति का अनुभव ।	
8 आशुलिपिक	3 (अलीपुर -1) (बम्बई -1) (हैदरा- बाद -1)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं (अनुसचिबीय अराजपक्षित)	330-10-380-२०-२०- 12-500-२०-२०- 15-560 रुपए	लागू नहीं होता	-तदेव-	अनिवार्य : मेट्रिक या उसके समकक्ष अर्हता वाले वे व्यक्ति जो 100 शब्द प्रतिमिनट की गति पर आशुलेखन और 30 शुद्ध प्रतिमिनट की गति पर टाइप कर सकते हों ।	
9. सहायक स्टोर- कीपर	2 (अलीपुर -1) (बम्बई -1)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (अनु- सचिबीय अराज- पक्षित)	330-10-380-२०- २०-12-500-२०- -15-560 रुपए	सेलेक्शन भिन्न पद	25 वर्ष	अनिवार्य : मेट्रिक या उसके समकक्ष	
10. उच्च श्रेणी लिपिक/एली- गेशन कैकर/ बम्बई टकसाल में सहायक बुलियन रजिस्- टर	81 (अलीपुर -32) (बम्बई -37) (हैदरा- बाद -12)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी III (अनु- सचिबीय अराज- पक्षित)	„	„	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
11. निम्न श्रेणी लिपिक/एली- गेशन कैकर	78 (अलीपुर -38) (बम्बई -32) (हैदरा- बाद -14)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी III (अनु- सचिबीय अराज- पक्षित)	260-6-290-२००- 6-326-8-366- २००-८-390- 10-400 रुपए	लागू नहीं होता	25 वर्ष	अनिवार्य : मेट्रिक अथवा उसके समकक्ष (1) (2) टाइप करने की गति कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट : परन्तु टाइपिंग में उक्त अर्हता न रखने वाले यदि इस पद पर नियुक्त कर लिया जायगा तो उसे तब तक स्थायीकृत अथवा स्थायी नहीं किया जायगा जब तक वह 30 शब्द प्रतिमिनट की गति पर टाइप करने न लग जाए ।	

9	10	11	12	13	14		
भागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	पदोन्नति : उन अर्द्ध श्रेणी लिपिकों में से जिन्होंने उस पद क्रम से 5 वर्ष सेवा कर ली हो।	श्रेणी-III विभागीय पदोन्नति समिति	भागू नहीं होता		
"	"	"	"	"	"		
आयु : नहीं शैक्षिक अर्हताएं : जी, हाँ।	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा और पदोन्नति द्वारा सम्भव न हो तो सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : अर्लीयुर और बम्बई की टकसालों के मामले में उन सहायक स्टोर- कीपरों में से जिन्होंने उस ग्रेड में 5 वर्ष सेवा कर ली हो। हैबरा- बाद की टकसाल के मामले में उन उच्च श्रेणी लिपिकों में से जिन्होंने उस पदक्रम में 5 वर्ष सेवा कर ली हैं।	श्रेणी-III विभागीय पदोन्नति समिति	"		
भागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	भागू नहीं होता	भागू नहीं होता	भागू नहीं होता		
आयु : नहीं शैक्षिक अर्हताएं : जी, हाँ	"	पदोन्नति द्वारा और पदोन्नति द्वारा सम्भव न हो तो सीधी भर्ती द्वारा	पदोन्नति : निम्न श्रेणी लिपिक जिन्होंने उस पदक्रम में 5 वर्ष सेवा कर ली हो।	श्रेणी-III विभागीय पदोन्नति समिति	"		
भागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा : (1) निम्न श्रेणी लिपिक ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा वाले व्यक्तियों में से वरीयता एवं पात्रता के आधार पर 50 प्रतिशत। (2) 50 प्रतिशत उन निम्न श्रेणी लिपिकों में से जिन्होंने उक्त ग्रेड में 3 वर्ष सेवा कर ली हैं और जो अर्हक परीक्षा में प्रतियोगिता के आधार पर चुन लिए गए हों।	पदोन्नति : निम्न श्रेणी लिपिक पदक्रम में से।	श्रेणी III विभागीय पदोन्नति समिति।	भागू नहीं होता		
भागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	भागू नहीं होता	भागू नहीं होता	भागू नहीं होता		
1	2	3	4	5	6	7	8
(बुलियन विभाग)							
12. बुलियन कीपर	2	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं (अर्लीयुर- बम्बई- 1)	700-30-760-35- (अननु- 900 रु०)	सेलेक्शन भिन्न पद	25 वर्ष	अनिवार्य : किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का स्नातक अथवा उसके समकक्ष	
9	10	11	12	13	14		
आयु : नहीं शैक्षिक अर्हताएं : भागू होंगी।	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा : यदि टकसाल में ऐसा कोई व्यक्ति उपस्थित न हों जो पदोन्नति हो जाने पर सिक्यूरिटी के रूप में जमा कराई जाने वाली आवश्यक रकम अदा करने में समर्थ हों तो इन पदों के लिए सीधी भर्ती की जाएगी।	पदोन्नति : उप-बुलियन कीपर जिनकी उक्त ग्रेड में छह वर्ष की सेवा हो।	श्रेणी III विभागीय पदोन्नति समिति।	भागू नहीं होता		

1	2	3	4	5	6	7	8
13. उपबुलियन कीपर	5 (अलीपुर-2) (बम्बई-2) (हैदराबाद-1)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (अननु-मन्त्रीय अराज-पत्रित)	425-15-560-ब० रो०-20-640 रु०	सेलेक्शन भिन्न पद	24 वर्ष	अनिवार्य : किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का स्नातक अथवा उसके समकक्ष ।	
14. जाली सिक्का विशेषज्ञ	2 (अलीपुर-2)	"	330-10-380-ब० रो०-12-500-ब० रो०-15-560 रु०	सेलेक्शन भिन्न	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
15. उच्च श्रेणी सहायक बुलियन कीपर	29 (अलीपुर-15) (बम्बई-11) (हैदराबाद-3)	"	"	"	"	"	
16. निम्न श्रेणी सहायक बुलियन कीपर	61 (अलीपुर-32) (बम्बई-21) (हैदराबाद-8)	"	210-6-290-ब० रो०-6-326-ब० रो०-8-390-10-400 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष	अनिवार्य : मैट्रिक अथवा उसके समकक्ष ।	
17. इंजीनियर	17 (अलीपुर-9) (बम्बई-7) (हैदराबाद-1)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (अननु-मन्त्रीय अराज-पत्रित) तकनीकी	550-25-750-ब० रो०-30-900 रु०	सेलेक्शन पद	28 वर्ष	अनिवार्य : (1) बी०ई० अथवा इंजीनियरी में बी०एस०सी० अथवा ए०एम० आई०ई० (इंडिया) अथवा उसके समकक्ष कोई अन्य ग्रहंता । (2) किसी सरकारी विभाग अथवा किसी व्यापार प्राप्त वाणिज्यिक संगठन में बिजली इंजीनियरी में कम से कम तीन वर्षों का वर्कशाप में काम करने का वास्तविक अनुभव ।	
18. मेटलर्स	6 (अलीपुर-2) (बम्बई-4)	श्रेणी-III (अननुसन्धीय अराजपत्रित) (तकनीकी)	550-25-770-ब० रो०-30-900	सेलेक्शन पद	28 वर्ष	अनिवार्य : (1) बी०एस०सी० (धातु विज्ञान) अथवा उसके समकक्ष । (2) किसी ले-आउट विभाग में अथवा किसी विख्यात वाणिज्यिक कम्पनी में हवाई कार्य अथवा अलौह धातुओं तथा उन धातुओं के मिश्रितों को हालने के कार्य का कम से कम तीन वर्षों का वास्तविक अनुभव ।	
19. सहायक आर्टिस्ट इंजीनियर	1 (अलीपुर-1)	--तदैव--	425-15-500-ब० रो०-15-560-20-640-ब० रो०-20-700-25-750 रु०	--तदैव--	25 वर्ष	अनिवार्य : (1) मैट्रिक या उसके समकक्ष । (2) किसी मान्यता प्राप्त संस्था में उत्कीर्णन कार्य में कम से कम 2 वर्षों तक प्रशिक्षण । बीछनीय - अलौह धातुओं पर उत्कीर्णन के कार्य का अनुभव ।	

9	10	11	12	13	14
आयु : नहीं शैक्षिक अर्हताएं : लागू नहीं होंगी	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा : यदि कर्मचारियों में से कोई ऐसा व्यक्ति उपलब्ध न हो जो पदोन्नति होने पर मिक्चरिटी के रूप में अमा कराई जाने वाली रकम भरा कर सके तो इन पक्षों को सीधी भर्ती द्वारा भरा जाएगा।	पदोन्नति : उन उच्च श्रेणी लिपिकों और सहायक बुलियन कीपरों तथा जाली सिक्का विशेषज्ञों में से जिन्होंने उन पद- क्रमों में 5 वर्ष सेवा कर ली हो।	श्रेणी-III विभागीय पदोन्नति समिति।	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	पदोन्नति : उन निम्न श्रेणी सहायक बुलियन कीपरों में से जिन की उम्र ग्रेड में 5 वर्ष सेवा हो चुकी हो।	"	"
"	"	"	"	"	"
आयु : नहीं शैक्षिक अर्हताएं : लागू होंगी।	2 वर्ष - तदैव-	पदोन्नति द्वारा और पदोन्नति द्वारा संभव न हो तो सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : सहायक इंजिनियर जिनकी उम्र ग्रेड में 5 वर्ष सेवा हो चुकी हो।	श्रेणी-III विभागीय पदोन्नति समिति।	लागू नहीं होता
आयु : नहीं शैक्षिक अर्हताएं : लागू होंगी	2 वर्ष	(1) 33 1/2 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा। यदि पदोन्नति द्वारा संभव न हो तो सीधी भर्ती द्वारा। (2) 66 2/3 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : सहायक मेस्टर जिनकी इस ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा हो चुकी हो।	"	"
- तदैव-	- तदैव-	पदोन्नति द्वारा और पदोन्नति द्वारा संभव न हो तो सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : उत्कीर्णक (ग्रेड 1) जिनकी उक्त ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा हो चुकी हो।	- तदैव-	- तदैव-

1	2	3	4	5	6	7	8
20	चार्जमैन	27 (अलीपुर- 12) (बम्बई- 14) (हैदरा- बाद-1)	श्रेणी-III (अनुसूचि- वीय अराजपत्रित) ; (तकनीकी)	425-15-560-20 रो०-20-640 ४०	सेलेक्शन पद	लागू नहीं होता।	अभिचार्य : चार्जमैन (रैम संयंत्रों) : मैट्रिक पास होना चाहिए या उसके समकक्ष अर्हता प्राप्त होना चाहिए। अन्य चार्जमैन ऐसे होने चाहिए जिन्हें टंकसाध के अधिकांश कर्म- चारियों द्वारा बोली जाने वाली किसी एक भाषा का ज्ञान हो। प्रखर बुद्धिमत्ता और तकनीकी योग्यता के साथ-साथ श्रमिकों पर नियंत्रण रखने की योग्यता भी होनी चाहिए।

9	10	11	12	13	14
आयु : नहीं शैक्षिक अर्हताएं : लागू होंगी।	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	पदोन्नति : मिस्त्री (ट्रेड्स मैन) मिस्त्री (नान- ट्रेड्स मैन) जिनकी इस ग्रेड में तीन वर्ष की सेवा हो चुकी हो।	श्रेणी-III विभागीय पदोन्नति समिति।	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7
21 सहायक इजीनियर्स	5 (अलीपुर-3) (बम्बई-2)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (अननु-सचिवीय अराजपत्रित) (तकनीकी)	425-15-500-२० रो०-15-560-20-700 रु०	सागू नहीं होता	25 वर्ष	अनिवार्य (1) बी०ई० अथवा बी०एस० सी० इजीनियरिंग अथवा ए०एम० आई० ई० (इंडिया) अथवा कोई और समकक्ष अर्हता। (2) किसी सरकारी विभाग अथवा किसी विद्यालय वाणिज्यिक संगठन में बिजली इजीनियरी में कम से कम 2 वर्ष का वर्कशॉप में काम करने का वास्तविक अनुभव।
22 सहायक मेल्टर	4 (अलीपुर-1) (बम्बई-3)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी III (अननु-सचिवीय अराज-पत्रित) (तकनीकी)	425-15-500-२० रो०-15-560-20-700 रु०	सागू नहीं होता	25 वर्ष	अनिवार्य (1) धातु विज्ञान में बी०एस०सी० अथवा उसके समकक्ष। (2) किसी ने आउट विभाग अथवा किसी ख्याति प्राप्त वाणिज्यिक कंपनी में दुर्लभ कार्य अथवा अलौह धातुओं तथा उनके मिश्रितों को ढालने के काम का कम से कम दो वर्ष का वास्तविक अनुभव।
23 एनप्रेचर (ग्रेड-1)	18 (अलीपुर-8) (बम्बई-9) (हैदराबाद-1)	—तदैव—	380-12-500-२० रो०-15-500 रु०	सेलेक्शन भिन्न पद	—तदैव—	अनिवार्य (1) मैट्रिक या उसके समकक्ष। (2) किसी मान्यता प्राप्त कला संस्था से प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो। (3) उत्कीर्णन एवं ब्राह्मण व्यवसाय में परीक्षा पास की हो।
24 ड्राफ्ट्समैन (मीनियर)	5 (अलीपुर-2) (बम्बई-2) (हैदराबाद-1)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (अननु-सचिवीय अराज-पत्रित) (तकनीकी)	330-10-380-२० रो०-12-500-२० रो०-15-560 रु०	सेलेक्शन भिन्न पद	25 वर्ष	अनिवार्य (1) किसी मान्यता प्राप्त संस्था का ड्राफ्ट्समैनशिप का डिप्लोमा। (2) ड्राफ्ट्समैनशिप में कम से कम दो वर्ष का वास्तविक अनुभव।
25 सब-स्टेशन आपरेटर (वरिष्ठ)	4 (अलीपुर-4)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (अननु-सचिवीय अराज-पत्रित)	330-8-370-10-400-२० रो०-10-480 रुपए	—तदैव—	—तदैव—	अनिवार्य (1) मैट्रिक अथवा उसके समकक्ष। (2) किसी बिजली घर में अथवा सब-स्टेशन में काम करने का 1 वर्ष का अनुभव अथवा बिजली के काम का प्रशिक्षण।
26 ड्राफ्ट्समैन (कनिष्ठ)	1 अलीपुर-1	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (अननुसचिवीय अराजपत्रित)	260-8-300-२० रो०-6-340-10-380-२० रो०-10-430 रुपए	सागू नहीं होता	25 वर्ष	अनिवार्य (1) मैट्रिक अथवा उसके समकक्ष। (2) यांत्रिक ड्राफ्ट्समैनशिप में कम से कम 3 वर्ष का वास्तविक अनुभव।
27 ट्रेजर	1 (अलीपुर-1)	—तदैव—	—तदैव—	—तदैव—	—तदैव—	—तदैव—

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
आयु : नहीं शैक्षणिक अर्हताएं : लागू होंगी	-तदैव-	(1) 50 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा यदि पदोन्नति द्वारा संभव न हो तो सीधी भर्ती द्वारा। (2) 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : एनग्रेडर (ग्रेड-II) जिनकी उस ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा हो चुकी हो।	श्रेणी III विभागीय पदोन्नति समिति।	-तदैव-
लागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति, यदि पदोन्नति संभव न हो तो सीधी भर्ती	पदोन्नति : कनिष्ठ क्लर्क/समैन अथवा दूसर जिनोंने सम्बद्ध ग्रेड में 5 वर्ष सेवा कर ली हो।	श्रेणी-III विभागीय पदोन्नति समिति।	लागू नहीं होता
-तदैव-	-तदैव-	(1) 50 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा और पदोन्नति द्वारा संभव न हो तो सीधी भर्ती द्वारा। (2) 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : सब-स्टेशन आपरेटर (कनिष्ठ) जिनोंने उस ग्रेड में 5 वर्ष सेवा कर ली हो।	-तदैव-	-तदैव-
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-

1	2	3	4	5	6	7
28. एनग्रेडर (ग्रेड-II)	18 (अलीपुर-9) (बम्बई-8) (हैदराबाद-1)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (अननु-सचिवीय अराज-पलित)	320-6-326-8-390-10-400 रूप	सेलेशन भिन्न पद	25 वर्ष	अनिवार्य : (1) मैट्रिक या उसके समकक्ष। (2) किसी विनियता प्राप्त कला संस्था से प्रमाणपत्र प्राप्त। (3) उत्कीर्ण और इाईंग व्यवसाय में परीक्षा पास।
29. उप-स्टेशन आपरेटर (कनिष्ठ)	3 (अलीपुर-3)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (अननु-सचिवीय अराज-पलित)	260-6-326-द ००-8-350 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष	अनिवार्य : (1) मैट्रिक या उसके समकक्ष अर्हता। (2) किसी विजली घर अथवा सब-स्टेशन में प्रशिक्षण का एक वर्ष का अनुभव।

8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं शैक्षिक अर्हताएं : लागू होंगी	2 वर्ष	(1) 50 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा और पदोन्नति द्वारा संभव न हो तो सीधी भर्ती द्वारा। (2) 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : एनग्रेडर (ग्रेड-III) जिनकी उस ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा हो चुकी हो।	श्रेणी-III विभागीय पदोन्नति समिति।	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता।	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता।	लागू नहीं होता।	लागू नहीं होता।

1	2	3	4	5	6	7	8
30. एनसेक्टर (ग्रेड-III)	18 (अलीपुर- 12) (बम्बई-3) (हैदरा- बाद-3)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (अनुसूचितबीय अराजप.प्रति)	260-6-326-ब०रो०- 8-350	लागू नहीं होता	25 वर्ष	अनिवार्य (1) मैट्रिक अथवा उसके समकक्ष अर्हता । (2) किसी मान्यता प्राप्त कला संस्थान से प्रमाणपत्र प्राप्त । (3) उत्कीर्णन कक्षा में व्यवसायिक परीक्षा पास की हो ।	
सुरक्षा विभाग							
31. वार्डर	4 (अलीपुर- 2) (बम्बई- 1) (हैदरा- बाद-1)	-तद्वै- अलीपुर और बम्बई में 550-20-650-25- 800 रुपए हैदराबाद : 380-12-440-ब०रो०- 15-560-ब०रो०- 20-640 रुपए	-तद्वै-	30 वर्ष (सेना के उन सेवा निवृत्त अधिकारियों को जो नियुक्ति के लिए शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ हो, छूट दी जा सकेगी)	अनिवार्य : (1) मैट्रिक या उसके समकक्ष । (2) सेना अथवा पुलिस के किसी विभाग में 5 वर्ष तक सेवा की हो ।		
प्रोपेक्तालय : 32. कम्पाउंडर	3 (अली- पुर-2) (बम्बई-1)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (अनु- सूचितबीय अराज- पत्रित)	330-10-380-ब०रो०- 12-500-ब०रो०- 15-560 रुपये	सेलेक्शन पद	25 वर्ष	अनिवार्य :- (क) फार्मेली अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 31 अथवा 32 के खण्ड (ग) के अधीन पंजीकरण अथवा उस प्रकार पंजी- करण करवाने के लिये किसी प्रत्यासी को पात्र बनाने वाली अर्हताएं; अथवा (ख) फार्मेली अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 31 के खण्ड (ब) के अधीन पंजीकरण । वांछनीय : किसी सरकारी अस्पताल अथवा प्राइवेट व्याखाना का व्यावहारिक अनुभव । अनिवार्य :- (1) मिडिल स्कूल के स्तर तक (2) प्राथमिक चिकित्सा सहायता पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया हो ।	
33. कम्पाउंडर (कनिष्ठ) ड्रैसर	13 (अली- पुर-7)] (बम्बई-4) (हैदरा- बाद-2)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (अनु- सूचितबीय अराज- पत्रित)	अलीपुर और बम्बई 210-4-250-ब०रो०- 5 270 रुपये हैदराबाद : 260-6-326-ब०रो०- 8-350 रुपये	लागू नहीं होता	25 वर्ष		
9	10	11	12	13	14		
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता		
—तद्वै—	—तद्वै—	—तद्वै—	—तद्वै—	—तद्वै—	—तद्वै—		
आयु . नहीं शैक्षिक अर्हताएं : लागू होगी	2 वर्ष	पदोन्नति और पदोन्नति द्वारा सम्भव न हो तो सीधी भर्ती द्वारा	कनिष्ठ कम्पाउंडर के ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा वाले और ड्रैसर के ग्रेड में 4 वर्ष की सेवा वाले व्यक्तियों में से पदोन्नति	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता		
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	3 वर्ष की सेवा वाले कनिष्ठ कम्पाउंडरों और 4 वर्ष की सेवा वाले ड्रैसरों में से पदोन्नति	लागू नहीं होता ।	लागू नहीं होता ।		

1	2	3	4	5	6	7	8
34 सामान्य टैली- फोन अपरेटर	2 (ग्रामी- पुर-1) (बम्बई-1)	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी-III (ग्रामनु- सचिवीय अग्रज- पत्रित)	260-6-290-द०रो०- 6-326-8-366- द०रो०-8-390-10- 400 रुपये	लागू नहीं होता	25 वर्ष	प्रतिवार्य : (1) सैद्धिक या उसके समकक्ष वांछनीय - टैलीफोन अपरेटर के रूप में एक वर्ष का वास्तविक अनुभव।	
35. ड्राईवर	2 (ग्रामी- पुर-1) (बम्बई-1)	—तदैव—	260-6-326-द०रो०- 8-350 रुपये	—तदैव—	30 वर्ष	प्रतिवार्य. वेध ड्राईविंग लाइसेंस होना चाहिये और मोटर की मशीन का अच्छा ज्ञान होना चाहिये और मोटर कार चलाने का कम से कम 5 वर्ष का अनुभव हो। वांछनीय : मिडिल स्कूल के स्तर तक पढ़ाई।	
9	10	11	12	13	14		
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	3 वर्ष की सेवा या के कनिष्ठ कम्पाउंडरों और चार वर्ष की सेवा वाले ड्रेसरों में से पदोन्नति	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता		
--तदैव--	--तदैव--	--तदैव--	पदोन्नति :- कनिष्ठ कम्पाउंडरों में से जिन्होंने 3 वर्ष सेवा कर ली है और ड्रेसरों में से जिन्होंने 4 वर्ष सेवा कर ली है	--तदैव--	--तदैव--		

[सं० एफ० 3/47/75-बम्बई]

एम० एल० इन्, प्रवर मन्त्रि

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 29th January, 1976

G.S.R. 862.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to class III posts in India Government Mints at Alipore (Calcutta), Bombay and Hyderabad under the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), namely :—

1. Short title and commencement :

- (1) These rules may be called the India Government Mints (Class III Posts) Recruitment Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application :

These rules shall apply to the posts specified in column 2 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of posts, classification and scale of pay :

The number of posts, their classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 3 to 5 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc. :

The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 6 to 14 of the aforesaid Schedule.

5. Disqualifications : No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,
- shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax :

Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving :

Nothing contained in these rules shall affect reservation and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Accounts Office :	17	General Central	Rs. 550-20-650-25-	Selection	Not applicable	Not applicable
1. Deputy Accountant.	(Alipore—7) (Bombay—6) Hyderabad—4)	Services Class-III (Ministerial Non-gazetted)	800			
2. Deputy Bullion Registrar	6 (Alipore—3) (Bombay—3)	General Central Services Class-III (Non-Ministerial Non-gazetted)	do.	do.	do.	do.
3. Commercial Accountant	2 (Alipore—1) (Bombay—1)	General Central Services Class-III (Ministerial Non-gazetted)	Rs. 425-15-560-EB-20-640.	Not applicable	25 years	Essential : B. Com. Pass from a recognised University or Institute with one year's experience of commercial Accounts and book-keeping
4. Personal Assistant to Mint Master.	3 (Alipore—1) (Bombay—1) (Hyderabad—1)	do.	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Selection	do.	Essential : Matriculation or equivalent who possesses a minimum speed of 120 words per minute in shorthand and 40 words per minute in typewriting.
5. Cashier	2 (Alipore—1) (Bombay—1)	General Central Services Class-III (Ministerial Non-gazetted).	Rs. 425-15-560-EB-20-640.	Selection	Not applicable	Not applicable
6. (Head Clerks Assistant Bullion Registrars in Alipore Mint).	21 (Alipore—13) (Bombay—8)	do.	Rs. 425-15-530-EB-15-560-20-600	Non-selection	do.	do.
7. Store-Keeper	3 (Alipore—1) (Bombay—1) (Hyderabad—1)	General Central Services Class-II (Non-Ministerial Non-gazetted)	Rs. 380-12-440-EB-15-560-EB-20-640.	Selection	25 years	Essential : Matriculation or equivalent with experience in office work and procedure.
8. Stenographers	3 (Alipore—1) (Bombay—1) (Hyderabad—1)	General Central Services Class-III (Ministerial Non-gazetted).	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Not applicable	do.	Essential : Matriculation or equivalent who possesses a minimum speed of 100 words per minute in shorthand and 30 words per minute in typewriting.

Whether age and educational qualification prescribed or direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By promotion	Promotion : Cashier, Head Clerks, and Commercial Accountants with 5 years service in the grade and Store Keepers with 8 years service in the grade.	Class-III Departmental Promotion Committee.	Not applicable.
-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-
-Do-	-Do-	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Age : No. Educational qualifications : Yes.	Do.	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : Stenographers with 5 years service in the grade.	Class-III Departmental Promotion Committee.	Not applicable
Not applicable	2 years	By promotion	Promotion : Upper Division Clerks with 5 years service in the grade.	Class-III Departmental Promotion Committee.	Not applicable
-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-
Age : No. Educational qualifications : Yes.	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : In the case of Alipore and Bombay Mints—Assistant Store-Keepers with 5 years service in the grade. In the case of Hyderabad Mint—Upper Division Clerks with 5 years service in the grade.	Class-III Departmental Promotion Committee.	Not applicable
Not applicable	-do-	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	-do-

1	2	3	4	5	6	7
9. Assistant Store-Keepers	2 (Alipore-1) Bombay-1)	General Central Services Class-III (Non-Ministerial Non-gazetted).	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Non selection	25 years	Essential : Matriculation or equivalent.
10. Upper Division Clerks/Allegation Checkers/ Assistant Bul-lion Registrars in Bombay Mint.	81 (Alipore-32) (Bombay-37) (Hyderabad-12)	General Central Services Class-III (Ministerial Non-gazetted).	-do-	-do-	Not applicable	Not applicable

8	9	10	11	12	13
Age : No Educational qualifications : Yes.	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : Lower Division Clerks with 5 years service in the grade.	Class III Departmental Promotion Committee.	Not applicable.
Not applicable	-do-	By promotion— (i) 50 %on the basis of seniority-cum-fitness from Lower Division Clerks with 5 years service in the grade and; (ii) 50% by selection after competing in the qualifying examination from Lower Division Clerks with 3 years service in the grade.	Promotion : Grade of Lower Division Clerks.	-do-	-do-

1	2	3	4	5	6	7
11. Lower Division Clerks/ Allegation Checkers	78 (Alipore-32) (Bombay-32) (Hyderabad-14)	General Central Services Class-III (Ministerial Non-gazetted).	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Not applicable	25 years	Essential : (1) Matriculation or equivalent (2) Minimum speed of 30 words per minute in typewriting : Provided that a person not possessing the said qualification in typewriting may be appointed subject to the condition that he will not be eligible for Quasi-Permanency or for confirmation in the grade till he acquires a speed of 30 words per minute in typewriting.

BULLION DEPARTMENT

12. Bullion Keepers	2 (Alipore-1) (Bombay-1)	General Central Services Class III (Non-Ministerial Non-gazetted).	Rs. 700-30-760-35-900	Non-selection	25 years	Essential : Graduate of a recognised University or equivalent.
13. Deputy Bullion Keepers.	5 (Alipore-2) (Bombay-2) (Hyderabad-1)	General Central Services Class-III (Non-Ministerial Non-gazetted)	Rs. 425-15-560-EB-20-640.	Non-selection	25 years	Essential : Graduate of a recognised University or equivalent.
14. Counterfeit Coin Experts	2 (Alipore-2)	-do-	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	-do-	Not applicable.	Not applicable.
15. Upper Division Assistant Bullion Keepers	29 (Alipore-15) (Bombay-11) (Hyderabad-3)	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-
16. Lower Division Assistant Bullion Keepers.	61 (Alipore-32) (Bombay-21) (Hyderabad-8)	General Central Services Class-III (Non-Ministerial Non-gazetted).	Rs. 260-6-290-EB-6-326-EB-8-390-10-400.	Not applicable	25 years	Essential : Matriculation or equivalent.
17. Engineers	17 (Alipore-9) (Bombay-7) (Hyderabad-1)	General Central Services Class III (Non-Ministerial Non-gazetted) (Technical)	Rs. 550-25-750-EB-30-900.	Selection	28 years	Essential : (1) B.E. or B.Sc. Eng. or AMIE (India) or any other equivalent qualification. (2) Practical Workshop experience for at least 3 years in electrical engineering in a Government Department or commercial organisation of repute.
18. Melters	6 (Alipore-2) (Bombay-4)	Class III (Non-Ministerial Non-gazetted) (Technical)	Rs. 550-25-750-EB-30-900.	Selection	28 years	Essential : (1) B.Sc. (Metallurgy) or equivalent. (2) Practical experience for at least 3 years in Foundry work or melting of non-ferrous metals and their alloys either in a layout department or commercial concern of repute.
19. Assistant Artist Engraver	1 (Alipore-1)	-do-	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-640-EB-20-700-25-750.	-do-	25 years	Essential : (1) Matriculation or equivalent. (2) Training for at least 2 years in engraving in a recognised institution). Desirable : Engraving work on non-ferrous metals.

8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Age : No Educational qualifications : Yes.	2 years	By promotion : Provided that the posts may be filled by direct recruitment, if no suitable person who on promotion can pay the requisite amount of security deposit is available on the establishment.	Promotion : Deputy Bullion Keepers with six years service in the grade.	Class III Departmental Promotion Committee.	Not Applicable
Age : No Educational qualifications : Yes.	2 years	By Promotion : Provided that the posts may be filled by direct recruitment, if no suitable person who on promotion can pay the requisite amount of security deposit is available on the Establishment.	Promotion : Upper Division Assistant Bullion Keepers and Counterfeit Coin Experts with 5 years service in the grade.	Class III Departmental Promotion Committee.	Not Applicable
Not applicable	-do-	By promotion	Promotion : Lower Division Assistant Bullion Keepers with 5 years service in the grade.	-do-	-do-
-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Age : No Educational qualifications : Yes.	-do-	By Promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : Assistant Engineers with 5 years service in the grade.	Class III Departmental Promotion Committee.	Not applicable
Age : No Educational qualifications : Yes.	2 years	(i) 33-1/3% by promotion failing which by direct recruitment. (ii) 66-2/3% by direct recruitment.	Promotion : Assistant Melters with 5 years service in the grade.	Class III Departmental Promotion Committee.	Not applicable
-do-	-do-	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : Engravers (Grade I) with 3 years service in the grade.	-do-	-do-

1	2	3	4	5	6	7
20. Chargeman	27 (Alipore-12) (Bombay-14) (Hyderabad-1)	Class III (Non-gazetted) (Technical)	Rs. 425-15-560-EB-20-640.	Selection	Not applicable.	Essential : Chargeman (Gas Plant.): must have passed matriculation or equivalent. Other Chargeman must be literate in at least one language used by the majority of employees in the Mint. Must possess outstanding intelligence and technical ability combined with ability to control labour.
21. Assistant Engineers	5 (Alipore-3) (Bombay-2)	General Central Services Class III (Non-ministerial Non-gazetted) (Technical)	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Not applicable	25 years	Essential : (1) B.E. or B.Sc. Eng. or AMIE (India) or any other equivalent qualification. (2) Practical workshop experience for at least 2 years in electrical engineering in a Government Department or commercial organisation of repute.

8	9	10	11	12	13
Age : No. Educational Quali- fications : Yes.	2 years	By promotion	Promotion : Mistry (Tradesman) and Mistry (Non-Tradesman) with 2 years service in the grade.	Class III Departmental Promotion Committee.	Not applicable.
Not applicable	-do-	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7
22. Assistant Melters.	4 (Alipore- 1) (Bom- bay-3)	General Central Services Class- III (Non-Minis- terial) Non- gazetted) (Technical)	Rs. 425-15-500-EB- 15-560-20-700.	Not applicable.	25 years	Essential : (1) B.Sc. (Metallurgy) or equivalent. (2) Practical experience for at- least 2 years in foundry work or melting of non- ferrous metals and their alloys either in a layout department or commercial concern of repute.
23. Engravers (Grade I)	18 (Alipore- 8) (Bom- bay-9) (Hydera- bad-1).	-do-	Rs. 380-12-500-EB- 15-560.	Non- selection.	-do-	Essential : (1) Matriculation or equivalent. (2) Certificate from any re- cognised Art Institution. (3) Passing of trade test in Engraving Drawing.
24. Draughtsman (Senior)	5 (Ali- pore-2) (Bom- bay-2) (Hydera- bad-1)	General Central Services Class III (Non-Minis- terial Non- gazetted) (Technical)	Rs. 330-10-380-EB- 12-500-EB-15-560	Non-selec- tion	25 years	Essential : (1) Diploma in Draughtsmanship of a recognised institution. (2) Practical experience in draughtsmanship for at least 2 years.
25. Sub-Station Operator (Senior)	4 (Ali- pore-4)	General Central Services Class III (Non- Ministerial Non-gazetted)	Rs. 330-8-370-10- 400-EB-10-480	-do-	-do-	Essential : (1) Matriculation or equivalent. (2) One year's experience or Pra- ctical training in a Power House or Sub-station.
26. Draughtsman (Junior)	1 (Ali- pore-1)	General Central Services Class- III (Non- Ministerial Non-gazetted)	Rs. 260-8-300-EB-8- 340-10-380-EB-10- 430	Not applicable	25 years	Essential : (1) Matriculation or equivalent. (2) Practical experience in mecha- nical draughtsmanship for at least 3 years.

8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable.
Age : No Educational quali- fications : Yes	-do-	(i) 50% by promotion failing which by direct recruitment. (ii) 50% by direct re- cruitment.	Promotion : Engravers (Grade II) with 5 years service in the grade.	Class III Depart- mental Promo- tion Com- mittee.	-do-
Not applicable	2 years	Promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : Junior Draughtsman or Tracer with 5 years service in the grade.	Class III Depart- mental promo- tion Committee.	Not applicable.
-do-	-do-	(i) 50% by promotion failing which by direct recruitment. (ii) 50% by direct re- cruitment.	Promotion : Sub-station Operators (Junior) with 5 years service in the grade.	-do-	-do-
Not applicable	2 years	By direct recruitment.	Not applicable.	Not applicable	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7
27. Tracer	(1 Ali-pore-1)	General Central Services Class-III (Non-Ministerial Non-gazetted)	Rs. 260-8-300-EB-8-340-10-380-EB-10-430.	Not applicable.	25 years	Essential : (1) Matriculation or equivalent. (2) Practical experience in mechanical draughtsman-ship for at least 3 years.
28. Engravers (Grade II)	18 (Ali-pore-9) (Bombay-8) (Hyderabad-1)	-do-	Rs. 320-6-326-8-390-10-400	Non-selection	-do-	Essential : (1) Matriculation or equivalent. (2) Certificate from any recognised Art Institution. (3) Passing of trade test in Engraving drawing.
29. Sub-station Operator (Junior)	3 (Ali-pore-3)	General Central Services Class III (Non-Ministerial Non-gazetted)	Rs. 260-6-326-EB-8-350	Not-applicable	25 years	Essential : (1) Matriculation or equivalent. (2) One year's experience of electrical training in a Power House or Sub-station.
30. Engravers (Grade-III)	18 (Ali-pore-12) (Bombay-3) (Hyderabad-3)	-do-	-do-	-do-	-do-	Essential : (1) Matriculation or equivalent. (2) Certificate from any recognised Art Institution. (3) Passing of trade test in Engraving drawing.
SECURITY DEPARTMENT						
31. Warder	4 (Ali-pore-2) (Bombay-1) (Hyderabad-1)	-do-	Alipore and Bombay : Rs. 550-20-650-25-800 Hyderabad : Rs. 380-12-440-EB-15-560-EB-20-640	-do-	30 years (relaxable in the case of retired military officer physically fit for appointment)	Essential : (1) Matriculation or equivalent. (2) Must have served for atleast 5 years in a Military or Police Department.
DISPENSARY						
32. Compounder	3 (Ali-pore-2) (Bombay-1)	General Central Services Class III (Non-Ministerial Non-gazetted)	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	Selection	25 years	Essential : (a) Registration under clause (c) of section 31 or section 32 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), or qualifications entitling a candidate for such registration; or (b) Registration under clause (d) of section 31 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948). Desirable : Practical experience in a Government Hospital or a private dispensary.
33. Compounder/ (Junior)/ Dresser	13 (Ali-pore-7) (Bombay-4) (Hyderabad-2)	General Central Services Class III (Non-Ministerial Non-gazetted)	Alipore and Bombay : Rs. 210-4-250-EB-5-270 Hyderabad : Rs. 260-6-326-EB-8-350	Not applicable	25 years	Essential : (1) Middle School Standard. (2) Successful completion of First Aid Course.
GENERAL :						
34. Telephone Operator	2 (Ali-pore-1) (Bombay-1)	-do-	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	-do-	-do-	Essential : Matriculation or equivalent. Desirable : One year's practical experience as Telephone Operator.
35. Chauffeur	2 (Ali-pore-1) (Bombay-1)	General Central Services Class-III Non-Ministerial Non-gazetted)	Rs. 260-6-326-EB-8-350	Not applicable	30 years	Essential : Must possess a valid driving licence and must have fair knowledge of motor mechanism and experience of driving a motor car for atleast 5 years. Desirable : Middle School Standard.

9	10	11	12	13	14
Not applicable.	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Age : No Educational qualifications : Yes.	-do-	(i) 50% by promotion failing which by direct recruitment. (ii) 50% by direct recruitment.	Promotion : Engravers (Grade III) with 3 years service in the grade	Class III Departmental Promotion Committee.	-do-
Not applicable	2 years	By direct recruitment.	Not applicable	Not applicable	Not applicable
-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-
-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-
Age : No Educational qualifications : Yes.	2 years	Promotion failing which by direct recruitment.	Promotion from Junior Compounders with 3 years service in the grade and Dressers with 4 years service in grade.	Not applicable	Not applicable
Not applicable	2 years	By direct recruitment.	Promotion from Junior Compounders with 3 years service in the grade and Dressers with 4 years service in the grade.	Not applicable	Not applicable
-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-
Not applicable.	2 years	By direct recruitment.	Promotion from Junior Compounders with 3 years service in the grade and Dressers with 4 years service in the grade.	Not applicable	No applicable

(No. F.3 /47/75—Com.)
S. L. Dutt, Under Secy.

राजस्व और बैंककारी विभाग

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 19 जून, 1976

सांकांति० 863.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मख संख्या 27 की उप-मद के अधीन आने वाली और पुरानी एलुमिनियम आरचना से या शुल्क रद्द करने एलुमिनियम या शोने से विनिर्मित एलुमिनियम पट्टियों को यदि ऐसी पट्टियों का उपयोग एलुमिनियम के आभूषण बनाने में किया जाता है, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण शुल्क से छूट देती है कि—

(1) सहायक कलक्टर का समाधान हो गया है कि पट्टियों का उपयोग इस प्रकार किया जाता है; और

(2) जहाँ आभूषण विनिर्माण स्थल से अन्यत्र ऐसी पट्टियाँ विनिर्मित की जाती हैं; वहाँ ऐसी पट्टियों को निर्माण-स्थल से आभूषण बनाने वाले स्थान तक ले जाने के प्रयोजनार्थ केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर द्वारा विहित प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है।

[प्रधिसूचना सं० 193/76-सी० ई०-फा० सं० 111/6/75-सी० एम्० 4]
आर० के० चक्रवर्ती, प्रवर सचिव

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 19th June, 1976

G.S.R. 863.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts aluminium strips falling under sub-item (b) of Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and manufactured from old aluminium scrap or duty paid aluminium or both, from the whole of the duty leviable thereon if such strips are used in the manufacture of aluminium ornaments, subject to the conditions that—

(i) the Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the strips are so used; and

(ii) where such strips are manufactured in a place elsewhere than the place of manufacture of ornaments, the procedure as prescribed by the Collector of Central Excise shall be followed for the purpose of movement of such strips from the place of their manufacture to the place where aluminium ornaments are made.

[Notification No. 193/76-C.E.F. No. 141/6/75-C. X 41]

R. K. CHAKRABARTI, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जून, 1976

सांकांति० 864.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 191-ख के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 53/59-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 9 मई, 1959 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में उपाखण्ड मार्गों में क्रम संख्या 2 के सामने स्तम्भ (2) में मख (8) के स्थान पर निम्नलिखित मख रखी जाएगी, अर्थात्:—

“(8) सूती कलानेल या किसी अन्य सामग्री से विनिर्मित कार-भाइन (डम्पर) और अन्य प्रकार के भाइन।”

[प्रधिसूचना सं० 194/76-सी० ई०-फा० सं० 261/19/8/76-सी० एम्० 8
एम्० के० भारद्वाज, प्रवर सचिव

New Delhi, the 19th June, 1976

G.S.R. 864.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 191-B of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India

in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 53/59-Central Excises, dated the 9th May, 1959, namely :—

In the Table annexed to the said notification, against Serial Number 2, for item (8) in column (2), the following item shall be substituted, namely :—

“(8) Car dusters and other types of dusters, manufactured out of cotton flannel or any other material.”.

[Notification No. 194/76-C.E.-F. No. 261/19/8/76-CX8]

S. K. BHARDWAJ, Under Secy.

नई दिल्ली 19 जून, 1976

सा० का० नि० 865.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 4 को उप-मद 1 के अधीन आने वाली अविनिर्मित तम्बाकू के नमूनों को, जिनका उपयोग इससे उपायद्ध सारणी के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट अनुसंधान संस्थानों या केन्द्रों द्वारा अनुसंधान, प्रयोग या प्रदर्शन के प्रयोजन के लिए या पूर्वोक्त प्रयोजनों के समुच्चय में किया जाना आणयित है, ऊपर उद्ग्रहणी में समस्त शुल्क से स्तम्भ 3 और 4 में विनिर्दिष्ट सीमाओं तथा निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् :—

(1) उक्त प्रयोजन या प्रयोजनों के लिए, तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, हांसुर द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली अविनिर्मित तम्बाकू की मात्रा में तम्बाकू की वह मात्रा भी सम्मिलित होगी, जो उक्त अनुसंधान संस्थान द्वारा केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान राजमुन्दरी को उक्त प्रयोजन या प्रयोजनों के लिए भेजी जाती है;

(2) यथास्थिति, अनुसंधान संस्थान या केन्द्र का आरससधक अधिकारी—

(i) उक्त प्रयोजन या प्रयोजनों के लिए प्राप्त की गई या भेजी गई अविनिर्मित तम्बाकू के समुचित लेखे रखेगा;

(ii) अधिकारिता रखने वाले सहायक कलक्टर, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क को, ऐसी अविनिर्मित तम्बाकू की मात्रा के साक्ष्य रूप में जो उक्त प्रयोजन या प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाई गई है एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा;

(iii) जहाँ किसी मामले में अविनिर्मित तम्बाकू उसके द्वारा शर्त

(i) के अधीन अन्य अनुसंधान संस्थान या केन्द्र को भेजी जाती है या जब कलक्टर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क द्वारा ऐसे सहायक कलक्टर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क को, जिसकी अधिकारिता उस अनुसंधान संस्थान या केन्द्र पर है, जिसने उक्त प्रयोजन या प्रयोजनों के लिए अविनिर्मित तम्बाकू भेजी है ऐसा अनुज्ञान किया जाए, एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि ऐसी तम्बाकू का उपयोग कर लिया गया है; और

(iv) शर्त (1) के अधीन अपने परिसर में अविनिर्मित तम्बाकू के परिवहन के लिए या वहाँ से किसी अन्य अनुसंधान संस्थान या केन्द्र को अन्तर्गत करने के लिए या जब कलक्टर, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क द्वारा ऐसा अनुज्ञान किया गया हो, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में विहित प्रक्रिया को अपनाएगा;

(3) जहाँ शर्त (1) के अधीन अविनिर्मित तम्बाकू की कोई मात्रा अनुसंधान संस्थान या केन्द्र के परिसर से किसी अनुसंधान संस्थान या केन्द्र को हटाई जाती है, या जब कलक्टर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा ऐसा किया जाना अनुज्ञात किया जाता है, वहाँ ऐसी तम्बाकू को उक्त सारणी के स्तम्भ 3 और 4 के अधीन उस अनुसंधान संस्थान के लिए जिससे ऐसी तम्बाकू भेजी गई है अनुज्ञान तम्बाकू की मात्रा के अनुसार हो, लेखा रिया जाएगा।

सारणी			
क्रम सं०	अनुसंधान संस्थान या केन्द्र का नाम	अनुसंधान या प्रयोग के प्रयोजनों के लिए प्रतिवर्ष के लिए प्रतिवर्ष भार सम्बन्धी भार सम्बन्धी परिसीमा	प्रदर्शन के प्रयोजन के लिए प्रतिवर्ष भार सम्बन्धी परिसीमा
1	2	3	4
1.	तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, हांसुर	330 कि०	20 कि०
2.	तम्बाकू अनुसंधान केन्द्र पूमा (बिहार)।	300 कि०	—
3.	तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, बांझासन्तूर।	350 कि०	—
4.	केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, राजमुन्दरी।	2000 कि०	200 कि०

[सं० 196/76—सी० ई०/एफ० सं० 81/21/72—सी० एम 3] एन० राजा. अवर सचिव

New Delhi, the 19th June, 1976

G.S.R. 865.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts samples of unmanufactured tobacco, falling under sub-item 1 of Item No. 4 of the first Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), intended for use by the Research Institutes or Station specified in column 2 of the Table hereto annexed for the purpose of research, experiment or exhibition or for combination of the purposes aforesaid, from the whole of the duty leviable thereon, subject to the limitations specified in columns 3 and 4, thereof and to the following conditions that—

(1) The quantity of unmanufactured tobacco, to be used by the Tobacco Research Institute, Hansur, for the said purpose or purposes shall include the quantity to be issued by the said Research Institute to the Central Tobacco Research Institute, Rajahmundry for the said purpose or purposes;

(2) The officer in charge of the Research Institute or Station, as the case may be, shall—

(i) maintain proper accounts of unmanufactured tobacco received and issued for the said purpose or purposes;

(ii) furnish to the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction a certificate evidencing the quantity of unmanufactured tobacco as has been used for the said purpose or purposes;

(iii) furnish a certificate, where in a case unmanufactured tobacco is sent by him to another Research Institute or Station under condition (1) or when so permitted by the Collector of Central Excise, to the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the Research Institute or Station which has sent the unmanufactured tobacco for the said purpose or purposes that such tobacco has been used; and

(iv) follow the procedure prescribed in the Central Excise Rules, 1944 for transport of unmanufactured tobacco either to his premises or for transfer therefrom to another Research Institute or Station under condition (1) or when so permitted by the Collector of Central Excise;

(3) where any quantity of unmanufactured tobacco is moved from the premises of Research Institute or Station to any other Research Institute or Station under condition (1) or when so permitted by the Collector of Central Excise, the said tobacco shall be accounted for against the quantity of tobacco allowed under columns 3 and 4 of the said Table for that Research Institute or Station from which such tobacco is sent.

THE TABLE				1	2	3	4
S. No.	Name of the Research Institute or Station	Limitation with regard to weight Per annum for research or experiment	Limitations with regard to weight per annum for purposes of exhibition				
				2	Tobacco Research Station, Pusa (Bihar)	300 Kgs	—
				3.	Tobacco Research Institute, Vadasandur.	350 Kgs.	—
				4.	Central Tobacco Research Institute, Rajahmundry.	2000 Kgs.	200 Kgs.
1.	2.	3.	4.				
1.	Tobacco Research Institute, Hansur	330 Kgs	20 Kgs.				

[No 196/76-CE./F. No. 81/21/72-CX 3]
N. RAJA, Under Secy.

बाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1976

सांकांमि० 866.—राष्ट्रपति, सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बाणिज्य मंत्रालय में अनुसंधान अधिकारी के समूह 'क' राजपत्रित पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1 सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ —(1) इन नियमों का नाम बाणिज्य मंत्रालय, अनुसंधान अधिकारी, (नीति, योजना और समन्वय प्रभाग) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान —उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे उपाख्य अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3 भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि —उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4 निरर्हताएं.—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा —

अनुसूची

पद का नाम	पदा की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद अथवा अग्रयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
अनुसंधान अधिकारी	1	माधारण/केन्द्रीय सेवा समूह 'क' राजपत्रित	700-40-900-२० २००-40-1100- 50-1300 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सोचे भर्ती किये जाने बर्तन व्यक्तियों के लिये ब्रिह्म आर्य और शैक्षिक प्रवर्तन प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिशीक्षा की अवधि यदि कोई है	भर्ती की पद्धति/भर्ती सोचे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में ये श्रेणियाँ जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोन्नति प्रभृति है तो उसकी सम्बन्धिता	भर्ती करने में किम परिस्थितियों में सब लोक सेवा आयोग में परामर्श किया जायेगा
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होगा	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण केन्द्रीय सरकार के अधीन मनुष्य पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने 650-1200 रु० वेतनमान या समतुल्य पदों में कम से कम तीन वर्ष नियमित सेवा की हो या जिन्होंने 550-900 रु० वेतनमान के या समतुल्य पदों में कम से कम 5 वर्ष नियमित सेवा की हो और जो अर्थशास्त्र/सांख्यिकी/ वाणिज्य/गणितशास्त्र में मास्टर की उपाधि रखते हो और जिन्हें विदेश व्यापार में निर्यात संबंधित, आयोजना और अन्य समस्याओं के अनुसंधान का अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतया 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	लागू नहीं होता।	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 द्वारा यथा अपेक्षित

[फा० सं० ए०-12018/5/72-ई०-1]

ओम प्रकाश गुप्त, सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 17th April, 1976

G.S.R. 866.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to group 'A' gazetted post of the Research Officer in the Ministry of Commerce namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Commerce, Research Officer, (Policy, Planning and Coordination Division) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification :—No Person :—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-Selection post.	Age Limit for direct recruits.	Educational and other qualifications required for direct recruits	qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	
Research Officer	1	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300	Not applicable	Not applicable	Not applicable	
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation.	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation on transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment		
8	9	10	11	12	13		
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation	Transfer on deputation : Officers under the Central Government holding analogous posts or with at least 3 years Regular service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent or with 5 year's regular service in posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent and possessing Master's Degree in Economics/ Statistics/ Commerce/ Mathematics and having experience in research in the field of export promotion, planning and other problems of foreign trade. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years.	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958		

[F. No. A 12018/5/72-BI]

O P. GUPTA Under Secy.

पूर्ति और पुर्नवास मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, 2 जून, 1976

सां० का० नि० 867 — संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, पूर्ति और निपटान महानिदेशालय (वरिष्ठ आर्थिक अन्वेषक तथा आर्थिक अन्वेषक) भर्ती नियम, 1962 में और प्रागे सशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् —

- (1) ये नियम पूर्ति और निपटान महानिदेशालय (वरिष्ठ आर्थिक अन्वेषक तथा आर्थिक अन्वेषक) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 कहें जा सकेंगे।
- (2) ये नियम शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू माने जायेंगे।
- पूर्ण और निपटान महानिदेशालय (वरिष्ठ आर्थिक अन्वेषक तथा आर्थिक अन्वेषक) भर्ती नियम, 1962 की अनुसूची में, वरिष्ठ आर्थिक अन्वेषक से संबंधित क्रम सं० 1 में, कालम 11 के अन्तर्गत की गई प्रविष्टि में "और वरिष्ठ आर्थिक अन्वेषक" नामक शब्दों को हटा दिया जायेगा।

[फाइल सं० ए-12018/4/74-स्था०-2]

पी० दामोदरम्, अवर सचिव

MINISTRY OF SUPPLIES & REHABILITATION

(Department of Supplies)

New Delhi, the 2nd June, 1976

G.S.R. 867.—In exercise of the powers conferred by proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate General of Supplies and Disposals (Senior Economic Investigator and Economic Investigator) Recruitment Rules, 1962, namely :—

1. (i) These rules may be called the Directorate General of Supplies and Disposals (Senior Economic Investigator and Economic Investigator) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate General of Supplies and Disposals (Senior Economic Investigator and Economic Investigator) Recruitment Rules, 1962, in Sl. No. 1 relating to Senior Economic Investigator, in the entry under column 11, the words "and Junior Economic Investigator" shall be omitted.

[F. No. A-12018/4/74-ES. II]

P. DAMODARAN, Under Secy.

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली 28 मई, 1976

सा० का० नि० 868.—राष्ट्रपति सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, इसके द्वारा दण्डकारण्य परियोजना में (वर्ग 'क' तथा वर्ग 'ख' के पदों) पर भर्ती के नियम, 1968 को संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् —

1. (1) ये नियम दण्डकारण्य परियोजना (वर्ग 'क' तथा 'ख' के पदों पर भर्ती के (संशोधित) नियम, 1976 कहलायेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. दण्डकारण्य परियोजना में (वर्ग 'क' तथा वर्ग 'ख' के पदों) पर भर्ती के नियम, 1968 में संशोधित अनुसूची की मद संख्या 3, कॉलम 1, कम संख्या 3 के सामने "सहायक वित्त सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी" शब्दों के स्थान पर "सहायक वित्त सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी या लेखा अधिकारी" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[सं० 1(108)/73-वण्ड]

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 28th May, 1976

G.S.R. 868.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Dandakaranya Project (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1968, namely :

1. (1) These rules may be called the Dandakaranya Project (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule annexed to the Dandakaranya Project (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1968, against item 3, in column 1 against serial No 3, for the words "Assistant Financial Adviser and Chief Accounts Officer", the words "Assistant Financial Adviser and Chief Accounts Officer or Accounts Officer" may be substituted.

[No. 1(108)/73-DNK]

सा० का० नि० 869.—सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रपति इसके द्वारा पुनर्वास भवनालय (पुनर्वास विभाग) के अन्तर्गत दण्डकारण्य परियोजना में शिक्षा संगठन में शिक्षक (मैट्रिक पास) (सम्पूर्ण) प्रशिक्षित (वर्ग 'ग' के पद) पर भर्ती की पद्धति को वितरित करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ —(1) ये नियम दण्डकारण्य परियोजना में शिक्षा संगठन में शिक्षक (मैट्रिक पास) (सम्पूर्ण) प्रशिक्षित (वर्ग 'ग' के पद पर) भर्ती के नियम, 1975 कहलायेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान —इस पद की संख्या, इसका वर्गीकरण और वेतनमान इन नियमों की संलग्न अनुसूची के कॉलम 2 से 4 में दिया गया है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और योग्यताएं, इत्यादि —उपयुक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, योग्यताएं और इनसे संबंधित अन्य बातें उक्त अनुसूची के कॉलम 5 से 13 में दी गई हैं।

4. अयोग्यताएं.—कोई व्यक्ति —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित हो, या

(ख) जिसने पति या पत्नी के जीवन रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात में संतुष्ट हो जाये कि उक्त व्यक्ति पर तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर जो वैयक्तिक काम चल रहा होता है उसके अधीन ऐसा विवाह किया जा सकता है तथा ऐसा करने के और आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. रियायत देने की शक्ति —यदि केन्द्रीय सरकार की ऐसा राय हो कि ऐसा करना उचित या आवश्यक है तो वह लिखित कारणों के आधार पर आदेश देकर किसी भी श्रेणी या वर्ग के व्यक्तियों या पदों के लिये इन नियमों के किसी भी उपबन्ध में रियायत कर सकती है।

6. अपवाद —इन नियमों में दी गई कोई भी बात अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों को इस संदर्भ में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के आधार पर दिये जाने वाले आरक्षण तथा रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवर्णन पद है अथवा अप्रवर्णन	सीधी भर्ती वाला क लिये आयु सीमा	सीधी भर्ती वालों के लिये अपेक्षित शिक्षा संबंधी और अन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6	7
शिक्षक (मैट्रिक पास) (सम्पूर्ण) प्रशिक्षित	5	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग 'ग' अराजपक्षित अलिपिकवर्गीय	260-8-300-द० री०-8-340-10-380-द० री०-10-430 रुपये	प्रवर्णन	18 से 30 वर्ष के बीच	(क) मैट्रिक पास इसके समकक्ष किसी मान्यताप्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय या संस्थान से मैट्रिक पास या उसके समकक्ष। (ख) सम्पूर्ण में डिप्लोमा अर्थात् तीर्थ, शास्त्री या आचार्य। (ग) ऐसा भी वाछनीय हो, हिन्दी या अंग्रेजी या उड़िया भाषा का ज्ञान।

क्या सीधी भर्ती वालों के लिये विहित आयु और शिक्षा संबंधी योग्यताएं पदोन्नति वालों की दशा से भी लागू होंगी	परिक्षा की कालावधि, यदि कोई हो तो	भर्ती की पद्धति / क्या सीधी भर्ती होगी या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा से वे ग्रेड जिनसे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाता है	यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसका गठन कैसे किया गया है	वे परिस्थितियाँ जिनमें नियम बनाने समय सब लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है
---	-----------------------------------	---	--	--	--

8	9	10	11	12	13
---	---	----	----	----	----

योग्यताओं कायू नहीं	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा इसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा	पदोन्नति -- (1) शिक्षक (अप्रशिक्षित इन्टर-मीडियेट) जिसकी 260-400 रु० के ग्रेड में 2 वर्ष की सेवा हो गई हो। (2) प्राथमरी स्कूल शिक्षक (अप्रशिक्षित मैट्रिक पास) जिसकी 225-350 रु० के ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा हो गई हो।	(1) शिक्षा अधीक्षक-संयोजक (2) परियोजना मुख्यालय से नामित सचिव। (3) परियोजना संगठन से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का कोई अन्य अधिकारी।
---------------------	--------	--	--	---

[सं० 1/123/75-बण्ड]

शान्ति साह, उप-सचिव

G.S.R. 859.—In exercise of the power conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to post of Teacher (Matriculate) (Sanskrit) Trained (Group-C post) in the Education Organisation in the Dandakaranya Project under the Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation), namely:

1. Short Title and Commencement:—(1) These rules may be called the Dandakaranya Project, Education Organisation, Teacher (Matriculate) (Sanskrit) Trained (Group-C post) Recruitment Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, Classification and Scale of pay:—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of Recruitment, Age Limit, Qualifications, Etc:—The method of recruitment to the said post, age-limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications:—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to Relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No of post.	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits	Educational qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Teacher (Matriculate) (Sanskrit) Trained	5	General Central Service Group-C Non-Gazetted/Non-Ministerial	Rs. 260-8-300-LB-8-340-10-380-LB-10-430	Selection	Between 18-30 years	Essential: (a) Matriculate or equivalent from a recognised Board or University or Institution. (b) Diploma in Sanskrit i.e., Tirtha, Sastri or Acharya. (c) Knowledge of Hindi or Bengali or Oriya, as may be required.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Qualifications : Yes Age: No	Two years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion: (i) Teacher (Intermediate Un-trained) with 2 years' service in the grade of Rs. 260-400. (ii) Primary School Teachers (Matriculate Untrained) with 3 years' service in the grade of Rs. 225-350.	1. Superintendent of Education Convener 2. A nominee of the Project Headquarter Member 3. Any other Officer from the Project Organisation belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.	Not applicable.

[No. 1(123)/75-DNK]

SHANTI LAL, Dy. Secy

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 मई, 1976

सांकांति० 870.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति इसके द्वारा विदेश मंत्रालय होस्टल नई दिल्ली (चतुर्थ श्रेणी पद) भर्ती नियमावली, 1974, का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- (1) ये नियम विदेश मंत्रालय होस्टल, नई दिल्ली (चतुर्थ श्रेणी पद) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1976 कहे जाएंगे।
- (2) ये भारत राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- विदेश मंत्रालय होस्टल नई दिल्ली (चतुर्थ श्रेणी पद) भर्ती नियमावली, 1974 के नियम 6 में, ये शब्द "और संघ लोक सेवा आयोग से संसाहमशविरा करके" हटा दिए जाएंगे।

[सं० 45/पी एफ/76]

एन० के० बी० राय, अवर सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 1st May, 1976

G.S.R. 870.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby make the following rules to amend the Ministry of External Affairs Hostel New Delhi (Class IV posts) Recruitment Rules, 1974, namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of External Affairs Hostel New Delhi (Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 6 of the Ministry of External Affairs Hostel New Delhi (Class IV posts) Recruitment Rules, 1974, the words "and in consultation with the Union Public Service Commission" shall be omitted.

[No. 45/PF/76]

N. K. B. ROY, Under Secy.

पेट्रोलियम/रसायन और उर्वरक मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1976

सांकांति० 871.—संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्ध द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, पेट्रोलियम/रसायन और उर्वरक मंत्रालय में श्रेणी 'घ' के कुछ पदों की नियुक्ति पद्धति को नियमित करने के लिये एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं; अर्थात् :—

- संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्भ — (1) ये नियम पेट्रोलियम/रसायन और उर्वरक मंत्रालय श्रेणी 'घ' नियुक्ति नियम 1976 कहे जा सकेंगे।
- (2) ये नियम सरकारी गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।
- लागू होता — ये नियम सलग्न अनुसूची के कालम 2 में निर्दिष्ट पदों पर लागू होंगे।
- पद-संख्या, उनका वर्गीकरण और वेतनमान — पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और वेतनमान उक्त अनुसूची के कालम 3 से 5 में निर्दिष्ट व्यवस्था के अनुसार होंगे।
- नियुक्ति पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं, आदि — उक्त पदों की नियुक्ति पद्धति, आयु सीमा अर्हताएं और उन पदों से संबंधित अन्य मामले उपरोक्त अनुसूची के कालम 6 से 14 में दी गई व्यवस्था के अनुसार होंगे।
- अनर्हताएं — ऐसा कोई व्यक्ति, जिसने
 - (क) किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है अथवा उसके लिये अनुबंध है जिसका/जिसकी पति/पत्नी जीवित है, अथवा
 - (ख) पति/पत्नी के जीवित होने हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह किया है अथवा उसके लिये अनुबंध है उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

बतहत कि कन्द्रीय सरकार यदि इस बात से सतुष्ट है कि ऐसे व्यक्ति तथा उस विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू व्यक्तिगत कानून के अन्तर्गत यह विवाह अनुज्ञेय है और ऐसा करने का आधार भी है, इस नियम के लागू होने से किसी व्यक्ति को छूट दे दे।

6 शिथिल करने की शक्ति — ऐसे मामले में जहाँ केन्द्रीय सरकार यह आवश्यक अथवा अनिवार्य समझे वह इन कारणों का लिखित अभिलेख करने हुए आदेश द्वारा सच लोक सेवा आयोग से परामर्श करके किसी श्रेणी अथवा वर्ग के मामले में इन नियमों के समस्त उपबन्धों अथवा किसी एक उपबन्ध को शिथिल कर सकती है।

7 बचाव — केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार इन नियमों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन-जाति तथा अन्य विशेष वर्गों के लिये अपेक्षित आरक्षणों और अन्य रियायतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुसूची

क्रम सं०	पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वर्तमान	क्या यह प्रवर्णन पद है अथवा गैर-प्रवर्णन पद	सीधी भर्ती के लिये सीधी भर्ती के लिये अपेक्षित शैक्षणिक और अन्य योग्यताएं					
1	2	3	4	5	6	7	8				
1	रिक्वाइर्ड सार्टर अथवा सलेक्शन ग्रेड वफतरी	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी 'घ' अराज-पत्रित	र० 210-4-250-ई० बी०-5-270	गैर-प्रवर्णन	18-25 वर्ष के बीच	अनिवार्य -- मिडिल स्कूल स्तर तक पास होना चाहिये।				
2.	कनिष्ठ लाइब्रेरी परिचर	1	--वही--	र० 200-3-206-4-234-ई०बी०-4-250	--वही--	--वही--	--वही--				
3.	जमादार	10	--वही--	--वही--	--वही--	--वही--	--वही--				
<hr/>											
क्या सीधी भर्ती के लिये निर्धारित आयु तथा शैक्षणिक अर्हताएं पदोन्नत व्यक्तियों के लिये लागू होगी		परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति सीधी भर्ती अथवा पदोन्नति अथवा प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाले रिक्त पदों की प्रतिशतता	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती किये जाने पर ग्रेड जिससे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति की जानी है।	यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसका गठन किस प्रकार किया जाता है	वे परिस्थितियां जिनसे भर्ती करने के लिये सच लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाता है					
9	आयु नहीं अर्हताएं हैं	10	2 वर्ष	11	पदोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	12	पेट्रोलियम/रसायन और उर्वरक मंत्रालय में उस ग्रेड में तीन साल की नौकरी वाले दफतारियों में पदोन्नति द्वारा।	13	(1) अध्यक्ष-अवर सचिव (स्थापना) (2) सदस्य विभाग का अवर सचिव (3) सदस्य विभागीय अवर सचिव के स्तर से कम का अधिकारी न हो जिन पदोन्नति के लिये विचार किया जाता है उससे सम्बन्धित न हो।	14	लागू नहीं
--वही--	--वही--	--वही--	स्थानान्तरण या पदोन्नति द्वारा दोनों के ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	जमादारों या दफतारियों के स्थानान्तरण द्वारा पेट्रोलियम/रसायन और उर्वरक मंत्रालय में उस ग्रेड में तीन साल की सेवा वाले दफतारियों में से पदोन्नति द्वारा।	--वही--	--वही--	--वही--				
--वही--	--वही--	--वही--	पदोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	पेट्रोलियम/रसायन और उर्वरक मंत्रालय में उस ग्रेड में तीन साल की सेवा वाले दफतारियों में से पदोन्नति द्वारा	--वही--	--वही--					

1	2	3	4	5	6	7
4 दफ्तरी	13	--वही--	--वही--	--वही--	--वही--	--वही--
5. अपरासी	47	--वही--	न० 196-3-220-ई० बी०-3-232	लागू नहीं होता	--वही--	अनिवार्य -- (1) मिडिल स्कूल स्तर तक पास होना चाहिये। (2) माहकिल चलाना जानता हो।
6. फराश	4	--वही--	--वही--	--वही--	--वही--	बांछनीय -- प्राइमरी स्कूल पास होना चाहिये।
7 सफाई कर्मचारी	4	--वही--	--वही--	--वही--	--वही--	बांछनीय -- प्राइमरी स्कूल पास होना चाहिये।
8	9	10	11	12		
आयु : नहीं अर्हताएं : हा	वही	पदोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	पेट्रोलियम/रसायन और उर्वरक मंत्रालय में उस ग्रेड में तीन साल की सेवा वाले अपरासियों से पदोन्नति द्वारा	(1) अध्यक्ष अवर सचिव (स्थापना) (2) सदस्य विभागीय अवर सचिव (3) सदस्य विभागीय लागू नहीं। अवर सचिव के स्तर से कम का अधिकारी न हो जिसे पदोन्नति के लिये विचार किया किया जाना है उससे संबंधित न हो		
लागू नहीं	वही	75% सीधी भर्ती द्वारा 25% स्थानान्तरण द्वारा ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा	उन फराशों, सफाई कर्मचारियों चौकी- दारों आदि के स्थानान्तरण द्वारा जो अपने ग्रेड में कम से कम पांच साल की सेवा कर चुका है जिसे प्रारम्भिक साक्षरता का ज्ञान है और पेट्रोलियम/ रसायन और उर्वरक मंत्रालय द्वितीय पढ़ने की योग्यता का प्रमाण सामान्य लिखित परीक्षा के आधार पर दे सके।	लागू नहीं	--वही--	
लागू नहीं	2 साल	सीधी भर्ती द्वारा।	लागू नहीं।	लागू नहीं	--वही--	
--वही--	--वही--	--वही--	--वही--	--वही--	--वही--	

[न० ए०-12011/40/75-प्रश्न०]

गोकल राम, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM

Ministry of Chemicals & Fertilizers

New Delhi, the 18th February, 1976

G.S.R. 871.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certain group 'D' posts in the Ministry of Petroleum/Chemicals and Fertilizers, namely:—

1. Short title and Commencement :—(1) These rules may be called the Ministry of Petroleum/Chemicals and Fertilizers (Group 'D' Posts Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Applications:—These rules shall apply to the posts specified in column 2 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number, Classification and scales of pay:—The number of posts, their classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in column 3 to 5 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc. The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications, and other matters connected therewith shall be as specified in column 6 to 14 of the said Schedule.

5. Disqualification:—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, relax all or any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

THE SCHEDULE

S.No.	Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Record Sorter or Selection Grade Daftry	2	General Central services Group-D Non-gazetted	Rs. 210-4-250-EB-5-270.	Non-Selection	Between 18-25 years	Essential : Should have passed Middle School standard.
2.	Junior Library Attendant.	1	-do-	Rs. 200-3-206-4-234-EB-4-250	-do-	-do-	-do-

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recc. or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recc. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
Age: No. 2 years Qualification: Yes		By promotion failing which by direct recruitment.	By promotion from amongst Daftries in the Ministry of Petroleum/Chemicals and Fertilizers with 3 years service in the grade.	(1) Chairman—Under Secretary (Establishment). (2) Member— Under Secretary from the Department. (3) Member—An Officer not lower in status than the Under Secretary from a Department, not connected with the one in which promotion are considered.	Not applicable.
-do-	-do-	By transfer or promotion failing both by direct recruitment.	By transfer from Jamadars or Daftries. By promotion from Peons in the Ministry of Petroleum/Chemicals and Fertilizers	-do-	-do-

1	2	3	4	5	6	7	8
3. Jamadars	10	General Central Services Group D non-gazetted	Rs. 200-3-206-4-234-EB-4-250	Non-selection	Between 18-25 years	Essential : Should have passed Middle School Standard.	
4. Daftries	13	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	
5. Peons	47	-do-	Rs. 196-3-220-EB-3-232	Not - applicable	-do-	Essential : (1) Should have passed Middle School Standard. (2) Should know cycling.	
6. Farashes	4	-do-	-do-	-do-	-do-	Desirable : Pass in Primary School Standard.	
7. Sweepers	4	-do-	-do-	-do-	-do-	Desirable : Pass in Primary School Standard.	
9	10	11	12	13	14		
Age: No Qualification: Yes	Two years	By promotion failing which by direct recruitment	By promotions from amongst Peons in the Ministry of Petroleum/Chemicals and Fertilizers with 3 years service in the grade.	(1) Chairman—Under Secretary (Establishment). (2) Member—Under Secretary from the Department. (3) Member—An Officer not lower in status than the Under Secretary from a Department, not connected with the one in which promotion are considered.	Not applicable.		
-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-		
Not applicable	-do-	75% by direct recruitment 25% by transfer failing which by direct recruitment.	By transfer from farashes, sweepers, chowkidars etc. who have put in a minimum of five years service in the respective grade who possess elementary literacy and give proof of ability to read in Hindi in the Ministry of Petroleum/Chemicals and Fertilizers on the basis of a simple written test.	Not applicable	-do-		
-do-	-do-	By direct recruitment	Not applicable	-do-	-do-		
-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-		

[A.12011/40/75-Admn.-J]

Gokal Ram, Under Secy.

योजना मंत्रालय

सांख्यिकी विभाग

नई दिल्ली, 28 मई, 1976

सा० का० नि० 872.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (औद्योगिक सांख्यिकी पक्ष), कलकत्ता (श्रेणी 1 पद) की भर्ती पद्धति, 1970 को विनियमित करने वाले नियमों में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बताते हैं, अर्थात्:—

1. (1) ये नियम केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (औद्योगिक सांख्यिकी पक्ष), कलकत्ता (श्रेणी 1 पद) (संशोधन) नियम, 1976 कहे जा सकेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2 केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (औद्योगिक सांख्यिकी पक्ष), कलकत्ता (श्रेणी 1 पद) के भर्ती नियम, 1970 की अनुसूची में क्रमांक 3 के सामने जो कि अपरासी के पद के बारे में है, कालम-II में की जाने वाली प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

“(i) 75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा, जिसके न होने पर स्थानान्तरण द्वारा तथा दोनों के न होने पर उसी कार्यालय अथवा केन्द्रीय सरकार के अन्य कार्यालयों में कार्य करने वाले स्वीपर्स, फराशों याद्वारा—जिसमें कि वे सीधी भर्ती के लिए, कालम 3 में निर्धारित योग्यता रखते हों।

(ii) 25 प्रतिशत नियुक्ति उसी कार्यालय अथवा केन्द्रीय सरकार के अन्य कार्यालयों में कार्य करने वाले स्वीपर्स, फराशों, चौकीदारों आदि के स्थानान्तरण द्वारा जिनमें चपरासी के पद की सीधी भर्ती के लिए निर्धारित योग्यता न हो, परन्तु जो मौलिक रूप से साक्षर हों एवं हिन्दी पढ़ने की योग्यता का सबूत देते हैं और उसी कार्यालय अथवा केन्द्रीय सरकार के अन्य कार्यालयों में पांच वर्ष की सेवा हो।”

[ए-12018/5/75-स्थापना-II]

हरीश चन्द्रा, उप-सचिव

MINISTRY OF PLANNING

(Department of Statistics)

New Delhi, the 28th May, 1976

G.S.R. 872.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Central Statistical Organisation (Industrial Statistics Wing), Calcutta (Class IV posts) Recruitment Rules, 1970, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Central Statistical Organisation (Industrial Statistics Wing), Calcutta, (Class IV posts) (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Central Statistical Organisation (Industrial Statistics Wing), Calcutta (Class IV posts) Recruitment Rules, 1970, against Sl. No. 3 relating to the post of Peon, in column 11, for the existing entry, the following entries shall be substituted, namely :—

“(i) 75 per cent by direct recruitment, failing which by transfer and failing both by Sweepers, Farashes, etc. serving in the same office or any other Central Government Office provided they possess the qualifications prescribed in column 8 for direct recruits.

(ii) 25 per cent by appointment on transfer of Sweepers, Farashes, Chowkidars, etc. serving in the same or other Central Government Offices, who do not possess the qualifications prescribed for direct recruitment to the post of Peon, but who possess elementary literacy and give proof of ability to read in Hindi and have put in 5 years service in the same office or in other Central Government Offices.”

[No. A-12018/5/75-Estt. II]

HARISH CHANDRA, Dy. Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 27 मई, 1976

सा० का० नि० 873.—नव मंगलौर पत्तन नियम, 1975 का निम्न-लिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए बनाना चाहती है, जैसा कि उक्त धारा की उपधारा (2) द्वारा अपेक्षित है, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधि. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. उपरोक्त अधि की समाप्ति से पूर्व उक्त प्रारूप की श्राव्य जो आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

32 GI/76—5.

नियमों का प्रारूप

नवमंगलौर पत्तन नियम

अध्याय-I

आरम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नव मंगलौर पत्तन नियम, 1976 है।

(2) जब तक कि इन नियमों में अन्यथा उपबन्धित न हों, ये केवल नव मंगलौर पत्तन की स्थानीय सीमाओं के भीतर लागू होंगे।

2. परिभाषाएँ :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) अभिप्रेत है,

(ख) “संरक्षक” से अधिनियम के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त पत्तन संरक्षक अभिप्रेत है,

(ग) “खतरनाक माल” से भारतीय वाणिज्य पोत परिवहन (खतरनाक माल का परिवहन) नियम, 1954 द्वारा यथापरिभाषित माल अभिप्रेत है,

(घ) “खतरनाक पेट्रोलियम” ऐसा पेट्रोलियम अभिप्रेत है जिसका प्रचलन-ताप ताप बिन्दु 24.4 डिग्री सेन्टीग्रेड से नीचे है,

(ङ) “उपसंरक्षक” से पत्तन के समुद्री विभाग का प्रधान अभिप्रेत है और इसमें ऐसा बन्दरगाह मास्टर या पाइलट भी आता है जिसे समुद्री विभाग के प्रधान द्वारा इस निमित्त सम्पूतः प्राधिकृत किया गया हो,

(च) “ईंधन तेल” से ऐसा पेट्रोलियम तेल अभिप्रेत है जिसका प्रचलन-ताप ताप बिन्दु 65.6 डिग्री सेन्टीग्रेड से कम नहीं है तथा जिसे सामान्यतया इजनों और भट्टियों में ईंधन के रूप में प्रयुक्त किया जाता है,

(छ) माल के संबंध में “स्वामी” के अन्तर्गत परेषक, परेषिनी नौभार परेषक या विषय अभिरक्षा, लदान या ऐसे माल के विषय, अभिरक्षा, लदान या उतार-ई अधिकर्ता आता है, और पत्तन का प्रयोग करने वाले किसी जलयान के संबंध में, इसमें आंशिक स्वामी आर्टरकर्ता, परेषिनी या उसका सकल अधिकार भी आता है,

(ज) “पेट्रोलियम” से द्रव हाईड्रोकार्बन या हाईड्रोकार्बन और ज्वलनशील मिश्रण (द्रव, विस्कासी या ठोस) का मिश्रण अभिप्रेत है जिसमें कोई भी द्रव हाईड्रोकार्बन हो, किन्तु इसमें ऐसा तेल नहीं आता है जिसका प्रयोग सामान्यतया स्नेहक प्रयोजन के लिए किया जाता है तथा इसका प्रचलन-ताप बिन्दु 93.3 डिग्री सेन्टीग्रेड या अधिक हो,

(झ) “पत्तन” से नव मंगलौर पत्तन अभिप्रेत है,

(ञ) “पत्तन प्राधिकारी” से केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किया गया मुख्य इंजीनियर तथा पत्तन प्रशासक अभिप्रेत है और इसमें पत्तन का ऐसा अन्य अधिकारी भी सम्मिलित है जो मुख्य इंजीनियर और पत्तन प्रशासक के प्राधिकार के अधीन कार्य कर रहा हो,

(ट) "टैकर" से ऐसा धोरा अभिप्रेत है जिसे ज्वलनशील प्रकृति के द्रव धोराम्रों के प्रपूज रूप में परिवर्तन के लिए निमित्त किया गया है या

अनुकूल बनाया गया है,

(ठ) "यातायात प्रबन्धक" से पत्तन पर तत्समय यातायात प्रचालन का भारमाधक अधिकारी अभिप्रेत है और इसमें उप यातायात प्रबन्धक और सहायक यातायात प्रबन्धक और अन्य अधिकारी भी सम्मिलित हैं जो यातायात प्रबन्धक के प्राधिकार के अधीन कार्य कर रहे हैं।

अध्याय II

पत्तन पर जलयानों का प्रवेश

3. जलयान के प्रत्याशित आगमन की सूचना :—(1)(क) जब किसी जलयान के आगमन की प्रत्याशा है तब आगमन के प्रत्याशित समय से कम से कम 48 घण्टे पूर्व उसके अधिकर्ता, यातायात प्रबन्धक को एक सूचना भेजेंगे तथा उसकी एक प्रति उपसंरक्षक को, उपसंरक्षक द्वारा विहित प्ररूप में भेजेगा।

(ख) ऐसी सूचना में विशिष्ट बर्थों, भारी लिफ्ट त्रेनों और अन्य वस्तुओं की बाबत कोई भी विशिष्ट अपेक्षा उपरिनिर्दिष्ट की जाएगी।

(ग) पत्तन पर अवतरित होने वाले धोरा, विपाट द्वारा के अनुसार धोरा के नौभार विन्यास और वितरण सहित पुष्कल रूप से विशदलाए गए विशेष धोरा और भारी लिफ्ट की मदों की बाबत विस्तृत विशिष्टियाँ या तो जलयान की आगमन सूचना में संलग्न की जाएंगी या जलयान के आगमन से कम से कम 24 घण्टे पूर्व भेजी जाएंगी। यह धोरा सूचनापत्र तीन प्रतियों में होगा।

(2) प्रत्याशित जलयानों के अधिकर्ता, स्वयं अपने हित में, समय पर यातायात प्रबन्धक के सम्पर्क स्थापित करेंगे तथा उसे धोरा की प्रकृति, परिणाम तथा उनके द्वारा प्राणयित नौभार विन्यास की बाबत सभी जानकारी से और जलयान की बाबत, ऐसी जानकारी से भी अवगत कराएँगे जो उसे घाट की उचित बर्थ पर लगाने के लिए आवश्यक हों।

4. बर्थ का आबंटन :—(1) पत्तन पर किसी बर्थ की बाबत किसी जलयान का तब तक दावा नहीं होगा जब तक उसे यह यातायात प्रबन्धक द्वारा आबंटन न किया गया हो और ऐसे आबंटन की सूचना संरक्षक द्वारा न दी गई हो।

(2) पत्तन पर बर्थ के आबंटन को तब अन्तिम समझा जाएगा जब तक कि जलयान पत्तन में प्रवेश करने के लिए वास्तविक रूप से तैयार न हो और ऐसी बर्थ की बाबत उसका अधिकृत तथा अधिकार यातायात प्रबन्धक के समाधानप्रद रूप में न कर दिया जाए।

5. कतिपय जलयानों की पूर्विक्ता :—बर्थों का आबंटन, यातायात प्रबन्धक के विवेकाधीन तथा अत्यावश्यकताओं के अधीन होगा, संकेत केन्द्र द्वारा पहचाने देखे गए तथा पहचान किए गए जलयान को पूर्विक्ता दी जाएगी।

परन्तु सैन्यबल को बढ़ाने या उतारने वाले जलयानों, यात्री जलयानों और किसी अन्य वर्ग के जलयानों जिन्हें संरक्षक समय समय पर इस निमित्त घोषित करे, को घाट पर लगाने के लिए पूर्विक्ता मिलेगी।

6. बर्थ आबंटित करने से इंकार :—यदि यातायात प्रबन्धक समझता है कि किसी पत्तन में किसी जलयान को प्रवेश न होने देने के लिए अच्छा और पर्याप्त कारण है, तो वह उस मामले को संरक्षक को निवेष्ट

करेगा और संरक्षक के विनिश्चय के लक्षित रहते तक वह बर्थ के आबंटन से इंकार कर सकेगा।

7. मास्टर जलयानों का समावेशन करेगा :—(1) किसी जलयान को पत्तन में प्रवेश करने या उसे छोड़ने के लिए या पत्तन में एक बर्थ से दूसरे बर्थ पर ले जाए जाने के लिए तब तक अनुज्ञान नहीं किया जाएगा जब तक कि मास्टर पत्तक पर नहीं है।

मास्टर की मृत्यु या गंभीर बीमारी जैसी असाधारण परिस्थितियों में, संरक्षक से परामर्श करके विशेष रूतजाम किए जा सकेंगे।

8. संरक्षक के आदेशों आदि कार्यान्वित किए जाएंगे :—जलयानों के मास्टर और स्वामी चयानुकम और पत्तन द्वार पर पहुँचने की रीति तथा पत्तन पर जाने और वहाँ से बाहर जाने के संबंध में संरक्षक के सभी निर्देशों का पालन करेगा।

9. पत्तन में प्रवेश करना या उसे छोड़ना :—सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच पत्तन में प्रवेश करने वाले या उसे छोड़ने वाले समस्त समुद्रगामी जलयान अपने राष्ट्रीय ध्वज फहराएँगे और पत्तन में प्रवेश करते समय प्रत्येक जलयान अपने संकेत अक्षर फहराएगा।

10. जलयानों का मार्गदर्शन :—अधिनियम के उपबन्धों तथा नीचे दी गई शर्तों के अधीन रहते हुए, संरक्षक या उसके द्वारा हम निमित्त विशेष रूप से मणवत किए गए किसी अन्य अधिकारी द्वारा लिखित रूप में निर्निर्दिष्टतः छूट प्राप्त जलयानों को छोड़कर, सभी जलयानों के लिए मार्गदर्शन अनिवार्य है :

(क) पाइलट 12 अंश 56' और 06.2" उत्तरी अक्षांश तथा 74' 46' 17.6" पूर्वी देशांतर पर स्थित जलप्रवाह बोया, से समुद्र की ओर एक समुद्री मील के भीतर आने वाले पोतों पर चढ़ेगा और बाहर जाने वाले पोतों से उतरेंगा और जलयानों को समनुविष्ट बर्थों तक जाने और वहाँ से लाने में तथा उन्हें घाट पर लगाने या घाट से ले जाने में जलयानों के मार्गदर्शन में सहायता करेगा।

(ख) मास्टर, पाइलट को, संगरीध फलक पर खतरनाक माख, पोत ट्राफ़्ट और पोत की गतिविधि में संबंधित मामलों के संबंध में समस्त जानकारी देगा और मार्गदर्शन तथा घाट पर लगाने या वहाँ से आने का काम पूरा होने पर, पाइलट द्वारा प्रस्तुत किए गए निर्निर्दिष्ट प्ररूपों में प्रमाणपत्रों को पूरा करेगा और उन पर हस्ताक्षर करेगा।

(ग) अपरिहार्य कारणों से, खण्ड (क) में निर्निर्दिष्ट सीमाओं के बाहर पाइलट को ले जाने वाले बाहर जाने वाले जलयान की दशा में, मास्टर अगले निकटतम पत्तन पर पाइलट को छोड़ने के लिए आबद्ध होगा और इस कारण उपगत किए गए समस्त खर्च का संदाय करने के लिए बाध्य होगा।

(घ) जलयान का मास्टर, अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार, ऐसे संकेत प्रदर्शित करेगा जिनका उपयोग किया जाना पाइलट द्वारा अपेक्षित है या जो पाइलट द्वारा निर्निर्दिष्ट किए जाएँ।

(ङ) (i) पत्तन में प्रवेश होने वाले या उसे छोड़ने वाले प्रत्येक जलयान में भारतीय वाणिज्य पोत परिवहन (पाइलट सोपान) नियम, 1953 के अनुपालन में प्रभावशाली पाइलट सोपान की व्यवस्था होगी।

(ii) यदि पाइलट के विचार में रज्जू सोपान या जलयान द्वारा व्यवस्था की गई जहाज की रस्सियाँ अगुगभित हों तो वह, यथा स्थिति, उस पर चढ़ने या उसे छोड़ने में तब तक इंकार करेगा जब तक कि यथापेक्षित भण्डूत और प्रभावशाली

सोपान तथा मजबूत जहाज की रस्मियों की व्यवस्था नहीं की जाती है।

(ख) जलयान, बाह्य जल सरणी के जलप्रवाह बोया से पूर्व की ओर या किसी अन्य प्रतिपिष्ट संगर धान पर संगर नहीं डालेंगे और न मास्टर, पाइलट को लेने के लिए उस जल सरणी में प्रवेश करने का प्रयास करेगा।

(घ) (i) यदि फलक पर पाइलट के रहते हुए कोई जलयान दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है तथा पाइलट के समावेशन के अधीन जलयान को संभालने या ड्यूटी पर तैनात पाइलट द्वारा उसे वी गई सलाह के संबंध में मास्टर की कोई शिकायत हो तो वह दुर्घटना के विषय में तुरन्त उप संरक्षक को रिपोर्ट करेगा जो भीष्ट ही विभागीय जांच करेगा।

(ii) यदि दुर्घटना जलयान के पत्तन छोड़ने समय होती है तो मास्टर उसकी पूरी रिपोर्ट भगने पत्तन पर पहुंच कर सीधे उप संरक्षक को देगा।

(iii) ऐसी रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत घटना के किसी माफी का हस्ताक्षरित कथन भी होगा।

(ज) जलयान, संरक्षक से ऐसा करने का प्राधिकार अधिप्राप्त करके तथा ऐसा करने के लिए अपने प्राणय की बाधन पत्तन संकेत केन्द्र को संसूचित करने के पश्चात् मौसम के बसाव के कारण, फलक पर पाइलट के न होते हुए भी, पत्तन खेड़ सकेगा।

पत्तन कर्णानावों का उपयोग:- जलयान के मास्टर के लिए यह आवश्यक होगा कि वह, पत्तन सीमाओं के भीतर ही परिवर्तन करते समय पत्तन कर्णानावों की सेवाएं उपलब्ध करे।

12. फोटोचित्र आदि लेना:- कोई भी व्यक्ति, यातायात प्रबन्धक द्वारा दिए गए लिखित अनुज्ञापत्र के प्राधिकार के बिना—

(क) फोटो चित्र लेने के लिए अपने साथ कैमरा या छाका, रेखांक प्रतिमान या अन्य प्राकृति बनाने के लिए कोई सामग्री नहीं रखेगा या ले जाएगा,

(ख) किसी पत्तन की सीमाओं के भीतर, जंगम या स्थावर वस्तु या भवन या संस्थापन का फोटोचित्र नहीं लेगा या उसका छाका, रेखांक या प्रतिमान नहीं बनाएगा।

(ग) ऐसे क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेगा जिसे समय-समय पर संरक्षक द्वारा उस रूप में घोषित किया गया हो।

13. तार, हाजर आदि का प्रदाय:- पत्तन में प्रवेश करने वाले जलयान, घाट पर एक तरफ लगाने के लिए यथा अपेक्षित इस्तेमाल के तार, रस्सियां और अन्य हाजर उस प्रदाय के लिए तैयार रखेंगे।

14. जलयान का कर्मीवल और साधिव तैयार रखना:- (1) जलयान के मास्टर या स्वामी, पर्याप्त संख्या में कर्मीवल नियोजित करेंगे और फलक पर ऐसे साधिवों को तैयार रखेंगे जो उनके जलयानों को पत्तन जल सरणी के अन्दर लाने या बाहर ले जाने के लिए और पत्तन में ले जाने के लिए आवश्यक हों।

(2) व्यक्तिक्रम की दशा में या जब आवश्यक हो, उप संरक्षक कर्मचारियों को इतनी संख्या में नियोजित करेगा और ऐसे साधिव मास्टर या स्वामी के खर्चे पर उपलब्ध कराएगा जो वह आवश्यक समझे।

15. अन्य पूर्वनिर्धारितियां:- (क) जलयानों के, जब वे पत्तन में प्रवेश कर रहे हो या उसे छोड़ रहे हों या पोल में हटाए जा रहे हो या जब कि वे किसी जैट्टी, घट्टि या बोया से सुरक्षित हों, उनके रस्से अलग करने पर दोनों लंगर किसी भी समय खाना होने के लिए तैयार रहेंगे।

(ख) जब जलयान घट्टियों या जट्टियों की ओर पत्तन में प्रवेश कर रहे हैं, उसे छोड़ रहे हैं, हटाए जा रहे हो या उसमें पड़े रहते हों, तब उनकी बगलें सभी प्रेक्षकों से मुक्त होंगी तथा उनकी नावें, डेविट और

डेरिक फलक पर लटकेंगी और जहाज से तट पर आने जाने का सोपान फलक पर भण्डारकृत किए जाएंगे।

(ग) जलयानों के मास्टर और स्वामी उन सभी दुर्घटनाओं के लिए उत्तरदायी होंगे जो खण्ड (क) और (ख) के में विनिर्दिष्ट किसी पूर्वनिर्धारित बरतने में असफल रहने के कारण हों।

16. जो जलयान पत्तन प्रवेश जल सरणी पर पड़े हुए हैं उनका हटाया जाना:- (1) पत्तन द्वारा के निकट बंदरगाह में या जल सरणी के जलप्रवाह में या बंदरगाह के पत्तन मार्गदर्शन समुद्र में प्रवेश जल सरणी के निकट पड़े हुए जलयान की मास्टर या स्वामी द्वारा उस दशा में हटाए जाएंगे जब कि उप संरक्षक द्वारा उनकी अपेक्षा की जाए।

(2) यदि ऐसा हटाया जाना तुरन्त नहीं किया जाता तो उसे ऐसे जलयान के मास्टर या स्वामी के जोखिम और खर्चे पर उप संरक्षक के आदेशों और निर्देशों के अधीन किया जाएगा।

अध्याय III

पत्तन में के जलयानों के लिए विनियम

17. मास्टर आदि अपने जलयानों को उनके बर्थों पर रखेंगे:- (1) पत्तन के भीतर सभी जलयानों ऐसे बर्थों पर ठहरेंगे जो उन्हें यातायात प्रबन्धक या उप संरक्षक द्वारा समनुदिष्ट किए गए हों तथा वे अपने बर्थों में परिवर्तन नहीं करेंगे या वहाँ से तभी हटेंगे जब कि उक्त अधिकारी में से किसी एक द्वारा ऐसी अपेक्षा की जाए।

(2) कोई भी जलयान, हटने वाले जलयान के भारसाधक बंदरगाह मास्टर द्वारा ऐसा करने की अपेक्षा किए बिना, गत नहीं फेंकेगा जो कि जलयान को हटाने में सहायता करने के लिए उस पर फस कर बांधा गया है।

18. विपाट द्वारों का उस दशा में बन्द किया जाना जबकि वे काम नहीं कर रहे हों:- ऐसे जलयानों के, जब कि वे धीरा नहीं ले जा रहे हो सभी विपाट द्वार बन्द किए जाएंगे या अच्छी तरह संरक्षित किए जाएंगे।

19. उप संरक्षक के आदेशों के अधीन पत्तन में लंगर डालने वाले लंगर उठाने वाले और हटाये जाने वाले जलयान:- (1) पत्तन में किसी जलयान के लंगर डालने, लंगर उठाने या उसके हटाए जाने के संबंध में, जलयानों के मास्टर या स्वामी, उप संरक्षक के निर्देशों का पालन करेंगे और उपसंरक्षक को कोई बाधा नहीं पहुंचाएंगे।

(2) उप संरक्षक के पूर्वतन लिखित आदेशों के बिना किसी जलयान से अपने बर्थ से हटने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

(3) यदि यह आवश्यक हो जाए तो अपने आदेशों को प्रवृत्त करने के लिए उप संरक्षक ऐसी कार्यवाही करेगा जो आवश्यक हो और ऐसी कार्यवाही करने में उपगत किए गए कोई खर्चे, ऐसी किसी शास्ति जिसके लिए मास्टर या स्वामी व्यक्तिक्रम की दशा में दायी हो, पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे मास्टर या स्वामी द्वारा संवेद्य होंगे।

(4) जलयानों के मास्टर, उप-संरक्षक से उन अधिकृत भागों की बाधन मुनिश्चित करेंगे जो उनके जलयानों में लादे जा सकेंगे।

20. अनुचित रूप से लंगर डालना:- पत्तन में जलयानों के मास्टर या स्वामी, अपने जलयानों के रस्सों या हाजरों को, इस प्रयोजन के लिए विशेष रूप से उपबंधित जहाजी खूटों, लंगर-स्तम्भों या अन्य साधिवों से भिन्न पत्तन में किसी स्थान या स्थानों पर बांधने नहीं देंगे।

21. जलयान सभम व्यक्तियों के प्रभाराधीन रहेंगे:- जब कोई जलयान पत्तन में रहता है तो मास्टर या कोई अन्य जिम्मेदार अधिकारी और कर्मीवल की पर्याप्त संख्या संवेद्य फलक पर रहेंगे।

22. डैक पर चौकीदार रखा जाएगा :—पत्तन में का जलयान डैक पर एक क्वार्टन मास्टर या चौकीदार सदैव झूटी पर रखेगा जो जलयान से तट पर आने जाने की सीढ़ी का भारसाधक होगा और वह लंगर डालने वाली रस्सियों और जलयान की मार्लियों को देखेगा तथा उनके समाधोजन के लिए भी उत्तरदायी होगा और व्यतिक्रम की दशा में, जलयान का मास्टर या स्वामी ऐसे व्यतिक्रम के परिणामस्वरूप किसी नुकसान के लिए उत्तरदायी होगा।

23. जलयान का नौकर नहीं चलाया जाएगा :—(1) जब जलयान पत्तन में बर्थ पर हो या लंगर में हो तब संरक्षक की पूर्वतन लिखित अनुज्ञा के बिना तथा ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो वह निर्विष्ट करे, विद्युत द्वारा उसका कोई नौकर नहीं चलाया जाएगा।

(2) ऐसी अनुज्ञा के होते हुए भी, मास्टर या स्वामी ऐसे किसी नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे जो किसी नौकर को विद्युत या हाथ से चलाए जाने के कारण हो।

24. पत्तन में फँके गए लंगर या अन्य गिम्बर आदि का प्रत्युद्धारण किया जाना :—मास्टर, पत्तन में उनके जलयानों से फलक से गिराए गए किसी लंगर या अन्य गिम्बर को, तुरन्त बोया करने के लिए उत्तरदायी होंगे और वे जल से ऐसे किसी लंगर या गिम्बर को हटाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।

25. जलयानों को उचित रूप से स्थिर किया जाएगा :—पत्तन में जलयानों को इस प्रकार लाबा जाएगा या स्थिर रखा जाएगा कि भाग लगने या अन्य आपात की दशा में, छतरे के बिना उनको उनके बर्थों से हटाया जा सके।

26. जलयानों की मरम्मत :—जलयानों की मरम्मत करने को आशय करने वाला मास्टर निम्नलिखित शर्तों के अधीन ही ऐसा कर सकेगा, अर्थात् :—

- (1) जलयानों को उप-संरक्षक से पहले अनुज्ञा लिए बिना गतिहीन नहीं किया जाएगा।
- (2) जलयानों को बर्थों से उस दशा में हटाए जाने की संभावना होगी जब कि अन्य जलयानों द्वारा स्थोरा ले जाने के लिए वे अपेक्षित हों,
- (3) उप संरक्षक, यदि बांछनीय समझे, 10.00 और 17.00 बजे के बीच अत्याधिक शोर करने वालों छीपन या मरम्मतों का प्रतिषेध कर सकेगा,
- (4) ईंधन तेल भंडार टैंक या ईंधन प्रणाली के सामीप्य में अनावृत्त बलियों के प्रयोग या उसके गैस काटने तथा झलाई माधिम को अन्तर्बलित करने वाली मरम्मतें या ऐसी मरम्मतें जिनके कारण किसी व्यक्ति को, ईंधन भंडार टैंक या ऐसे जलयान में जिसमें पैट्रोलियम भण्डारकृत किया गया हो प्रवेश करना पड़ता है, तब तक प्रारम्भ नहीं की जाएंगी जब तक समुचित प्राधिकारी से ऐसा प्रमाण-पत्र न ले लिया जाए कि वह गैस-मुक्त है।

27. माल आदि को पत्तन में गिरने नहीं दिया जाएगा :—किसी स्थोरा, माल या अन्य पदार्थ को किसी जलयान, घट्टि या बंगसार से पत्तन जल सारणी या पत्तन में नहीं गिरने दिया जाएगा।

28. जल में गिरने वाले स्थोरा, माल आदि की बाबत सूचना का पिया जाना :—कोई व्यक्ति या किसी जलयान का मास्टर या स्वामी या किसी जलयान में लदान या उतराई करने में लगे नौभरक जो किसी जलयान, बंगसार या घट्टि से किसी स्थोरा, माल या पदार्थ को जल में गिरने देता है, घटना की तुरंत सूचना और उससे संबंधित सभी विनिविष्टियाँ यातायात प्रबन्धक तथा उप संरक्षक को देगा और उक्त स्थोरा, माल या

पदार्थ को उनके बर्थ पर जल से निकालने के लिए तुरन्त कदम उठाएगा।

29. जल में गिरने वाले माल या कूड़ा-करकट आदि का निकाला जाना :—यदि कोई व्यक्ति जलयान का मास्टर या स्वामी या नौभरक जिसके द्वारा नियम 28 के अधीन जल से किसी स्थोरा, माल या अन्य पदार्थ को निकालना अपेक्षित है, ऐसे समय, जो उप संरक्षक की उस सूचना में विनिविष्ट है, जिसमें उस से ऐसा करने के लिए कहा गया है, के भीतर निकालने में असफल रहता है, तो उप संरक्षक ऐसे स्थोरा, माल या पदार्थ को निकलवा सकेगा और ऐसे निकालने में उपगत खर्च ऐसे व्यक्ति, मास्टर, स्वामी या नौभरक से, ऐसी अन्य शास्ति पर प्रति-कूल प्रभाव डाले बिना, जिसके लिए ऐसा व्यक्ति, स्वामी या नौभरक दायी हो, वसूल किए जाएंगे।

30. अनुज्ञा के बिना राख, कूड़ा-करकट आदि को घट्टि आदि में जमा नहीं किया जाएगा :—कोई व्यक्ति यातायात प्रबन्धक के प्राधिकार के बिना, किसी घट्टि या बंगसार, पत्तन के शीट या किसी भाग में राख, रोड़ी-पत्थर, टोंकरियाँ, शीशियाँ, सिन्डर, धूल, उपले, कचरा, कूड़ा-करकट, छीलन, सामान या अन्य वैसे ही खुली सामग्री या पदार्थ जमा नहीं करेगा।

31. पत्तन में सामग्री के गिरने की रोकथाम, राख आदि का व्ययन :—
(1) जलयानों के मास्टर या स्वामी या नौभरक जो राख, रोड़ी-पत्थर, ईंटों, सिन्डर, कोयला, चूने की धूल, कूड़ा-करकट, सिंगल, पत्थर, खपरैल या अन्य खुली सामग्री का लदान या उतराई कर रहे हैं, ऐसी लदान या उतराई के लिए कैनवास कपड़े या काष्ठ वर्णिका का प्रयोग संरक्षक के समाधान प्रदरूप में करेंगे।

(2) घट्टि पर ऐसे स्थानों पर जो यातायात प्रबन्धक द्वारा निर्विष्ट किए जाएं, राख, सिन्डर, धूल और कूड़ा-करकट उतारा जाएगा तथा, यथास्थिति, मास्टर, स्वामी या नौभरक उन्हें ऐसे स्थान से हटा सकेगा।

32. तेलयुक्त गन्दे जल आदि को पत्तन में पम्प नहीं किया जाएगा :—
(1) किसी जलयान से पत्तन में कोई बैलस्ट जल जिसमें ऐसे तेल है, जो जल को दूषित करता है या दूषित करने योग्य है, नहीं छोड़ा जाएगा।

(2) यदि पोत के चारों ओर तेल तैरता हुआ पाया जाता है तो मास्टर का यह उत्तरदायित्व होगा कि वह यह सिद्ध करे कि वह उसके पोत से नहीं आया है।

33. जलयानों की सफाई :—जलयान की सफाई या रंग रोगन या गन्दे जल, बायलर या पत्तन में जलयान के दोहरे भद्रस्तर में काम करने के लिए, ऐसे समय के दौरान जो इस निमित्त संरक्षक द्वारा नियत किया जाए, के सिवाय किसी व्यक्ति को नियोजित नहीं किया जाएगा।

34. किसी जलयान के डैक से प्रक्षेप :—किसी जलयान के डैक से ऐसे प्रक्षेपों को जो पत्तन में किसी अन्य जलयान के लदान या उतराई में हस्तक्षेप करते हैं, तुरन्त यातायात प्रबन्धक को अध्यक्षता पर हटाया जाएगा।

35. प्रतिरक्षक :—घट्टि, जेट्टि बर्थों पर पत्तन द्वारा उपबंधित प्रति-रक्षकों को मास्टर या उनके नौभरकों द्वारा उठाया या हटाया नहीं जाएगा।

36. ध्वनि संकेत :—समुद्र में टक्कर निवारण अन्तर्राष्ट्रीय विनियम, 1960 के विनियम 15, 28 और 31 में विनिविष्ट प्रयोजनों और ऐसे आपात की दशा, जब कि जलयान की सुरक्षा के हित में तट से सहायता की अत्यन्त आवश्यकता हो या जब कि भारसाधक पायलट ऐसे करना ठीक समझे, को छोड़कर पत्तन सीमाओं के भीतर रहते हुए जलयानों के फलक पर ध्यानाकर्षण के लिए ध्वनि संकेतों का प्रयोग करना प्रतिषिद्ध है।

37. नाव आदि का डूबना :—बंदरगाह में किसी ऐसे जलयान का मास्टर या स्वामी जिसके एक और स्थोरा, ममूला या अन्य नाव, स्थोरा या यात्री लेते अथवा स्थोरा या यात्री छोड़ते समय डूब गयी है, ऐसे

झूबने के तथ्य और स्थान जहाँ पर यह घटना हुई, को बाबत संरक्षक को तुरन्त रिपोर्ट करेगा।

38. खतरनाक पशु और अग्नि-आयुध :—पत्तन में किसी जलयान के फलक पर खतरनाक पशु और भारी हुई ईंक या अग्नि आयुधों को नहीं रखा या रहने दिया जाएगा।

39. खतरनाक स्थोरा वाले जलयान आदि :—संरक्षक, पत्तन से ऐसे सभी जलयानों के तुरन्त हटाए जाने के लिए आदेश कर सकेगा जिनके फलक पर पशु, खाद या अन्य आक्रामक या खतरनाक स्थोरा या ऐसे व्यक्ति हैं, जो सक्रामक रोगों से पीड़ित है।

40. जलयानों के मास्टर आदि नुकसानों के लिए उत्तरदायी होंगे :—जलयानों के मास्टर और स्वामी अपने सेवकों की उपेक्षा के कारण पत्तन के किसी संस्थापन या सम्पत्ति को होने वाली हानि या नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे और संरक्षक को उनके जलयानों को तब तक रोकने का अधिकार होगा जब तक कि ऐसी हानि या नुकसान का मुख्य संवत नहीं किया जाता है या ऐसे संवाय के लिए प्रतिभूति नहीं दी जाती है।

41. पत्तन पर जलयान आदि का मास्टर आदि के जोखिम पर रहना :—पत्तन में सभी जलयान अपने मास्टर या स्वामी के जोखिम पर पड़े रहने हैं और वे ऐसी किसी हानि या नुकसान के लिए जो दोषपूर्ण नौपरिवहन के परिणामस्वरूप या लंगरों या नीबन्ध से भटकने के कारण उत्पन्न हों, उत्तरदायी होंगे।

42. मास्टर आदि का कर्मिदल आदि के कार्यों के लिए उत्तर-दायित्व :—जलयानों के मास्टर और स्वामी, कर्मिदल और ऐसे व्यक्ति जिन्हें उनके जलयान के बाहर या फलक पर उनके द्वारा नियोजित किया गया है, के कार्यों के लिए दायी और उत्तरदायी ठहराए जाएंगे।

43. पत्तन अधिकारी बिलम्ब आदि के लिए दायी नहीं होंगे :—पत्तन में प्रवेश करने वाले, ठहरने वाले—या वहाँ से बाहर आने वाले जलयान के संबंध में किसी बिलम्ब या अपने नियंत्रण से बाहर की परिस्थितियों के कारण माल के लदान या उतराई में बिलम्ब के लिए पत्तन अधिकारी दायी नहीं होंगे।

44. मास्टर आदि द्वारा जलयानों में आग लगने की सूचना दी जानी :—(1) कोई व्यक्ति जो किसी पत्तन में आग देख रहा है :—

(क) तुरन्त पोत के ऐसे अधिकारी को सूचित करेगा जो उप नियम (2) के उपबन्धों के अनुसरण में खतरे का संकेत देने के लिए उत्तरदायी होगा।

(ख) यदि पोत घट्टि के एक ओर हो तो आग को तट पर लगी आग मानेगा और उपनियम (2) के उपबन्धों के अनुसार खतरे का संकेत देगा और पत्तन के अधिकारी को भी सूचित करेगा और वह भी उपनियम (2) के अनुसार खतरे का संकेत देगा।

(2) खतरे का संकेत देने के लिए निम्नलिखित पद्धतियाँ अपनाई जाएँगी, अर्थात् :—

1. दिन में निरता हुआ :—अन्तर्राष्ट्रीय ध्वज “बी ब्लू” फहराएगा, पोत की सीटी या सायरन पर लगातार तब तक सीटी जजाएगा जब तक कि अग्नि बेड़ा नहीं पहुँच जाता।

2. रात्रि के समय निरता हुआ :—सीटी या सायरन उपरोक्त रूप में बजाएगा, अन्य बलियाँ से ऊपर 6 फीट की दूरी पर जो लाल बत्ती लगाएगा, जब पोत एक ओर हो तब उपरोक्त प्रक्रिया के अतिरिक्त टेलीफोन द्वारा खतरे का संकेत दिया जाएगा।

3. दिन या रात्रि के समय तट पर :—निकटतम टेलीफोन के पास जायेगा, और पत्तन एक्सचेंज की टेलीफोन करेगा और सम्पर्क स्थापित होने पर

स्पष्ट रूप से बतलाएगा, पर पोत में आग लग गयी है। तट पर आग लग गयी है।

टिप्पण :—पत्तन पी० बी० एक्स० प्रचारक यह सावधानी बरनेगा कि किसी भी प्रकार के बिलम्ब के बिना पत्तन अग्नि कार्यालय से सम्पर्क स्थापित हो जाए।

45. जल के नीचे उद्धारण या मरम्मत करने पर प्रतिषेध :—कोई भी व्यक्ति, लंगर, केबिन तार, सामग्री या पापी में खोए गए या खोए समझे गए स्थोरा या जलयानों में पानी के नीचे की गयी मरम्मतों का उपसंरक्षक या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी की पूर्व अनुज्ञा के बिना उद्धारण नहीं करेगा।

अध्याय IV

बवान या उतराई करने वाले जलयानों और माल के परिदान और पोत लदान के लिए घाटों और शेड की बाबत नियम

46. यातायात प्रबन्धक के अधीन पत्तन पर कार्य :—(1) पत्तन पर जलयानों की लवान और उतराई यातायात प्रबन्धक के नियंत्रणाधीन होगी जो अपने विवेकानुसार ऐसे माल को पत्तन पर छोड़ने से प्रतिषिद्ध कर सकेगा जो उसकी राय में यातायात में बाधा या भीड़ करने वाला है, या पत्तन के सुविधाजनक उपयोग में बाधा डालने वाला है।

(2) यातायात प्रबन्धक, अपने विवेकानुसार और स्वामी के खर्चे पर ऐसे माल को किसी अन्य स्थान पर हटा सकेगा जिसका, पत्तन परिसरों पर भंडारण या तो पत्तन पर उनके अवतरण होने पर, या तत्पश्चात् यातायात में बाधा डालने वाला या भीड़ करने वाला है।

(3) प्रत्येक जलयान द्वारा अधिभोग किए जाने वाले घट्टिस्थान का प्रभाजन भी यातायात प्रबन्धक द्वारा समान रूप से किया जाएगा।

47. क्रेनों का उपयोग :—आयात स्थोरा उतारने या निर्यात स्थोरा की लदान के लिए घट्टि क्रेनों का आबंटन यातायात प्रबन्धक के विवेकानुसार होगा।

48. बेकार पड़े जलयान :—यातायात प्रबन्धक, अपने विवेकानुसार, ऐसे जलयान को जो उसकी राय में पत्तन में बेकार पड़े हुए हैं, उसके बर्ष से हटवा सकेगा या पत्तन से बाहर करवा सकेगा।

49. धीमी गति से काम करने वाले जलयान :—पत्तन में आयात स्थोरा उतारने वाले या निर्यात स्थोरा की लदान करने वाले जलयान से उम दशा में उसके बर्ष छोड़ने की अपेक्षा की जाएगी जबकि छोड़ने या लदान की दर समरूप जलयानों और समरूप स्थोराओं की औसत दर से कम हो।

50. स्थोरा भरने से पूर्व अध्ययनों का बाधा जाना :—पत्तन पर किसी जलयान में माल का लदान या उससे उतराई तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि जलयान को उसे आबंटित बर्ष पर बाधा नहीं जाता।

51. भार हटाने या लदान के प्रारंभ से पूर्व माल, सूची का पेश किया जाना :—

(i) (क) ऐसे जलयान का मास्टर, स्वामी या अधिकर्ता जो स्थोरा को पत्तन पर छोड़ने के लिए ले जा रहा है, यातायात प्रबन्धक को भार हटाने से कम से कम 6 स्पष्ट दिन पूर्व आयात सामान्य माल-सूची की एक प्रति देगा।

(ख) माल-सूची में, प्रत्येक दिखाए गए परेक्षण में प्रपुज द्रवों की दशा में लिटर और अन्य मामलों में किलो में सकल भार सहित पूरे व्योरे दर्शाए होंगे।

(ग) अनुबंधित समय के भीतर ऐसी माल-सूची के न दिए जाने का यह परिणाम होगा कि सम्बद्ध जलयान को भार हटाने के लिए अनुज्ञात नहीं करने दिया जाएगा।

(घ) जहाँ विभिन्न भारों के पैकेज किसी परेषण में हों वहाँ प्रत्येक पैकेज का मेट्रिक प्रणाली में सकल भार भी दिया जाएगा।

(ङ) लोहा और हस्पात परेषणों की दशा में,

(क) प्रत्येक हैच का वर्णन

(ख) परिमाण और

(ग) प्रत्येक हैच मेट्रिक प्रणाली में भार उपदर्शित करने वाली हैच सूचियाँ भार हटाने की अनुज्ञा दिए जाने से पूर्व दी जाएगी।

(ii) (क) यदि ऐसे स्थोरा को जो किसी अन्य पत्तन या पोत-परिवहन के लिए है, छोड़ने दिया जाता है, तो ऐसे स्थोरा को छोड़ने देने से पूर्व, मेट्रिक प्रणाली में सकल भार की बाबत पूरे व्योरे देने हुए, अनुसूचक माल-सूची में दी जाएगी।

(ख) यदि मूल आयात सामान्य माल सूची, जो जलयान की बाबत दी गयी है, में ऐसे परेषण के व्योरा पहले ही सम्मिलित नहीं है, तो

(iii) (क) माल के पोत परिवहन के लिए दिए गए प्रत्येक निर्यात आवेदन और शोध्यों के विवरण के लिए यातायात प्रबन्धक के कार्यालय में प्रस्तुत किए गए प्रत्येक सीमाशुल्क निर्यात पोत परिवहन बिल में स्थोरा का वर्णन, स्थोरा का परिमाण और मेट्रिक प्रणाली में प्रत्येक परेषण का सकल भार तथा प्रपुंज द्रवों की दशा में लिटर सहित, दम्नावेजों के अन्तर्गत आए हुए परेषणों के व्योरे वर्णित होंगे।

(ख) जहाँ परेषण में विभिन्न भारों के पैकेज हों, वहाँ प्रत्येक पैकेज का मेट्रिक प्रणाली में सकल भार भी दिया जाएगा।

(iv) पत्तन में जाने वाले प्रत्येक बाणिज्य जलयान, चाहे उसमें लदान किया गया हो या उसमें बैलास्ट हो, के अधिकर्ता उसके रखाना होने से तीन दिन पूर्व यातायात प्रबन्धक को उसकी निर्यात माल धूँची की एक प्रति देगे।

5.2. पैकेजों का खोला जाना.—यातायात प्रबन्धक की अनुज्ञा के बिना आयातकर्ता, निर्यातकर्ता या स्वामी द्वारा मूल्यांकन, परीक्षण या सर्वेक्षण के लिए बंदरगाह के भीतर कोई पैकेज नहीं खोला जाएगा।

5.3. पत्तन से लोहा, हस्पात, मशीनरी, पैकेज लंबे और अधिक भारी सामान का हटाया जाना.—पत्तन में अवतरित लोहा, हस्पात, मशीनरी, पैकेजों, लम्बे और अधिक भारी सामानों के परेषणों की यातायात प्रबन्धक द्वारा परेषितियों, स्वामियों या आयातकर्ताओं के खर्चे पर और उस दशा में उनके पूर्व सूचना दिए बिना ही जबकि वह पत्तन के सुरक्षित और सुविधापूर्वक कार्य करने के लिए ऐसा करना आवश्यक समझता है, किसी अन्य स्थान को उसके विवेकानुसार हटाया जा सकेगा।

5.4. इमारती लकड़ी का छोड़ा जाना.—यातायात प्रबन्धक के अनु-मोदन के बिना, इमारती लकड़ी जल में किसी जलयान से नहीं छोड़ी जाएगी और यदि उसे ऐसा छोड़ दिया जाता है, तो ऐसे छोड़ने के पश्चात् उसे अगले उच्च ज्वार के समय पत्तन से बाहर हटा दिया जाएगा।

5.5. कोयला या अन्य गन्धे स्थोरा का छोड़ा जाना और पोत परिवहन.—(1) प्रपुंज में या अन्यथा कोयले या अन्य गन्धे स्थोरा का पत्तन में पोतों से या पोतों में छोड़ा जाना या पोत परिवहन, केवल यातायात प्रबन्धक की लिखित अनुज्ञा से ही किया जा सकेगा और वह ऐसे मामलों में जहाँ वह यह समझता है, कि ऐसे छोड़े जाने या पोत परिवहन के कारण कोयला या समरूप धूल में सम्पत्ति को हानि या नुकसान होने की संभावना है, ऐसी अनुज्ञा देने से इकार कर सकेगा।

(2) तट पर या तट में प्रपुंज में या अन्यथा कोयला या अन्य गन्धे स्थोरा के छोड़े जाने के लिए दी गयी अनुज्ञा आयातकर्ता या नौभार परेषक या उनके प्रत्यागित अधिकर्ताओं के इस कारण के अध्यक्षीन होंगे कि वे घाट से अवशिष्ट की मफाई की पूरी लागत की अतिपूर्ति करेंगे।

5.6. कलकृतियों, सोना चांदी आदि :—पत्तन, किसी कलाकृति या बहुमूल्य वस्तु जिसका मूल्य पैकेज सहित पचास रुपये से अधिक है या जिसमें सिक्का सोना-चांदी, सोने या चांदी की वस्तुएं, आभूषण, बहुमूल्य रत्न और मांगा है, वाले किसी पैकेज की बाबत तब तक कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगा जब तक कि स्वामी या परेषितो द्वारा यातायात प्रबन्धक को लिखित सूचना न दी गयी हो और पैकेज विशेष रूप से यातायात प्रबन्धक को परिदत्त न किया गया हो तथा पोत परिवहन कम किए बंदरगाह में पैकेज के अवतरित होने या लागे जाने से कम से कम 6 घंटे पूर्व रसीद न ले ली गयी हो।

(2) यदि उपनियम (1) में निर्दिष्ट वस्तुओं में से किसी वस्तु वाले पैकेज यातायात प्रबन्धक को उक्त लिखित सूचना दिए बिना घाट या बंगसार पर लाया जाता है, तो उस दशा में जब कि पैकेज निर्यात के लिए हो, उसका पोत परिवहन किया जाएगा या उस दशा में जब कि उसका आयात किया गया हो, उसे सीमाशुल्क कार्यालय या पत्तन शौडो पर स्वामी के एकमात्र जोखिम पर हटाया जा सकेगा और वहाँ यह उसके जोखिम पर जब तक रहेगा जब कि उसकी निकासी नहीं होती है।

5.7. पत्तन घाटों को दूषित करने वाले सथोराओं का लदान और उत्तराई :—

(1) शीरा और ऐसे प्रकार का माल जो पत्तन घाटों या अभिवहन शौडों को दूषित करने वाले है या अन्य माल को नुकसान पहुंचाने वाले हैं, को यातायात प्रबन्धक की अनुज्ञा से ही तथा माल के स्वामी या परेषितो के पत्तन प्राधिकारियों को वे व्यय जो उनके द्वारा घाट या अभिवहन शौड की मफाई में उपगत किए गए हों, संदल करने का वचन देने पर, किसी जलयान से विमर्जित किए जा सकेंगे।

(2) (क) पत्तन घाटों पर प्रपुंज में पोत परिवहन से पूर्व इसमें या अन्य पदार्थों से सब्जी, मछली या अन्य तेलों को निधारने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

(ख) जहाँ प्रपुंज में तेलों का पोत परिवहन किया जाता हो, वहाँ तेल का परिवहन, टैंक-वैगनों या टैंकर लाइनों द्वारा किया जाएगा और वहाँ से सीधे ही जलयान के टैंकों में उनको पम्प किया जाएगा, या जहाँ तेल टैंक बाजों में ले जाया गया हो, वहाँ उसे बाजों से सीधे ही जलयान के टैंको में पम्प किया जाएगा।

5.8. खाद्य पदार्थों को दूषित करने वाले स्थोराओं का संभाला जाना.—(1) स्थोरा की मदों, जैसे कि रासायनिक खाद्य, कीटनाशक, विषैले पदार्थ, जिनसे खाद्य पदार्थों को दूषित होने की संभावना है, को परिदत्त करने तक भंडारण के लिए किसी बर्थ पर तब तक नहीं छोड़ा जाएगा जब तक कि ऐसे स्थोरा का छोड़ा जाना यातायात प्रबन्धक द्वारा लिखित रूप में निर्दिष्ट तथा अनुज्ञात नहीं किया गया हो।

(2) ऐसे सभी मामलों में, जहाँ ऐसी अनुज्ञा नहीं दी गयी है, जलयान या तो ऐसे स्थोरा को सीधे धट्टि पर छोड़ेगा बशर्ते कि स्टीमर अधिकर्ताओं ने परेषितियों के साथ यातायात प्रबन्धक के समाधानप्रद रूप में अवतरण बिन्दु, रेल या मड़क परिवहन से सीधे ही निकासी करने के लिए पर्याप्त इंतजाम कर दिया हो या स्टीमर अधिकर्ताओं द्वारा भाडे पर लिए गए बाजों के एक और ऐसे स्थोरा को अवतरित करेगा जिसे भंडारण के लिए यातायात प्रबन्धक द्वारा नियत बिन्दुओं पर ले जाया जाएगा।

5.9. जलयानों का अपने बर्थों से स्थानान्तरण :—(1) यातायात प्रबन्धक, या तो स्थय या उप सरक्षक के माध्यम से किसी जलयान को यह निर्देश दे सकेगा कि वह पत्तन में एक बर्थ से दूसरे बर्थ को हट जाए, परन्तु यह तब जब कि ऐसी अन्य बर्थ खाली हो।

(2) इस नियम के अधीन किसी जलयान से हटने की अपेक्षा करने से पूर्व 12 घण्टों की सूचना दी जाएगी।

(3) पत्तन किसी ऐसे विस्मय के लिए उत्तरदायी नहीं होगा जो इस नियम के अधीन किसी जलयान के स्थान परिवर्तन करने में हो।

60. नौभरक को अनुज्ञप्तियां दिया जाना :—(1) संरक्षक, प्रत्येक वर्ष कतिपय अनुमोदित फर्मों और व्यक्तियों को, पत्तन में जलयानों के कार्य नौभरण करने के लिए अनुज्ञा देते हुए अनुज्ञप्तियां जारी करेगा और पत्तन में किसी जलयान के फलक पर तब तक किसी नौभरण को काम नहीं करने दिया जाएगा जब तक उसके पास ऐसी अनुज्ञप्ति न हो।

(2) संरक्षक, इस नियम के अधीन जारी की गयी किसी अनुज्ञप्ति को किसी भी समय रद्द कर सकेगा या उसे ऐसी अवधि के लिए निलम्बित कर सकेगा जो अनुज्ञप्ति के किसी निबंधन के भंग या इस नियम के किसी उपबंध के भंग के लिए विनिर्दिष्ट की जाए।

(3) यदि अनुज्ञप्ति की मंजूरी के पश्चात् यह मालूम होता है कि अनुज्ञप्ति के आवेदन में दुर्य्यवेषण या तालिक तथ्यों का मिथ्या कथन है या यदि अनुज्ञप्तिधारी को, यथास्थिति, विवाधिया घोषित किया गया हो या उसके कारबार का समाधान हो गया है या यदि अनुज्ञप्ति धारी या उसके एक कर्मकार पत्तन सम्पत्ति या किसी जलयान या उसके उपस्कर को नुकसान पहुंचाते हैं या यदि अनुज्ञप्तिधारी या उसके कर्मकार पत्तन में किसी कार्य में बाधा पहुंचाते हैं, तो अनुज्ञप्ति को इसी प्रकार रद्द या निलंबित किया जा सकेगा :

परन्तु कोई अनुज्ञप्ति तब तक रद्द या निलंबित नहीं की जाएगी जब तक अनुज्ञप्तिधारी को युक्तियुक्त अवसर नहीं दिया जाता है कि वह है नुकसान उसकी अनुज्ञप्ति को, यथास्थिति क्यों रद्द या निलंबित कर दिया जाए :

परन्तु यह और कि हेतुक दशित करने का ऐसा अवसर देना उस दशा में आवश्यक नहीं होगा जब कि, अनुज्ञप्ति को उसके किसी निबंधन के उल्लंघन के लिए, या इन नियमों में से किसी के उल्लंघन के लिए या ऐसा कार्य करने के लिए जिसके कारण इस नियम के अधीन अनुज्ञप्ति को रद्द या निलंबित किया जा सकता है, अनुज्ञप्ति धारक के विरुद्ध जांच के नंबित रहने तक, अनुज्ञप्ति निलंबित की जाती है।

(4) किसी फर्म या व्यक्ति को जारी की गई नौभरण अनुज्ञप्ति हस्तान्तरणीय नहीं होगी।

(5) यदि संरक्षक को यह मालूम होता है कि उक्त अनुज्ञप्तिधारी ने किसी अन्य फर्म या व्यक्ति को संरक्षक, जो ऐसी अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए मक्षम प्राधिकारी है, के लिखित अनुमोदन के बिना अनुज्ञप्ति को उस पट्टे पर दे दिया है, तो किसी फर्म या व्यक्ति को दी गई नौभरण अनुज्ञप्ति तुरन्त रद्द करण के लिए दायी होगी।

61. नौभरकों को अनुज्ञप्ति जारी करने की शर्त :—(1) प्रत्येक नौभरक, जलयान की लवान या उतराई या उसके आनुषंगिक कार्य के दौरान अपने द्वारा नियोजित सभी कर्मचारिवृन्द और श्रमिकों द्वारा सम्यक अनुपालन और पालन किए जाने के लिए, तत्समय प्रवृत्त सभी सुसंगत विधियों, नियमों या विनियमों की बाबत उत्तरदायी होगा।

(2) प्रत्येक नौभरक यह सुनिश्चित करेगा कि सभी लदान और उतराई संक्रियाएँ सभी प्रकार से भारतीय डाक श्रमिक अधिनियम, 1934 (1934 का 19) द्वारा या उसके अधीन विहित अपेक्षाओं के अनुरूप होंगी और उनका वहन उसके अपने गिन्नर की सहायता में हो रहा है तथा किसी दोषपूर्ण गिन्नर के उपयोग के कारण होने वाले किसी दुर्घटना या नुकसान के लिए वह एकमात्र रूप में उत्तरदायी होगा।

(3) (क) प्रत्येक नौभरक, प्रत्येक विपाटद्वार पर जिंग पर लदान, उतराई या बंकर किया जा रहा हो, स्थोरा की या कोयला लवान या उतराई और ईंधन के बंकर का अधीक्षण करने के लिए कम से कम एक अनुभव प्राप्त फोरमैन और एक टिडल नियोजित करेगा।

(ख) टिडल फलका में भाल के परिवर्धन या अपरिवर्धन का पर्यवेक्षण करेगा और जब कभी जलयान डेको के साथ साथ और बीच में स्थोरा का लदान कर रहा हो, वहाँ वह यह देखेगा कि डेक विपाटद्वारों, जिनमें कामबीमों और अग्र और पिछले बीमों की व्यवस्था की गई है ऐसे सभी बीम अपने उचित स्थानों पर हैं तथा विपाटद्वारों के आवरण उचित तौर पर रखे गये हैं और प्रभावी रूप में संरक्षित किए गए हैं जिससे कार्य करने से पूर्व वे अपने स्थान से हट न सकें। फोरमैन डेक पर रहेगा और वह देखेगा कि विपाटद्वार के वर्ग के बहार फ्रेन जंजीर नहीं निकाली जाती है तथा हुक जहाज के सेड को नहीं पकड़ता है या पात के किसी गियर को दूषित नहीं करता है या तट पर किसी संरचना या परिनिमित्त को नुकसान नहीं पहुंचाता है।

(ग) फोरमैन फ्रेन बालक को सही संकेत देगा और वह बीमों और विपाटद्वार आवरणों के उठाने और रखने के कार्य का अधीक्षण करेगा और यह देखेगा कि डेक पर के व्यक्ति खतरे से बाहर हैं और वे किसी उत्पापक के नीचे पड़ें न हो।

(घ) जहाँ काम दिन या रात के लिए रोक दिया जाता है, वहाँ फोरमैन ललाषी लेगा और अपना यह समाधान करेगा कि फलकस पर कोई व्यक्ति नहीं है।

(ङ) लवान, उतराई या बंकर संक्रियाओं के दौरान किसी व्यक्ति या सम्पत्ति को की जाने वाली क्षति या नुकसान की दशा में नौभरक पोत स्वामी तथा बहुत प्राधिकारियों के प्रति एकमात्र रूप से उत्तरदायी होगा।

62. स्टीमर अभिकर्ताओं का रजिस्ट्रीकरण :—(1) पत्तन में कोई भी स्टीमर अभिकर्ता तब तक काम नहीं करेगा जब तक कि उसके पास संरक्षक द्वारा जारी किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र न हो।

(2) अभिकर्ताओं द्वारा पालन किए जाने पर प्रति वर्ष रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को नवीकृत किया जाएगा।

(3) संरक्षक, इस नियम के अधीन जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को रद्द कर सकेगा या उसे ऐसी अवधि के लिए निलम्बित कर सकेगा जो किसी ऐसे निबंध या शर्त के भंग के लिए विनिर्दिष्ट की जाए, जिसके अधीन ऐसा रजिस्ट्रीकरण अनुज्ञात किया गया है।

(4) रजिस्ट्रीकृत स्टीमर अभिकर्ताओं से ऐसी रकम के लिए जमा खाते खोलने की अपेक्षा की जाएगी जो पत्तन के संरक्षक द्वारा नियत की जाए ताकि पत्तन द्वारा उनकी की गई सेवाओं के लिए पत्तन प्रभागों के तुरन्त प्रदाय के लिए उनकी बाध्यता की पूर्ति की जा सके।

63. निकासी और अग्रेषण अभिकर्ताओं का रजिस्ट्रीकरण :—(1) नव मंगलौर पत्तन में किसी निकासी और अग्रेषण अभिकर्ता को कार्य और पोत परिवहन कारबार तब तक नहीं करने दिया जाएगा जब तक कि उसके कब्जे में संरक्षक द्वारा जारी किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र न हो।

(2) निकासी और अग्रेषण अभिकर्ताओं के निष्पादन के अधीन रहते हुए प्रत्येक वर्ष रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का नवीकरण किया जाएगा।

(3) संरक्षक किसी भी समय इस नियम के अधीन जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को रद्द कर सकेगा या उसे ऐसी अवधि के लिए निलंबित कर सकेगा जो बिना किसी ऐसे निबंधन या शर्त के भंग के लिए विनिर्दिष्ट की जाए जिसके अधीन ऐसा रजिस्ट्रीकरण अनुज्ञात किया गया है।

(4) रजिस्ट्रीकरण निकासी और अग्रेषण अभिकर्ताओं से यह भी अपेक्षा की जाएगी कि वे पत्तन में ऐसी रकम के लिए जमा खाते खोलें जो संरक्षक द्वारा नियत की जाए ताकि पत्तन द्वारा उनको की गई सेवाओं के लिए पत्तन प्रभागों के तुरन्त सदाय के लिए उनकी बाध्यता की पूर्ति की जा सके।

64. स्टीमर अभिकर्ताओं या निकासी अप्रेषण अभिकर्ताओं के रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण या निर्बन्धन:— स्टीमर अभिकर्ताओं का निकासी या अप्रेषण अभिकर्ताओं का रजिस्ट्रीकरण, उसके अनुवृत्त किए जाने के पश्चात् उस दशा में रद्द या निर्बन्धित किया जाएगा जबकि यह पाया जाता है कि रजिस्ट्रीकरण के आवेदन में तारिखिक तथ्यों की बाबत बुद्धिमत्ता या मिथ्या कथन है या जब कि रजिस्ट्रीकरण के धारक को यथा स्थिति विवाहलिया घोषित किया गया हो या उसका कारबार का समापन हो गया हो या जब कि वह और उसका कर्मकार पत्तन का सम्पत्ति को या उसके किसी जलयान या किसी उपस्कर को नुकसान पहुंचाते हैं या पत्तन में किसी कार्य में बाधा डालते हैं ।

परन्तु ऐसा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र तब तक रद्द या निर्बन्धित नहीं किया जाएगा जब तक ऐसे रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के धारक की कारण बतलाने के लिए युक्तियुक्त अवसर न दिया गया हो कि उसके रजिस्ट्रीकरण को, यथास्थिति क्यों न रद्द या निर्बन्धित किया जाना चाहिए ।

परन्तु यह और कि कारण बताने का ऐसा अवसर उम दशा में आवश्यक नहीं होगा जब रजिस्ट्रीकरण के धारक के विरुद्ध, रजिस्ट्रीकरण के निबंधनों के उल्लंघन के लिए ऐसा कार्य करने के लिए जिसके कारण रजिस्ट्रीकरण इस नियम के अधीन रद्द या निर्बन्धित किया जा सकता है, जांच के सम्बन्धित होने के दौरान रजिस्ट्रीकरण निर्बन्धित किया जाता है ।

65. मास्टर, स्वामी या नौभरक के अधीक्षण के अधीन किसी जलयान के स्थोरा का छोड़ा जाना : ऐसे जलयान के फलक पर जलयान के मास्टर या स्वामी या पत्तन में ऐसे कार्य करने के लिए संरक्षक से अनुज्ञप्ति प्राप्त नौभरक के निदेशों और अधीक्षण के अधीन सिवाय, किसी जलयान से दायित्व वाला स्थोरा पत्तन में नहीं छोड़ा जाएगा और ऐसा मास्टर, स्वामी या नौभरक ऐसे जलयान के फलक पर माल के लापरवाही या अनुचित परिवर्धन से उत्पन्न होने वाली किसी हानि या नुकसान के लिए दायी होगा और वह हर दशा में निम्नलिखित पूर्वनिर्धारितियों का पालन करेगा, अर्थात् :—

(i) कि उसमें किसी माल की लादान करने से पूर्व परिवर्धन मोड़ या बिकुंचन के बिना खपटा रखा गया है ।

(ii) कि प्रत्येक परिवर्धन करने के पश्चात् और उठाने पर पहले तनाव पर चालू चाप की लकड़ी की शलाका से कम कर बांधा जाएगा जिससे कि पकड़ सुनिश्चित हो जाए ।

66. मास्टर आदि और स्थोराधारी का कार्य करने वाले नौभरक फलक पर समुचित प्रकाश की व्यवस्था करेंगे : (1) पत्तन में जलयानों के मास्टर और स्वामी और ऐसे जलयानों के स्थोराधारी का कार्य करने वाले नौभरक जलयान के उन सभी भागों में जहां या तो पत्तन क्रैनों भट्टियों, बेगमारों के उपयोग या अन्य सम्पत्ति या अन्यथा के उपयोग से काम किया जा रहा हो, तेहियों की समुचित व्यवस्था करने के लिए संयुक्ततः और पृथकतः उत्तरदायी होंगे ।

(2) व्यतिक्रम की दशा में उसके परिणामस्वरूप जीवन, अंग या सम्पत्ति को हुई किसी हानि या नुकसान कीबाबत वे संयुक्ततः और पृथकतः उत्तरदायी होंगे ।

67. परिवर्धन क्रैनों के रूप-सज्जा का प्रयोग जलयान की मेंड़ पर नहीं किया जाएगा : आयात माल के परिवर्धनों की पत्तन में उतराई करने वाले किसी जलयान के खुले बिपाटद्वार के बिल्कुल नीचे लगाया जाएगा

और किन्ही भी परिस्थितियों में जलयान की मेंड़ के नीचे के माल की हटाए जाने के प्रयोजनार्थ, पत्तन क्रैनों का प्रयोग नहीं किया जाएगा ।

68. जलयान बिच्चों का प्रयोग :—माल की लदान या उतराई के लिए अपने क्रैनों या बिच्चों की लगाने वाले जलयानों के मास्टर और स्वामी, किसी भी कारण से माल को उत्पन्न होने वाली हानि या नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे ।

टिप्पणी :— (1) क्रैनों को ऐसे स्थानों पर लगाया जाएगा जैसा कि नौभरकों द्वारा निश्चित दिया जाए ।

(2) पत्तन अधिकारी यह देखेंगे कि पत्तन क्रैन पोत गियर से पर्याप्त दूर काम करें ।

69. भारी लिफ्ट :—(1) यातायात प्रबंधक, किसी जलयान से दस मिटर टन से अधिक भार की किसी एक पैकेज का अवतरण इस प्रयोजन के लिए उपबंधित पत्तन क्रैनों के बिना, उस दशा में प्रतिबद्ध करेगा जब कि उसकी यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या उपयुक्त है ।

70. भारी लिफ्टों का छोड़ा जाना : (1) दस मिटर टन से अधिक भार की एक वस्तु या पैकेज को तब तक नहीं छोड़ा जाएगा जब तक कि यातायात प्रबंधक द्वारा इस निमित्त उसके द्वारा अधिकमित निबंधनों और शर्तों के अधीन ऐसा अनुज्ञान नहीं किया जाता ।

(2) ऐसी वस्तुओं और पैकेजों को होने वाली हानि या नुकसान की बाबत पत्तन प्राधिकारी दायी या उत्तरदायी होंगे ।

71. भारी पैकेजों का अंकन और पैक किया जाना : एक भीटरी टन और उसके ऊपर भार (जिसे इसमें इसके पश्चात् इस नियम में भारी पैकेज कहा गया है) की एकल वस्तुओं या पैकेजों के पत्तन में किसी जलयान के फलक पर या भट्टित वीबारों के पार्श्व में तब तक लदान नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसी प्रत्येक वस्तु या पैकेज का सकल भार उस पर स्पष्टतया और मजबूती से अंकित न किया गया हो और उसे परेषकों या अभिकर्ताओं द्वारा नीचे की गई रीति से पैक न किया गया हो :

(क) भारी पैकेजों के अंकन की रीति (1) भारी पैकेज पर सकल भार अंग्रेजी, प्रादेशिक भाषा, यदि संभव हो या ऐसी वस्तुओं या पैकेजों को होने वाला नुकसान अंकित न किया गया हो । ऐसे रंग में अंकित किया जाएगा जो आसानी से नहीं मिट सकता ।

(ii) जहां भारी पैकेज का रंग हल्का है, वहां काले रंग और जहां पैकेज का रंग काला है वहां सफेद या पीले रंग का प्रयोग ऐसे अंकनों के लिए किया जाएगा ।

(ख) सकल भार टनों या किलोग्राम में अंकित किया जाएगा खण्ड (च) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, किसी भारी पैकेज का सकल भार उस पर मेट्रिक टनों या किलोग्राम में अंकित किया जाएगा ।

(ग) अंकन का स्थान : सकल भार, भारी पैकेज के दोनों ओर इस प्रकार अंकित किया जाएगा जिससे कि पैकेज को किसी भी स्थिति में रखने से अंकन आसानी से दिखाई दे ।

(घ) अक्षरों या अंकों का आकार : भारी पैकेज के सकल भार को अंकित करने में प्रयुक्त प्रत्येक अक्षर या अंक सम्बाई में कम से कम साढ़े सात सेंटीमीटर (तीर इंच) और चौड़ाई में आधा सेंटीमीटर (चौथाई इंच) होगा ।

(ङ) पैकिंग की रीति : (i) भारी पैकेज में माल को मजबूत आवरण में ऐसी रीति से सुरक्षित रूप से पैक किया जाएगा जिससे

पैकेज के अन्दर मान हिनटुन न सके जिसके फलस्वरूप मान या आवरण टूट-फूट न जाए।

(ii) आवरण ऐसी सामग्री और प्रकृति का होगा जो लयान उतराई के दौरान संभालने आने वाले पैकेजों के भार को सह सके जिससे ऐसे व्यक्तियों जो पैकेज को संभालते हैं को होने वाली क्षति की जोखिम से कम हो जाए।

(ब) कतिपय परिस्थितियों में लगभग भार का अंजन किया जाना जब उस स्थान पर भारी पैकेज का परेक्षण किया गया है, पैकेज में सभी भार अवधारित करने के लिए माधन उतलब्ध नहीं है, तब पैकेज का प्रत्याशित न्यूनतम और अधिकतम भार मीटरी टनों या किलोग्रामों में उस पर ऐसे रूप में अंकित किया जाएगा जो इसके पूर्व विनिर्दिष्ट की गई है।

परन्तु इस प्रकार प्रत्याशित अधिकतम भार का निर्धारण इस प्रकार किया जाएगा कि यह पैकेज में के वास्तविक भार से कम न हो।

(2) परेखक और उनके अधिकर्ता जलयानों के अधिकर्ता और नौभरक इस नियम के उपबन्धों के किसी भाग के लिए उत्तरदायी होंगे।

72. परिसंकटमय पदार्थ—साधारण निर्बन्धन : सभी पदार्थों का जिन्हें परिसंकटमय वर्गीकृत किया गया है (जैसा कि खतरनाक मान के परिवर्तन की बाबत संयुक्त राष्ट्र संघ विशेषज्ञ समिति की ओर कि जेनेवा में अगस्त, 1954 को बैठी थी, सिफारिशों में परिभाषित है) पत्तन सीमाओं के भीतर संभालने, परिवहन और रखे जाने या लाक्षणिक गुणों के कारण ये उस रूप में गुणावगुण वर्गीकरण, ऐसे निबन्धनों और शर्तों के अधीन होंगे जिन्हें उपसंरक्षक समय-समय पर अधिरोपित करे।

73. पत्तन द्वारा व्यवस्थित किए गए गिन्नर और अन्य वस्तुओं का उपयोग : (1) पत्तन द्वारा व्यवस्थित किए गए स्थीरा चलाने वाले सभी गिन्नर और अन्य वस्तुओं को, जब उनकी और आवश्यकता नहीं है, पत्तन के भंडार डिपो को वापस कर दिया जाएगा और उन्हें घट्टियों या सड़कों पर पड़े नहीं रहने दिया जाएगा।

(2) जलयानों के मास्टर और स्वामी और नौभरकों से अव्यपेक्षा की तारीख से भंडार डिपो में वापस करने की तारीख तक, ऐसी सभी वस्तुओं पर किराया फीम प्रभारित की जाएगी।

(3) पत्तन द्वारा व्यवस्थित की गई सभी वस्तुओं की घट्टियों या सड़कों से, उस काम के जिसके लिए वे लायी गयी थीं के समाप्त होने के दी घण्टों के भीतर हटाया जाएगा, अतिक्रम की दशा में, यातायात प्रबन्धक द्वारा उसे हटाया जाएगा और जलयान का मास्टर या स्वामी या नौभरक या ऐसा अन्य व्यक्ति जिसका वह गिन्नर है, ऐसे हटाए जाने में उपगत सभी खर्चों के लिए दायी होगा।

74. आयुध : (1) पत्तन में प्रवेश करने वाले और ऐसे प्रत्येक जलयान का जिसके फलक पर आयुध और गोला बारूद वाले पैकेजों को छोड़ने के लिए आयात स्थीरा हो, मास्टर, मास्टर स्वामी या अधिकर्ता पत्तन में पहुँचने के पश्चात् यथासम्भव शीघ्र यातायात प्रबन्धक को ऐसे सभी पैकेजों की पूरी सूची देगा।

(2) ऐसे पैकेजों को छोड़ने के पश्चात् के मास्टर द्वारा श्रेष्ठ फोरमैन के प्रत्यक्ष भागसाधन में दिया जाएगा में विनिर्दिष्ट प्ररूप में उसके लिए एक रसीद देगा और उन पैकेटों को अभिवहन श्रेष्ठ में सुरन्त बन्द करेगा।

(3) आयुध और गोला बारूद वाले सभी पैकेटों की बाह्य दशा को से देने से पूर्व सावधानी पूर्वक परीक्षा की जाएगी और ऐसी कोई बात 32GI/76—6

जो विशेष रूप से उल्लेखनीय हो, उसकी टिप्पणियों वाले स्तम्भ में दर्ज की जाएगी।

(4) आयुध और गोला बारूद वाले पैकेजों को किन्हीं भी परिस्थितियों में रात्रि के समय किसी जलयान से नहीं छोड़ा जाएगा।

(5) इस नियम के पूर्णतया अनुपालन न करने पर किसी जलयान से छोड़े गए आयुध और गोला बारूद वाले किसी पैकेज के लिए पत्तन प्राधिकारी किसी भी प्रकार से उत्तरदायी या दायी नहीं होंगे।

(6) पत्तन, किसी जलयान या जलयान की लाइन को ऐसी अवधि के लिए जैसी संरक्षक उचित समझे, इस नियम के उपबन्ध से छूट दे सकेगा।

75. गोला बारूद और विस्फोटक : गोला बारूद या विस्फोटक जो ऐसी प्रतिशबाजी का सामान जो संकट पोट उपस्कर का भाग है या फलक पर स्थीरा के रूप में बारूद का भार 45 किलोग्राम (100 पौंड) से अधिक है, सहित पत्तन पर पहुँचने वाले जलयानों का मास्टर दिन के समय द्य भाग में अन्तर्राष्ट्रीय कोड के लाल ध्वज से और सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच द्य भाग पर उस समय तक लाल बत्ती दिखाएगा जब तक गोला बारूद विस्फोटक या बारूद पत्तन की सीमा के भीतर फलक पर रहती है।

76. विस्फोटकों या अन्य खतरनाक स्थीरा का अवतरण किया जाना : (क) बारूद या अन्य विस्फोटक वाले पैकेज या खतरनाक स्थीरा का अवतरण पत्तन की सीमाओं के भीतर, कलकट्टर, सीमाशुल्क और उपसंरक्षक की पूर्ण अनुज्ञा के बिना नहीं किया जाएगा और उसके अवतरण या पोट परिवहन के लिये उन सभी प्रादेशों या निदेशों का सख्ती से पालन और अनुपालन किया जाएगा जो सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिये समय-समय पत्तन अधिकारियों द्वारा किए या दिये जाएंगे।

(ii) (ख) विस्फोटक या पेटी में रखा गया खतरनाक पैट्रोलियम का लवान करने वाले, उसे छोड़ने वाले या उसको संभालने वाले प्रत्येक जलयान सभी अग्नि पदार्थों को रखेगा और उनका भंडारकरण तभी करेगा जब कि विस्फोटकों और पेटी में बन्द खतरनाक पैट्रोलियम का लवान नहीं किया जा रहा हो, उसे छोड़ा नहीं जा रहा हो या उनकी देखभाल नहीं हो रही हो और यह सभी किया जाएगा जब कि वे विपाट द्वारा जिनमें विस्फोटक या खतरनाक पैट्रोलियम, पूर्णतया बन्द किये गए हों।

(ख) स्टैक फलक के सभी संघातकों को सावधानी से देखना होगा और उचित रूप से संभारा जाएगा और स्टैक फलक में बात पतवार लगाए जाएंगे जिससे ऐसे जलयान जिनमें फलक पर पेटियों में बन्द खतरनाक पैट्रोलियम है, में जमा होने वाली गैस के किसी पैकेट को रोका जा सके।

अध्याय 5

ईंधन तेल और निरापव पैट्रोलियम का उतारा जाना और निप्रेषण

77. प्रपूज में ईंधन तेल का उतारा जाना : प्रपूज में पैट्रोलियम तेल ले जाने वाले जलयान पैट्रोलियम नियम, 1937 के उपबन्धों तथा ऐसे सभी प्रादेशों या निदेशों जिन्हें यातायात प्रबन्धक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये समय-समय पर दे या करे का अनुपालन करेंगे।

78. पैट्रोलियम ईंधन तेल का बंकर किया जाना : पत्तन कार्यों और टैंक यानों में पैट्रोलियम ईंधन तेल वाले जलयानों का बंकर किया जाना निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए अनुज्ञात किया जाएगा, अर्थात् :—

(क) ऐसे सब समयों के दौरान जब जलयान अपने बंकरों में ईंधन ले रहा हो, फलक पर ऐसे जलयान का मास्टर या प्रथम मेट उपस्थित हो और वह यह देखेगा कि इन नियमों के उपबन्धों का पालन किया जाए और सुरक्षा के लिए सभी उचित पूर्वियों का पालन किया जा रहा है।

(ख) पोट अधिकारी निगरानी करेगा और बंकर को प्रशय करने वाली तेल कम्पनी टैंक का एक परिवर, जब बंकर किया जा रहा हो, लचीली संयोगी पाइप के साथ-साथ तेनात किया जाएगा।

(ग) जब बंकर किया जा रहा हो, तब जलयान के डैकों पर जलयान, रसीद पकाने, खुली बस्तियाँ या कौओं को नहीं रहने दिया जाएगा।

(घ) घाट या पोट बेसिन पर तेल के टपकने को रोकने के लिए संयोजी सेवा पाइप के नीचे एक यथोचित गटर या अन्य तंत्र रखा जाएगा।

(ङ) ईंधन तेल लेने वाले जलयानों के मास्टर या स्वामी तथा बंकर करने के लिए ईंधन तेल के प्रदायकर्ता, जलयानों या प्रदायकर्ताओं के सचिवों या उपकरणों में किसी नुकस या के असफल रहने पर यातायात प्रबन्धक के भारसाधन में रहने वाले पत्तन या स्थिरा की किसी सम्पत्ति को होने वाले नुकसान के लिए संयुक्त और पृथक्: दायी होंगे।

(च) इस्पात प्लेटों, लोहा, रेलों और समरूप माल जो तेल से प्रमाणित नहीं होता है, से भिन्न स्थिरा को तेल-केन्द्रों के पाइपों से उचास फीट के भीतर घाट पर नहीं रहने दिया जाएगा और जब फिर हो रहा हो तब भीघ्र ही पीछे के ग्रीड कपाटों को बन्द रखा जाएगा।

(छ) बंकर आरम्भ करने से पूर्व परिवर यह देखेगा कि तेल कम्पनी के डिपों तक टेलीफोन कनेक्शन ठीक से काम कर रहा है।

अध्याय VI

आग और बस्तियों की बाबत नियम

79. धूम्रपान आदि :—पत्तन के भीतर किसी ग्रीड या भांडागार में धूम्रपान करना और असुरक्षित आग या बत्ती का उपयोग पूर्णतया प्रति-षिद्ध है और कोई व्यक्ति ऐसे स्थानों में के सिवाय जो उस प्रयोजन के लिए प्राबलित किए जाएं, पत्तन के भीतर किसी बंगसार या घट्टि या किसी जलयान के फलक पर धूम्रपान नहीं करेगा या ज्वलित ल्यूसिफर माचिस या अन्य ज्वलनशील वस्तु को प्रज्वलित नहीं करेगा।

80. अग्निपदार्थ और बस्तियाँ :—(क) जलयान को ऐसे स्थान पर भूमित नहीं किया जाएगा जो इस प्रयोजन के लिए उप संरक्षक द्वारा नियत स्थान से भिन्न है।

(ख) पिघ या डामर को पत्तन के भीतर जलयानों के फलक पर सिवाय बगल या पिछले भाग के, गरम नहीं किया जाएगा, और न ऐसे जलयानों के फलक पर मोमबत्ती या असुरक्षित कृत्रिम बस्तियों के निकट स्पिरिट निकाला जाएगा।

(ग) कपास का लवान करने समय जलयानों के परिवन्धनों में असुरक्षित बस्तियाँ नहीं होंगी।

(घ) जब पत्तन की सीमाओं के भीतर किसी जलयान से, भार में 45 किलोग्राम (100 पाउण्ड) से अधिक भार, गोला-बारूद या अन्य विस्फोटकों का पोट परिवहन किया जा रहा हो या उन्हें उतारा जा रहा हो, तब फलक पर, विस्फोटक नियम, 1940 में यथा-उपबन्धित के सिवाय, अग्नि बस्तियाँ नहीं रहने दी जाएंगी या धूम्रपान नहीं करने दिया जाएगा।

81. जलयानों की पत्तन तक पहुंच और पुलिस पदधारी :—जब कभी मांग की जाए तब अग्नि और बस्तियों के सम्बन्ध में निरीक्षण करने के प्रयोजनार्थ, पत्तन में के जलयान पत्तन और पुलिस पदधारियों को पत्तन तक निर्बाध रूप से पहुंचने देंगे, इन नियमों के उल्लंघन में प्रयुक्त किसी अग्नि या बत्ती के बुझाने के लिए किसी पुलिस या चौकीदार के आदेशों की कोई व्यक्ति अवज्ञा नहीं करेगा।

अध्याय VII

82. घट्टि आदि तथा पत्तन क्षेत्र यातायात प्रबन्धक के प्राधिकारी के अधीन रहेंगे :—(1) पत्तन की सीमाओं के भीतर घट्टि, ग्रीड, द्वार और अन्य क्षेत्र यातायात प्रबन्धक के भारसाधन में रहेंगे जो माल के अवतरण और पोट परिवहन और या तो ग्रीडों में या खुले में उनके भंडारकरण से संबंधित सभी संक्रियाओं की बाबत निदेश देगा और उनका प्रबन्ध करेगा, पत्तन में पड़े रहने वाले समस्त माल की उचित अभिरक्षा उसके पास होगी और वह ऐसे कदम उठाएगा जो पत्तन के भीतर समुचित व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक होगी।

(2) (क) कोई भी व्यक्ति, यातायात प्रबन्धक के प्राधिकार द्वारा या उसके अधीन उसे जारी किए गए अनुज्ञापत्र या टोकन के बिना, पत्तन क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेगा, पुलिस अधिकारी या इस निमित्त सम्बन्धित: संशक्त किए गए किसी पोत अधिकारी द्वारा मांग किए जाने पर ऐसे अनुज्ञापत्र या टोकन को निरीक्षणार्थ पेश किया जाएगा।

(ख) कोई व्यक्ति उपर्युक्त रूप में जारी किए गए किसी अनुज्ञापत्र या टोकन को अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोग नहीं करने देगा।

(ग) ऐसे अनुज्ञापत्र या टोकन, जिसे किसी व्यक्ति को जारी किया गया है, और उसने किसी अन्य व्यक्ति को उसे प्रयोग करने दिया है, अधिभूत और रद्द किया जाएगा।

83. पत्तन के विभिन्न अनुभागों के काम के घंटों का विनियमन :—यातायात कार्य प्रयोजनों के लिए, जिन विभिन्न अनुभागों में पोत-परिसर विभक्त किए गए हैं, उनमें से प्रत्येक में जिन घंटों में कार्य किया जाएगा, के समय-समय पर यातायात प्रबन्धक द्वारा, सम्बन्धित अनुभागों में सूचना वस्था करके अधिसूचित किया जाएगा और यातायात-प्रबन्धक की लिखित अनुज्ञा के बिना इस प्रकार अधिसूचित काम के घंटों के अतिरिक्त पत्तन परिसरों के भीतर कोई काम नहीं किया जाएगा।

84. रात्रि और अवकाश कार्य :—रात्रि या रविवार या अवकाश दिनों में काम करने के लिए आबेदन यातायात प्रबन्धक को दिए जाएंगे, जो सीमाशुल्क विभाग से आवश्यक अनुज्ञा पेश किए जाने पर उसके उचित संचालन के लिए आवश्यक हस्ताक्षर करेगा और ऐसे दिनों और रात्रि के समय काम के लिए, इस प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट विशेष प्रभार संवत्त किए जाएंगे।

स्पष्टीकरण :— इस नियम के प्रयोजन के लिए अवकाश दिन वे होंगे जो उप संरक्षक द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किए जाएंगे।

85. पत्तन में प्रवेश :—पत्तन के प्रवेश द्वार और विकेट द्वार, पत्तन प्राधिकारियों द्वारा उसके लिए विनिर्दिष्ट घंटों के भीतर खुले रखे जाएंगे और किसी अन्य समय पर केवल ऐसे व्यक्तियों को प्रवेश करने और बाहर जाने दिया जाएगा जिनके पास यातायात प्रबन्धक द्वारा इस प्रयोजन के लिए जारी किए गए विशेष पास हों।

86. डाक श्रमिकों और नाविकों के भोजन लेने के लिए भ्रमण स्थान रखे गए :—नाविकों या डाक श्रमिकों को अपने भोजन लेने में समर्थ बनाने के लिए, यातायात प्रबन्धक के विवेकानुसार उसके आदेश द्वारा समय-समय पर अवसर की प्रेषानुसार कतिपय स्थान भ्रमण किए जाएंगे और ऐसे भोजन लेने वाले सभी व्यक्ति उन्हीं स्थलों और उनको जाने वाले और उनसे आने वाले ऐसे मार्गों तक निर्बन्धित किए जाएंगे, जो सूचना-पट्टों द्वारा उपर्युक्त किए जाएंगे।

87. पेटियों को खोलने और उनकी सरम्मत करने के लिए अनुज्ञापत्र काण्डकारों को शेर में जाने दिया जाएगा :—यातायात प्रबन्धक, पत्तन में

पेटियों के स्वामियों के कहने पर उनको खोलने या मरम्मत करने के लिए काष्ठकारों के रूप में कार्य करने के लिए ग्रहित व्यक्तियों को अनुज्ञप्ति प्रदान करेगा और उस रूप में अनुज्ञप्ति व्यक्ति से भिन्न किसी व्यक्ति को ऐसे प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त होने वाले औजारों या उपकरणों को पत्तन में नहीं ले जाने दिया जाएगा।

88. फेरी वालों को अनुज्ञप्तियां जारी किया जाना :—कोई व्यक्ति यातायात प्रबन्धक से अनुज्ञप्ति लिए बिना पत्तन के भीतर या किसी जलयान के फलक पर माल की फेरी नहीं लगाएगा या उसे नहीं बेचेगा और इस प्रयोजन के लिए यातायात प्रबन्धक व्यक्तियों को अनुज्ञप्ति जारी कर सकेगा जो कि हर वर्ष नवीकरणीय होंगी, परन्तु ऐसे व्यक्ति सीमा शुल्क कलक्टर से लिखित में पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करेंगे और ऐसी अनुज्ञप्ति के कारण उसका धारक ऐसे जलयान के मास्टर, स्वामी या अभिकर्ता की अनुज्ञा के बिना पत्तन में जलयान के फलक पर जाने का हकदार नहीं होगा।

89. पत्तन से टुकों और हथगाड़ियों का हटाया जाना :—ऐसे टुक और हथगाड़ी जिनमें सामान लदा हुआ है और जिन्हें तुरन्त पत्तन से बाहर नहीं ले जाया गया है, माल के स्वामी के जोखिम और खर्च पर यातायात प्रबन्धक द्वारा हटाया जा सकेगा और व्यापारियों या अन्य व्यक्तियों के टुक और हथगाड़ी जो पत्तन में पड़े हुए छोड़ दिए गए हैं, और यातायात प्रबन्धक द्वारा हटाई और अधिहृत की जा सकेंगी।

90. किसी भी पत्तन पर किसी सम्पत्ति का नाश या नुकसान :—ऐसा व्यक्ति जो पत्तन जलमरणी या प्रवेश पर या पत्तन के भीतर किसी लंगर की मूरिंग, रज्जू-जंजीर, जीवन-बीधा, रक्षा लाईन, जीवन-रक्षा उपकरण या किसी बोया या बोया रज्जू या केबल को काटता है, विरूपित करता है या नुकसान पहुंचाता है, ऐसी शास्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जिसके लिए वह किसी अन्य विधि के अधीन दायी हो, नुकसान, मरम्मत और वसूली की रकम संवत्स करने के लिए दायी होगा।

91. अधिकारियों को बाधा प्राप्त पहुंचाया जाना :—कोई भी व्यक्ति पत्तन के किसी कर्मचारी को, अपने कृत्यों का पालन करने में नहीं सताएगा, उस पर प्रहार नहीं करेगा, प्रतिरोध नहीं करेगा, रुकावट नहीं डालेगा, बाधा नहीं डालेगा, अड़चन नहीं डालेगा या बिछन नहीं डालेगा या सताने, प्रहार करने, प्रतिरोध करने, रुकावट डालने, बाधा पहुंचाने या अड़चन डालने या बिछन डालने के लिए भागे नहीं आएगा या प्रयास नहीं करेगा, या उसके विधिपूर्ण आदेशों की अवज्ञा नहीं करेगा, या गाली-गलौज या संतापकारी भाषा का प्रयोग नहीं करेगा या किसी अन्य व्यक्तियों को इन बातों में से किसी को करने के लिए सहायता नहीं देगा या नहीं उकसाएगा।

92. फीसों या उपदान का विया जाना :—पत्तन के किसी अधिकारी या सेवक को जिसे अनुशासनिक कार्रवाई के कष्ट के कारण, ऐसी किसी फीस, उपदान या पारितोषिक लेने से निषिद्ध किया गया है, कोई फीस, उपदान या पारितोषिक नहीं विया जाएगा।

93. संकेत :—संकेतों के अन्तराष्ट्रीय कोड का प्रयोग करके जलयानों द्वारा सभी आवश्यक संकेत दिए जाएंगे और मसूल-शीर्ष संकेत केन्द्र पर फहराए हुए जवाबी छवज द्वारा उन्हें अभिस्वीकृति दी जाएगी।

(2) केन्द्र मांगने के लिए दिन के समय छवज 'जैड' और रात्रि के समय छोटे-छोटे अन्तरालों पर 'जैड' का प्रदीपन करके पत्तन संकेत केन्द्र को मार्स और सेमाकोर कोडों द्वारा सूचना दी जा सकेगी।

94. खराब मौसम के लिए इन्तजाम :—प्रतिकूल या खराब मौसम के बालू रहने के दौरान पत्तन में प्रत्येक जलयान के मास्टर से निम्नलिखित निर्देशों का पालन करने की अपेक्षा की जाएगी, अर्थात् :—

(क) सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच उसे अपने जलयान से अनुपस्थित नहीं होना चाहिए,

(ख) अल्पकालिक सूचना पर समुद्र में जाने के लिए उसे सभी प्रकार से अपने जलयान तैयार रखने चाहिए और यदि यह उसके लिए सम्भव न हो तो उसे इस तथ्य की सूचना उपसंरक्षक को तुरन्त देनी चाहिए,

(ग) खतरे का संकेत फहराए जाने पर, उसे अपने जलयान की सुरक्षा के लिए सभी उपाय करने चाहिए क्योंकि पत्तन प्राधिकारियों द्वारा और अनुदेश नहीं दिए जा सकेंगे।

95. पत्तन में पहुंचने वाले सभी जलयान, अपने विश्रामकाल और पत्तन से रवाना होने समय भारतीय पत्तन स्वास्थ्य नियम 1955 के उपबन्धों का अनुपालन करेंगे।

[फा० सं० पी जी एल-12/74]

बीरेन्द्र राज मेहता, निदेशक

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 27th May, 1976

G.S.R. 873.—The following draft of the Port of New Mangalore Rules 1976 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) is hereby published, as required by sub-section (2) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the said period will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

PORT OF NEW MANGALORE RULES

Chapter I

Preliminary

1. Short title and application—(1) These rules may be called the Port of New Mangalore Rules, 1976.

(2) They shall, unless otherwise provided in these rules, be applicable only within the local limits of the Port of New Mangalore.

2. Definitions—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) "Act", means the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) ;

(b) "Conservator" means the Conservator of the Port appointed by the Central Government under the Act ;

(c) "dangerous goods" means goods as defined in the Indian Merchant Shipping (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 1954;

(d) "dangerous petroleum" means petroleum having its flash point below 24.4 degrees centigrade ;

(e) "Deputy Conservator" means the head of the Port's Marine Department and includes the harbour master or any pilot duly authorised to assist by the head of the Marine Department in this behalf ;

- (f) "fuel oil" means petroleum oil having a flash point of not less than 65.6 degrees centigrade and ordinarily used as fuel in engines and furnaces;
- (g) "Owner", in relation to goods, includes any consignee, shipper or agent for the sale, custody, loading or unloading of such goods; and in relation to any vessel making use of the port, includes any part-owner, charterer, consignee, or mortgagee in possession thereof;
- (h) "petroleum" means any liquid hydro-carbon or mixture of hydro-carbon and any inflammable mixture (Liquid, viscous or solid) containing any liquid hydro-carbon, but does not include any oil ordinarily used for lubricating purpose and having a flash point at or above 93.3 degrees centigrade;
- (i) "Port" means the Port of New Mangalore;
- (j) "Port authorities" means the Chief Engineer and Administrator, of the Port appointed by the Central Government and includes any other officer of the Port acting under the authority of the Chief Engineer and Administrator, of the Port;
- (k) "Tanker" is a cargo ship constructed or adapted for the carriage in bulk of liquid cargoes of an inflammable nature.
- (l) "Traffic Manager" means the officer for the time being in charge of traffic operations in the Port and includes the Deputy and Assistant Traffic Managers and any other officer acting under the authority of the Traffic Manager.

Chapter II

Admission of Vessels into Port

3. INTIMATION OF A VESSEL'S EXPECTED ARRIVAL

(1) (a) When a vessel is expected to arrive, her agents shall at least forty-eight hours before the expected time of arrival, send a notice to the Traffic Manager with a copy to the Deputy Conservator in the form prescribed by the Deputy Conservator.

- (b) Any special requirements regarding particular berths heavy lift cranes and other things shall be indicated in such notice.
- (c) Detailed particulars of cargo to be landed at the Port, with items of special cargo and heavy lifts shown separately with their stowage and distribution of cargo hatchwise shall either be attached to the vessel's arrival notice or be sent at least 24 hours before the arrival of the vessel. This cargo advice should be in triplicate.

(2) The agents of expected vessels shall in their own interest contact the Traffic Manager in time and apprise him with all the information regarding the nature, quantity, and the stowage of cargo they intend working and also such information regarding the vessel as will be necessary for berthing her at a suitable berth.

4. Allotment of berth.—(1) A vessel shall have no claim to a berth in the port until one has been specially allotted by the Traffic Manager and intimation given of such allotment by the Conservator.

(2) Allotment of any berth in the port shall only be considered as provisional until a vessel is actually ready to enter the port and here suitability for and the right to such berth is established to the satisfaction of the Traffic Manager.

5. Priority for certain vessels.—The allotment of berths shall be within the discretion of the Traffic Manager and subject to exigencies, the vessel first sighted and identified by the signal station shall be given priority:

Provided that Government vessels embarking or disembark-

ing troops, passenger vessels and any other class of vessels which the Conservator may from time to time declare in this behalf shall be eligible for a degree of priority in berthing.

6. Refusal to allot a berth.—If the Traffic Manager considers that there is good and sufficient reason for not admitting a vessel into the port, he may refer the matter to the Conservator and pending the decision of the Conservator, he may refuse to allot a berth.

7. Master to be in command of vessels.—(1) A vessel shall not be permitted to enter or leave the port or be moved from one berth to another in the port unless the master is on board.

Under exceptional circumstances, such as death or a serious illness of the master, special arrangements may be made in consultation with the Conservator.

8. Orders etc. of the Conservator to be carried out.—Masters and owner of vessels shall obey all directions of the Conservator in relation to the rotation and manner of approaching the port entrance and of coming into or going out of port.

9. Entering or leaving Port.—All sea-going vessels on entering or leaving the port between sun-rise and sun-set shall fly their national flag, and when entering the port, each vessel shall hoist her signal letters.

10. Piloting of vessels.—Subject to the provisions of the Act, and the conditions given below, pilotage is compulsory for all vessels except for those which are specifically exempted in writing by the Conservator or some other officer specially empowered by him in this behalf:—

- (a) The pilot shall board incoming ships and disembark from outgoing ships within one nautical mile seaward of the fairway buoy located at Latitude 12° 55' 06.2"N and Longitude 74° 46' 17.6" E and shall assist in piloting vessels to and from their assigned berths and in berthing or unberthing such vessels.
- (b) The master shall supply the pilot with all the information with regard to quarantine, dangerous goods on board, ship's draft and matters relating to the ship's behaviour and shall on completion of pilotage and berthing or unberthing, complete and sign the certificates on specified forms presented by the pilot.
- (c) In the event of an out-going vessel carrying a pilot outside the limits specified in clause (a) for unavoidable reasons, the master shall be bound to leave the pilot at the next nearest port and shall be liable to pay all expenses incurred on this account.
- (d) The master of a vessel shall in accordance with the provisions of the Act, display such signals as are required by the pilot to be used or as may be directed by the pilot.
- (e) (i) Every vessel entering or leaving the port shall be provided with an efficient pilot ladder in compliance with the Indian Merchant Shipping (Pilot Ladder) Rules, 1953.
(ii) If a pilot considers the rope ladder or manropes provided by a vessel to be unsafe, he may refuse to board or leave her, as the case may be until a strong and efficient ladder and stout man-ropes are provided as required.
- (f) Vessels shall not anchor eastward of the outer channel fairway buoy or in any other prohibited anchorage, nor shall a master attempt to enter the channel to pick up a pilot.
- (g) (i) If any accident happens to a vessel while a pilot is on board and if the master of a vessel has any complaint to make regarding the handling of the vessel under the command of the pilot, or the advice given to him by the pilot on duty, he shall

report about the accident at once to the Deputy Conservator who shall immediately hold a departmental enquiry.

(ii) If the accident occurs while the vessel is leaving the port the master shall send in full report direct to the Deputy Conservator from his next port of call.

(iii) Such report shall be accompanied by a signed statement of any witness to the incident in question.

(h) A vessel may leave the port without having on board a pilot under stress of weather after obtaining an authority to do so from the Conservator and after intimating the port Signal Station of her intention to do so.

11. USE OF PORT TUGS.—It shall be incumbent upon the master of a vessel to avail of the services of the Port tugs, while navigating within the port limits.

12. TAKING PHOTOGRAPHS etc.—No person shall, except under the authority of a written permit granted by the Traffic Manager :—

(a) have or carry with him a camera for taking photographs or any material for making a sketch, plan, model or other devices;

(b) take any photographs or make any sketch, plan or model of any movable or imovable object or building or installation within any Port limits,

(c) any other area declared as such by the Conservator from time to time.

13. SUPPLY OF WIRES, HAWSERS, ETC.—Vessels entering the port shall have in readiness for supply such steel wire ropes and other hawsers may be required to facilitate berthing alongside.

14. VESSEL'S CREW AND APPLIANCES TO BE IN READINESS.—(1) Masters or owners of vessels shall employ sufficient number of crew, and keep in readiness such appliances on board as may be necessary for working their vessels in and out of the port channel and in the port.

(2) In default or whenever necessary, the Conservator shall employ such number of personnel, and make available such appliances as he may consider necessary at the expense of the master or the owner.

15. OTHER PRECAUTIONS.—(a) Vessels when entering, leaving or when moved in the port or in the event of parting their moorings when secured to a jetty, quay or buoys shall have both anchors ready for letting off at any time.

(b) Vessels when entering, leaving, being moved, or lying in the port alongside quays or jetties shall have their sides free of all projections, and their boats, davits and derricks shall be swung in board and gangway ladders shall be stored in board.

(c) Masters and owners of vessels shall be responsible for all accidents which may result from failure to adopt any of the precautions specified in clauses (a) and (b).

16. VESSELS LYING OUTSIDE THE PORT ENTRANCE CHANNEL TO BE MOVED.—(1) A vessel lying in the harbour near the entrance to the port or in the fairway of the channel, or near the entrance channel in the pilotage waters of the harbour shall be removed by the master or owner if and when required by the Conservator.

(2) If such removal is not effected promptly, it shall be carried out under the orders and directions of the Conservator at the risk and expense of the master or owner of such vessel.

III. Regulations for vessels in the Port

17. MASTER ETC. TO PLACE HIS VESSELS IN HER BERTH.—(1) All vessels within the port shall take up such

berths as may be assigned to them by the Traffic Manager of the Conservator and shall change their berths or move when required by either of the said officers.

(2) No vessel shall cast off a warp that has been made fast to her to assist the vessel moving, without being required to do so by the pilot or the Harbour Master in charge of the vessel moving.

18. CLOSING OF HATCHWAYS WHEN NOT WORKING.—Vessels when not working cargo shall have all hatchways closed or well protected.

19. MOORING UNMOORING AND MOVING VESSELS IN PORT UNDER ORDERS OF THE DEPUTY CONSERVATOR.—(1) Masters of owners of vessels shall obey the directions of, and shall offer no obstruction to, the Deputy Conservator, in regard to the mooring, unmooring or moving of any vessel in the port.

(2) A vessel shall not be required to be moved from her berth without the previous orders in writing of the Deputy Conservator.

(3) In case it become necessary, the Deputy Conservator shall take such action as may be necessary to enforce his orders and any expenses incurred in taking such action shall, without pre-judice to any penalty to which the master of owner in default may be liable, be payable by such master or owner.

(4) Master of vessels shall ascertain from the Deputy Conservator the maximum drafts to which their vessels may load.

20. MOORING IMPROPERLY.—Masters or owners of vessels in the port shall not permit the ropes or hawsers of their vessels to be made fast to any place or places in the port other than the bollards, mooring posts or other appliances specially provided for the purpose.

21. VESSELS TO BE IN CHARGE OF COMPETENT PERSONS.—When a vessel remains in the port, the master or any other responsible officer and sufficient number of crew shall always be on board.

22. WATCHMAN TO BE KEPT ON DECK.—A vessel in the port shall maintain a Quarter Master or a Watchman always on duty on the deck, who shall be in charge of the vessel's shore gangway and attend to the mooring ropes and line of the vessel, and shall also be responsible for their adjustment and in case of default, the master or the owner of the vessel shall be liable for any damage as a result of such default.

23. VESSEL PROPELLER NOT TO BE WORKED.—(1) While a vessel is berthed or moored in the port, any propeller shall not be moved by power without the previous written permission of the Deputy Conservator and subject to such conditions as he may direct.

(2) Notwithstanding such permission masters and owners shall be responsible for any damage that may result from the moving of any propeller by power or hand.

24. ANCHOR OR OTHER GEAR DROPPED IN PORT, ETC. TO BE RECOVERED.—Masters shall be responsible for the immediate buoying of any anchor or other gear they may be dropped over-board from their vessels in the port and shall take all steps necessary for the removal from the water of any such anchor or gear.

25. VESSELS TO BE PROPERLY BALLASTED.—Vessels in the port shall be kept so loaded or ballasted that in the event of fire or other emergency, they may be removed from their berths without danger.

26. REPAIRS TO VESSELS.—Master intending to carry out repairs to vessels may do so only subject to the following conditions, namely :—

(i) vessels shall not be immobilised without first obtaining permission from the Deputy Conservator,

(ii) vessels are likely to be moved from the berths when the berths are required for working cargo by other vessels.

(iii) the Deputy Conservator may if considered desirable, prohibit chipping or repairs causing excessive noise between 10.00 and 17.00 hours.

(iv) repairs involving the use of naked lights, gas cutting and welding apparatus to, or in the vicinity of fuel oil storage tank or the fuel system, or involving the entry of a person into any fuel storage tank or such vessel wherein petroleum may have been stored, may not be commenced unless a gas free certificate from the appropriate authority has been obtained.

27. GOODS ETC. NOT TO BE ALLOWED TO FALL INTO PORT.—No Cargo, goods or any other substance shall be allowed to fall from any vessel, quay or pier into the port channel or in the port.

28. NOTICE TO BE GIVEN OF CARGO, GOODS ETC. FALLING INTO WATER.—Any person or the master or owner of any vessel or the stevedore engaged in loading or unloading any vessel who allows any cargo, goods or substance to fall from any vessel, pier, or quay into the water shall forthwith give notice of the concurrence and furnish all particulars connected therewith to the Traffic Manager and the Deputy Conservator and shall take immediate steps to remove the said cargo, goods or substance from the water at their cost.

29. RECOVERY OF GOODS, RUBBISH ETC. FALLING INTO WATER.—If any person, master or owner of a vessel or stevedore required under rule 28 to remove any cargo, goods or other substance from the water, fails to remove within such time as has been specified in a notice from the Deputy Conservator calling upon him to do so, the Deputy Conservator may remove such cargo, goods or substance and any expenses incurred in such removal shall be recovered from the person, master owner or stevedore, without prejudice to any other penalty to which the person, owner or stevedore may be liable.

30. ASHES, RUBBISH, ETC. NOT TO BE DEPOSITED ON QUAYS ETC. WITHOUT PERMISSION.—No person shall, without authority from the Traffic Manager, deposit, upon any quay or pier, in the shed or any part of the port, any ashes, ballast, baskets, bottles, cinders, dirt, dung, refuse, rubbish, shavings, stores or other similar loose materials or substances.

31. PREVENTION OF MATERIALS FALLING INTO PORT, DISPOSAL OF ASHES ETC.—(1) Master or owners of vessels or stevedores loading or unloading, ashes, ballast, bricks, cinders, coal, dustlime, rubbish, singles, stones, tiles or any other loose matter shall use for such loading or unloading, a canvass cloth or wooden chute, to the satisfaction of the Conservator.

(2) Ashes, cinders, dust and rubbish shall be landed on the quay in such places as may be directed by the Traffic Manager and the Master, owner or the stevedores, as the case may be, may remove them from such place.

32. OILY BILGE WATER ETC. NOT TO BE PUMPED INTO PORT.—(1) No ballast water containing oil liable to foul or capable of fouling the water shall be discharged from any vessel into the Port.

(2) If any oil is found floating around the ship, it shall be the responsibility of the master to prove that it is not from his ship.

33. CLEANING OF VESSELS.—No person shall be employed in cleaning or painting a vessel or in working in the bilges, boilers or double bottom of a vessel in the Port except during such time as may be fixed by the Conservator in this behalf.

34. PROJECTIONS FROM DECK OF A VESSEL.—Projections from the deck of any vessel which interfere with the loading or unloading of any other vessel in the Port shall forthwith be removed on a requisition by the Traffic Manager.

35. FENDERS.—Fenders provided by the Port at the quay, jetty berths shall not be lifted or removed by the masters or their stevedores.

36. SOUND SIGNALS.—The use of sound signals for attracting attention is prohibited on board the vessels while within the limits of the Port, except for the purposes specified in regulations 15, 28 and 31 of the International Regulations for Preventing Collisions at Sea, 1960, and in case of emergency when assistance from the shore is urgently required in the interests of the safety of the vessel or when the pilot in charge thinks fit to do so.

37. SINKING OF BOATS ETC.—The master or owner of cargo vessel in the harbour, alongside of which any cargo, masula or other boat is sunk whilst taking in cargo or passenger or discharging cargo or passenger, shall forthwith report the fact of such sinking and the place where it occurred to the Conservator.

38. DANGEROUS ANIMALS AND FIRE-ARMS.—Dangerous animals and loaded guns or fire-arms shall not be kept or allowed on board any vessel in the Port.

39. VESSELS WITH DANGEROUS ETC.—The Conservator may order immediate removal from the port of all vessels having on board animals manures or other offensive or dangerous cargoes or persons suffering from infectious diseases.

40. MASTERS ETC. OF VESSELS RESPONSIBLE FOR DAMAGES.—Masters and owners of vessels shall be responsible for any loss or damage caused to any of installations or property of the port due to the negligence of their servants and the Conservator shall have the right to detain their vessels until the value of the loss or damage is paid or security for such payment is given.

41. VESSELS ETC. IN PORT IN THE RISKS OF MASTER ETC.—All vessels in the port lie at the risk of their Masters or owners who shall be held responsible for any loss or damage that may arise in consequence of their faulty navigation or by reason of their breaking adrift from their anchors or moorings.

42. MASTERS ETC. RESPONSIBILITY FOR ACTS OF CREW ETC.—Masters and owners of vessels shall be held liable and responsible for the acts of the crew and any person employed by them either outside, or on board, their vessels.

43. PORT AUTHORITIES ACCEPT NO LIABILITY FOR DELAY ETC.—The port authorities shall not be liable for any delay in respect of vessel entering, remaining in, or going out of the port or for delay in the loading or unloading of goods owing to circumstances beyond their control.

44. NOTICE REGARDING OUTBREAK OF FIRE ON VESSELS TO BE GIVEN BY MASTERS ETC.—(1) Any person noticing a fire in a ship shall immediately :—

(a) inform an officer of the ship who shall be responsible for raising the alarm in accordance with the provisions of sub-rule (2).

(a) if the ship is alongside a quay, treat the fire as on shore and raise the alarm in accordance with the provisions of sub rule (2) and also inform an officer of the ship who shall also raise the alarm in accordance with the provisions of sub-rule (2).

(2) The following methods shall be used for raising an alarm, namely :—

1. Afloat by day.—Hoist International Flag 'DQ' sound continuous blasts on ship's whistle or siren until the arrival of the Fire float.

2. Afloat by night.—Sound whistle or siren as above HOIST TWO RED LIGHTS above the other 6 (six) feet apart, when ships are alongside the alarm is to be raised by telephone in addition to the above procedure.

3. Ashore by day or night.—Run to the nearest Telephone and ring up Port Exchange and on being connected, state clearly :

FIRE IN SHIP AT—

FIRE ASHORE AT—

NOTE—The Port PBX Operator should take care that the connection to Port Fire Office is given WITHOUT ANY DELAY WHATSOEVER.

45. Prohibition of underwater salvaging of repairs.—No person shall salvage any anchors, cables, stores, or for cargoes lost or supposed to be lost therein or undertaken under water repairs to vessels without the prior permission of the Conservator or an officer authorised by him in that behalf.

CHAPTER IV

RULE IN RESPECT OF WHARVES AND SHEDS FOR THE LOADING AND UNLOADING OF VESSELS : AND FOR THE DELIVERY AND SHIPMENT OF GOODS

46. Work in port under the Traffic Manager.—(1) The loading and unloading of vessels in the port shall be subject to the control of the Traffic Manager who may at his discretion, prohibit the discharge of such goods in the port which in his opinion are likely to obstruct traffic or cause congestion or hinder the convenient use of the port.

(2) The Traffic Manager may also, at his discretion, and at the cost of the owner remove to any other place, goods, the storage of which on the port premises which on the port premises either upon their landing in the port or thereafter, is likely to obstruct traffic or cause congestion.

(3) The appointment of quay space to be occupied by each vessel shall similarly be determined by the Traffic Manager.

47. Use of cranes.—The allotment of quay cranes for discharging import cargo or for loading export cargo shall be at the discretion of the Traffic Manager.

48. Vessels lying idle.—The Traffic Manager may, at his discretion, move from her berth, or order out of the port, any vessel which in his opinion has remained idle in the Port.

49. Vessels working slowly.—A vessel discharging import cargo or loading export cargo in the port may be required to give up her berth in the rate of discharge or loading is below the average for similar vessels and for similar cargoes.

50. Vessels to be moored before working cargo.—Goods shall not be loaded into or unloaded from a vessel in the port until the vessel has been moored at her allotted berth.

51. Production of manifest before breaking bulk or before commencement of loading.—(i) (a) The master, owner or agent of a vessel carrying cargo for discharge at the port shall furnish the Traffic Manager, with a true copy of the complete Import General Manifest not less than six clear working days before being permitted to break bulk.

(b) The manifest shall show full details of each consignment manifested including literage in the case of liquids in bulk and gross weight in kilos in other cases.

(c) Non-submission of such manifests within the stipulated time may result in the vessel concerned not being permitted to break bulk.

(d) Where the consignment consists of packages of different weights, the gross weight in the metric system of each package shall be furnished in addition.

(e) In the case of iron and steel consignments hatch lists indicating (a) description, (b) quantity and (c) weight in metric system in each hatch, shall also be submitted before permitted to break bulk.

(ii) (a) If cargo meant for any other port or meant for transshipment is allowed to be discharged, a supplementary manifest giving full details of gross weights, in metric system shall be filed before being permitted to discharge such cargo.

(b) If details of such consignments are not already included in the original Import General Manifest filed for the vessel.

(iii) (a) Every export application submitted for shipment of goods and every customs export shipping bill presented at the office of the Traffic Manager for assessment of dues shall show full details of the consignments covered by documents including the description of the cargo, quantity of cargo and

the gross weight of each consignment in metric system, including literate in the case of liquids in bulk.

(b) Where the consignment consists of packages of different weights, the gross weight in the metric system of each package shall be furnished in addition.

(iv) The agents of a merchant vessel departing from the Port, whether loaded or in ballast shall before three days of her departure, furnish the Traffic Manager with a copy of her Export Manifest.

52. Opening of packages.—No package shall be opened inside the harbour by the importer, exporter or owner, for appraisalment, examination or survey, without the permission of the Traffic Manager.

53. Removal of iron, steel, machinery packages, long and unwieldy heavy lifts from the port.—Consignments of iron, steel, machinery packages, long and unwieldy heavy lifts landed in the port may be removed by the Traffic Manager at his discretion to any other place at the cost of the consignees, owners or importers and without any previous notice to them if he considers it necessary so to do for the safe and convenient working of the Port.

54. Timber discharging.—Timber shall not be discharged from a vessel overside into the water without the approval of the Traffic Manager and if so discharged, shall be removed out of the port on the next high tide after such discharge.

55. Discharge and shipment of coal or any other dirty cargo.—(i) The discharge and shipment of coal or other dirty cargo in bulk or otherwise from and into ships in the port, may be effected only with the written permission of the Traffic Manager who may refuse such permission in cases where he considers any loss or damage to property is likely to arise from coal or similar dust, caused by such discharge or shipment.

(2) Permission accorded to discharge or to ship coal or other dirty cargo, in bulk or otherwise, on and from shore, shall be subject to the importer or shipper or their accredited agents agreeing to reimburse the entire cost of clearing the wharf of the residue.

56. Works of art bullion etc.—(1) The port shall not accept any responsibility in respect of any package containing a work of art or an article of virtue of which the value including that of the package exceeds Rs. 50 or containing specie, bullion, gold or silver articles, jewellery, precious stones or coral unless written notice is given to the Traffic Manager by the owner or consignee and the package is specially delivered to the Traffic Manager and a receipt thereof obtained atleast six hours before the package is landed or brought into harbour for shipment.

(2) If any package containing any of the articles referred to in sub-rule (i) is brought to any wharf or pier without the said written notice being given to the Traffic Manager, the package, if for export, shall be shipped, or if imported, shall be removed to the Customs House or to the port sheds at the sole risk of the owner and shall remain at his risk until cleared.

57. Loading and unloading of cargoes likely to foul port wharves.—(1) Molasses and other goods of a nature likely to foul the port wharves or transit sheds or to cause damage to other goods may be discharged from a vessel in the port only with the permission of the Traffic Manager and subject to the owner or consignee of the goods undertaking to pay to the port authorities the expenses if any, incurred by them for clearing the wharf or transit shed.

(2) (a) The decanting on the port wharves from drums or other receptacles, of vegetable, fish or other oils preparatory to their shipments in bulk shall not be permitted.

(b) Where shipment in bulk of oils, are to be effected the oils shall be transported to the port in tank wagons, or tank lorries and pumped directly therefrom into the vessel's tanks, or where the oil has been transported in tank barges, directly from barges into the vessel's tanks.

58. Handling of cargoes to contaminate food stuffs.—(1) Items of cargo, such as chemical manures, insecticides,

poisonous substances which are likely to contaminate food stuffs, shall not be discharged at any berth for storage, pending delivery, unless the discharge of such cargo has been specifically permitted in writing by the Traffic Manager.

(2) In all cases, where such permission has not been given, the vessel shall either discharge such cargo direct on to the quay provided adequate arrangements have been made by the steamer agents with the consignees to the satisfaction of the Traffic Manager for the clearance of such cargo direct from the landing point, rail or road transport, or land such cargo overside into barges hired by the steamer agents, to be taken up to the points fixed by the Traffic Manager for storage.

59. Transfer of vessels from their berths.—(1) The Traffic Manager may either himself, or through the Conservator, direct any vessel, to move from one berth in the port to any other berth, provided that such other berth is vacant.

(2) A notice of 12 hours shall be given before a vessel is required to be shifted under this rule.

(3) The port shall not be responsible for any delay which may be caused to a vessel in effecting a transfer under this rule.

60. Issue of licences to stevedores.—(1) The Conservator shall, from year to year, issue licences to certain approved firms and individuals granting them permission to perform the work of stevedoring vessels in the port and no stevedore shall be allowed to work on board any vessel in the Port unless he is in possession of such licence.

(2) The Conservator may at any time cancel any licence issued under this rule or may suspend the same for such period as may be specified for breach of any of the terms of the licence or for breach of any of the provisions of this rule.

(3) The licence may likewise be cancelled or suspended if, after the grant thereof, it is discovered that the application for the licence contained any misrepresentations or misstatements of material facts of it the licence has been adjudged insolvent or has gone into liquidation, as the case may be, or if the licensee or his workmen cause any damage to port property or to any vessel or equipment thereof or if the licensee or his workmen cause any obstruction to any work in the port :

Provided that no such licence shall be cancelled or suspended until the holder of the licence has been given a reasonable opportunity for showing cause why his licence should no be cancelled or suspended as the case may be.

Provided further that no such opportunity for showing cause shall be necessary when the licence is suspended pending an inquiry against the holder of the licence for contravention of any of the terms thereof or for contravention of any of these rules or for doing anything for which the Licence is liable under this rule to be cancelled or suspended.

(4) The Stevedoring Licence issued to a firm or individual is not transferable.

(5) The Stevedoring Licence issued to a firm or individual is liable for immediate cancellation, if it is discovered by the Conservator that the said Licencee has sublet the Licence to any other firm or person without the written approval of the Conservator who is to issue such licence.

61. Conditions for issue of licence to stevedores.—(1) Every stevedore shall be responsible for the due observance and performance by all staff and labour employed by him, during the loading or unloading of a vessel or work incidental thereto, of all the relevant laws, rules and regulations for the time being in force.

(2) Every stevedore shall ensure that all loading and unloading operations shall conform in all respects to the requirements prescribed by or under the Indian Dock Labour Act, 1934 (19 of 1934) and are carried out with his own gear and he shall be solely responsible for any accident or damage resulting from the use of any defective gear.

(3) (a) Every stevedore shall employ at least one experienced foreman and a tindal to Superintend the loading or unloading of cargo or bunkering of coal, of fuel at each hatchway at which loading, unloading or bunkering is being carried on.

(b) The tindal shall supervise the slinging or unslinging of goods in the hold and wherever a vessel is loading cargo in between decks along, he shall see that the between deck hatches that are provided with cross beams and fore and aft beams have all such beams fixed in their proper places, and that the hatch covers are properly put on and effectively secured to prevent their displacement before commencing work; the foreman shall remain on dock and see that the crane chain is not taken out of the square of the hatchway, and that the hook does not catch coamings or foul any of the ships gear or damage any structure or erection ashore.

(c) The foreman shall give correct signals to the crane driver and shall Superintend the taking off and putting on the beams and hatch covers and shall see that persons keep out of danger on deck and do not stand under any hoist.

(d) The foreman shall, where work is stopped for the day or night, search and satisfy himself that no one is remaining in the hold.

(e) The stevedore shall be solely responsible to the owners of the ship and to the port authorities in the event of any injury or damage being caused to any person or property in the course of the loading, unloading, or bunkering operations.

62. Registration of steamer agents.—(1) No steamer agent shall work in the Port unless he is in possession of a registration certificate issued by the Conservator.

(2) The registration is subject to renewal every year depending on the performance of the agents.

(3) The Conservator, may at any time, cancel any registration certificate issued under this rule or may suspend the same for such period as may be specified for breach of any of the terms or conditions under which such registration is permitted.

(4) The registered steamer agents shall be required to open a deposit account for such amount as may be fixed by the Conservator of the Port so as to meet their obligation for prompt payment of Port charges for the services rendered to them by the Port.

63. Registration of clearing and forwarding agents.—(1) No Clearing and Forwarding Agent shall be permitted to work in the Port of New Mangalore and transact shipping business unless he is in possession of a registration certificate issued by the Conservator.

(2) The registration is subject to renewal every year depending on the performance of the Clearing and Forwarding Agents.

(3) The Conservator, may at any time, cancel any registration certificate issued under this rule or may suspend the same for such period as may be specified for breach of any of the terms or conditions under which such registration is permitted.

(4) The registered Clearing and Forwarding agents shall also be required to open a deposit account with the Port for such amount as may be fixed by the Conservator to meet their obligation for the prompt payment of Port charges for the services rendered to them by the Port.

64. Cancellation or suspension of registration of steamer agents or clearing or forwarding agents.—The Registration of a Steamer Agents or Clearing And Forwarding Agent may be cancelled or suspended if, after the grant thereof, it is discovered that the application for the Registration contained any misrepresentations or mis-statements of material facts or if the holder of the Registration has been adjudged insolvent or has gone into liquidation, as the case may be, or if he or his workmen cause any damage to port property or to any vessel or equipment thereof, or cause any obstruction to any work in the port :

Provided that no such registration shall be cancelled or suspended until the holder of such registration has been given a reasonable opportunity for showing cause why his registration should not be cancelled or suspended, as the case may be :

Provided further that no such opportunity for showing cause shall be necessary when the registration is

suspended pending an inquiry against the holder of the registration for contravention of any of the terms, thereof or for contravention of any of these rules or for doing anything for which the registration is liable under this rule to be cancelled or suspended.

65. Discharge of vessels cargo to be under the superintendence of master, owner, or stevedore.—The liabilities Cargo shall not be discharged from any vessel in the port except under the directions and superintendence on board such vessel of the master or owner of the vessel or of a stevedore licensed by the Conservator to perform such work in the port and such master, Owner, or stevedore shall be personally liable in respect of any loss or damage arising from the careless or improper slinging of goods on board such vessel and shall in every instance observe the following precautions, namely :—

- (i) that the sling is laid out flat without turning or kinks before any goods are loaded therein ;
- (ii) that after each sling has been made up and with the first strain on heaving up, the running loop is well beaten home with a wooden bar in order that the grip may be made secure.

66 Master, etc and stevedores working cargo's to provide proper lights on board.—(1) Masters and owners of vessels in the port and the stevedores working the cargoes of such vessels shall be jointly and severally responsible for the proper provision of lights in all those parts of vessels, where work is being carried on either with the use of the Port's cranes, quays, piers or other property or otherwise

(2) In default, they shall jointly and severally be liable in respect of any loss or damage to life, limb or property resulting therefrom.

67 Making up of slings—cranes not to be used under vessel's coamings—Slings of import goods shall be made up directly under the open hatchway of any vessel unloading in the port and under no circumstances the Port's cranes shall be employed for the purpose of breaking out or removing goods from under the coamings.

68 Use of vessel winches—Masters and owners of vessels employing their own cranes or winches for the loading or unloading of goods shall be responsible for any loss or damage to goods arising from any cause whatsoever

Note—(1) Cranes may be fixed in positions as directed by the Stevedores :

- (2) Ship's Officers shall see that the Port cranes work quite clear of Ships' gear :

69. Heavy lifts—The Traffic Manager may prohibit the landing from any vessel of any single article or package of over 10 tonnes in weight, except by the cranes of the ports provided for the purpose, if he is of opinion that it is necessary or advisable to do so

70 Discharge of heavy lifts.—(1) Single articles and packages of over 10 tonnes in weight shall not be discharged unless so permitted by the Traffic Manager under the terms and conditions laid down by him in this behalf.

(2) The port authorities shall not be liable or responsible in respect of any loss or damage occurring to such articles or packages

71. Marking and packing of heavy packages—(1) Single articles and packages of one metric ton and over in weight (hereinafter referred to in this rule as heavy package), shall not be loaded on board any vessel in the port or alongside the quay walls unless the gross weight of each such article or package has been plainly and durably marked upon it and packed by the consignors or the agents in the manner set out below or damage occurring to such articles or packages.

(a) Manner of marking of heavy packages—(i) The gross weight on a heavy package shall be marked thereon in English and the regional language if possible with a kind of the paint which is not easily effectable.

(u) Where a heavy package is of a light colour, black paint, and where the package is of a dark colour, white or yellow paint shall be used for such markings

(b) Gross weight to be marked in metric tons or kilograms—Subject to the provisions of clause (f) the gross weight of a heavy package shall be marked thereon in metric tons or Kilograms.

(c) Place of marking.—The gross weight shall be marked on two sides of the heavy package so that in whatever position the package is placed, the marking is easily visible

(d) Size of letters or figures.—Every letter or figure, used to mark the gross weight of a heavy package shall be at least seven and half Cms. (three inches) in length and half Cms (one quarter of an inch) in breadth.

(e) Manner of packing—(i) The goods in heavy package shall be securely packed in a strong covering in such manner that there is no movement of the goods inside the package resulting in any disintegration of the goods or the covering.

(ii) The covering shall be of such materials and nature as can stand the strain of the packages being handled during the course of loading or unloading so that the risk of any injury to persons who handled the package is minimised.

(f) Marking of approximate weight in certain circumstances—Where at the place the heavy package is consigned there are no means available for determining the correct weight of the package, the anticipated minimum and maximum weight of the package, in metric tons or kilograms shall be marked thereon in the manner hereinbefore specified.

Provided that such anticipated maximum weight shall be so assessed that it does not fall below the actual weight of the package

(2) Consignors and their agents, agents of vessels and stevedores shall be held responsible for any breach of the provisions of this rule.

72. Hazardous substances—general restrictions—The handling, transport and stowage within the port limits of all substances, classified as hazardous (as defined in the recommendations of the United Nations' Committee of experts on Transport of Dangerous goods, which met at Geneva in August 1954) or merit classification as such by virtue of their characteristic properties shall be subject to such restrictions and conditions, as the Conservator may, from time to time, impose

73 Use of the gear and other articles provided by the port—(1) All cargo handling gear and other articles provided by the port shall, when no longer required, be returned to the Stores depot of the port and shall not be left lying in the quays or roads

(2) Masters and owners of vessels and stevedores shall be charged hiring fees on all such articles from the date of requisition till its return to the stores depot

(3) All articles not provided by the port shall be removed from the quays or roads within two hours after the job for which they are brought is finished, in default, removal shall be effected by the Traffic Manager and the master or owner of the vessel or stevedore or any other person to whom such gear belongs shall be liable for all the expenses incurred in such removal

74 Arms.—(1) The master, owner or agent of every vessel entering the port and having on board as import cargo for discharge, packages containing arms and ammunitions, shall as soon as possible after arrival in the port furnish to the Traffic Manager a complete list of all such packages

(2) After discharge, such packages shall be handed over by the master into the direct charge of the shed foreman who shall grant a receipt therefore in the specified form and shall immediately lock up the packages in the transit shed

(3) The external condition of all packages containing arms and ammunition shall be carefully examined before a receipt is given therefore and any matter which calls for special mention shall be entered in the remarks column thereof.

(4) Packages containing arms and ammunition shall under no circumstances be discharged from a vessel at night.

(5) The port authorities shall not in any way be responsible or liable for any packages contained arms and ammunitions discharged from a vessel otherwise than in strict conformity with this rule.

(6) The Port may exempt, any vessel or line of vessel, from the provision of this rule for such period as the Conservator may think fit.

75. Ammunition and explosives.—The master of any vessel arriving in the port with ammunition or explosives, other than fireworks, forming part of the ship's equipments of distress signals, or over 45 kgs. (100 lb.) in eight of gun powder, on board as cargo, shall display a red flag B of the International Code at the fore during day-time, and between sunset and sunrise shall exhibit a red light at the fore for so long as the ammunition, explosives or gunpowder are on board within the limit of the port.

76. Landing of explosives or other dangerous cargo.—(i) No package containing gun powder or other explosive or any dangerous cargo shall be landed within the limits of the port without the previous permission of the Collector of Customs and the Conservator, and in the landing or shipment thereof, all orders or directions which may be made or given by the Port authorities from time to time to ensure safety shall be rigidly adhered to and observed.

(ii) (a) Every vessel while loading, discharging or handling explosives or cased dangerous petroleum shall bank all fires and store them up only when explosives or cased dangerous petroleum are not being loaded, discharged or handled and only when hatches containing explosives or cased dangerous petroleum are completely closed.

(b) All ventilators to the stock hold shall be carefully attended and properly trimmed and wind-sails shall be gipped to the stock hold to prevent any pocket of gas accumulating in vessels which have any cased dangerous petroleum on board.

CHAPTER V

DISCHARGE AND SHIPMENT OF FUEL OIL AND NON-DANGEROUS PETROLFUM

77. Discharge of fuel oil in bulk.—Vessels carrying petroleum in bulk shall observe the provisions of the Petroleum Rules, 1937, and all other orders or directions which the Traffic Manager, may make or give from time to time, to ensure safety.

78. Bunkering petroleum fuel oil.—Bunkering of vessels with petroleum fuel oil in the port barges and tank vehicles shall be permitted subject to the following conditions, namely :—

- (a) During all such time as any vessel is receiving fuel into her bunkers, the master or first mate of such vessel is present on board and he shall see that the provisions of these rules are complied with and that all reasonable precautions for safety are observed.
- (b) a ship's officer shall be on watch and an attendant of the oil company supplying the bunkers shall be stationed alongside the flexible connecting pipe while bunkering is in progress.
- (c) no smoking, cooking, naked lights or forges shall be allowed on the vessel's decks while bunkering is in progress.
- (d) a suitable gutter or other contrivance shall be placed under the connecting service pipe to prevent any oil from dripping on the wharf or into the port basin.
- (e) Masters and owners of vessels receiving fuel oil and suppliers of fuel oil for bunkering shall jointly and severally be held liable for any damage caused

to any property belonging to the port or cargo in charge of the Traffic Manager by any defect in or failure of the apparatuses or appliances of the vessels or the suppliers.

(f) No cargo other than steel plates, iron rails, and similar goods unaffected by oil, shall be allowed on the wharf within fifty feet of the oil stand pipes, and shed doors immediately behind them shall be kept closed while bunkering is in progress.

(g) Before bunkering commences, the attendant shall see that the telephone connection to the oil company's depot is in working order.

CHAPTER VI

RULES WITH RESPECT TO FIRE AND LIGHTS

79. Smoking etc.—Smoking and the use of any unprotected fire of light in any shed or warehouse within the port is strictly prohibited and no person shall smoke or light lucifer matches or other inflammable article on any pier or quay or on board any vessel within the port, except in such places as may be allotted for the purpose.

80. Fires and lights.—(a) No Vessel shall be fumigated except at a place appointed by the Deputy Conservator for the purpose.

(b) Pitch or dammer shall not be heated on board vessels within the port; but in a boat alongside or astern; nor shall spirits be drawn off on board such vessels by candle or other unprotected artificial lights.

(c) Vessels, while loading cotton, shall not have any unprotected lights in the hold.

(d) When gunpowder, ammunition or other explosives exceeding 45 Kgs. (100 lb.) in weight are being shipped on or discharged from, any vessel within the limits of the port, no fires, lights or smoking shall be permitted on board, except as provided in the Explosives Rules, 1940.

81. Accessibility of vessels to port and police officials.—Vessels in port shall allow free access to the Port and police officials for inspection purposes in regard to fires and lights whenever demanded and no person shall disobey the orders of any police officer or watchman for extinguishing any fire or light used in contravention of these rules.

CHAPTER VII

82. Quays etc. and port area to be under the authority of the Traffic Manager.—(1) The quays, sheds, gates and other areas within the limits of the port shall be under the charge of the Traffic Manager, who shall direct and manage all operations connected with the landing and shipping of goods, and their storage either in the sheds or in the open; he shall have proper custody of all goods lying in the port and take such steps as may be necessary for the proper maintenance of order within the port.

2. (a) No person shall enter any port area without a permit or token issued to him by or under the authority of the Traffic Manager; such permit or token shall on demand by a police officer or any port officer, duly empowered in that behalf be produced for inspection.

(b) No person shall allow any other person to use any permit or token issued to him as aforesaid.

(c) Any permit or token issued to any person and allowed by him to be used by another shall be liable to be confiscated and cancelled.

83. Regulation of working hours of the various sections of the port.—The hours during which work may be carried on in each of the several sections into which for traffic working purposes, the port premises are divided shall be notified by the Traffic Manager, from time to time, by means of notices posted in the sections concerned, and no work shall be done, within the port premises outside the working hours

so notified, except with the permission in writing of the Traffic Manager.

84. Night and holiday work.—Applications for work at night or on Sundays or holidays shall be made to the Traffic Manager, who on production of the necessary permission from the Customs Department shall make necessary arrangements for the proper conduct thereof. Work on such days and at night shall be subject to the payment of special charges specified for the purpose.

Explanation.—Holidays for the purpose of this rule shall be those notified by the Conservator from time to time.

85. Entry into the port.—The entrance gates and wicket gates of the port shall be kept open during the hours specified therefore by the port authorities and ingress and egress by these gates at any other time shall be only to persons holding special passes issued for this purpose by the Officers authorised by the Conservator.

86. Sites set apart for dock labourers and boatmen to obtain food.—Certain sites shall, from time to time, be set apart as occasion may require, by order of the Traffic Manager at his discretion to enable boatmen or Dock Labourers to obtain their food and all persons bringing such food shall be restricted to these sites and pathways leading thereto, and therefrom, which shall be indicated by notice-boards.

87. Licensed carpenters to be allowed in the sheds for opening and repairing cases.—The Traffic Manager shall grant licences to persons qualified to work as carpenters in the port for opening and repairing cases at the instance of the owners thereof, and no person other than those licensed as such shall be allowed to carry into the port any tools or other instruments used for such purposes.

88. Issue of licences to hawkers.—No person shall hawk or sell goods within the port or on board any vessel within the port without a licence from the Traffic Manager. For this purpose, the Traffic Manager may issue licences to persons which shall be renewable yearly; provided that such persons shall obtain the prior approval in writing of the Collector of Customs and that such licence shall not entitle the holders to go on board any vessel in the port without the permission of the master, owner or agent of such vessel.

89. Removal of trucks and hand-barrows out of port.—Trucks and hand-barrows loaded with goods and not taken out of the port immediately shall be liable to removal by the Traffic Manager at the risk and expense of the owner of the goods and trucks and hand-barrows belonging to merchants and others and left lying at the port shall be liable to removal and confiscation by the Traffic Manager.

90. Destruction of or damage to any of the port property.—Any person who cuts, defaces, or damages any mooring, rope chain, life-buoy, life line or life saving appliance or any buoy, buoy-rope or cable belonging to any anchor within the port channel or entrance or in the port shall, without pre-judice to any penalty to which he may be liable under any other law, be liable to pay the amount of the damage, repair and recovery.

91. Obstruction etc. to officers.—No person shall molest, assault, resist, hinder, obstruct, impede, or interrupt, or offer or attempt to molest, assault, hinder, obstruct, impede, or interrupt any employee of the port in the performance of his functions, or disobey his lawful orders, or use abusive or offensive language or aid or incite others to do any of these things.

92. Offer of fees or gratuity.—No fee, gratuity or reward shall be offered to any officer or servant of the port, who is forbidden on pain of disciplinary action to receive any such fee, gratuity or reward.

93. Signals.—(1) All necessary signals may be made by vessels by using the International Code of signals and they shall be acknowledged by the answering pendant being hoisted at the signal station masthead.

(2) Communications by the Morse and Semaphore codes may be made to the Port Signal Station, using flag 'Z' during the day and flashing 'Z' at short intervals at night to call up station.

94. Bad weather arrangements.—During the prevalence of adverse or threatening weather, the Master of every vessel in the port is required to attend to the following directions, namely:—

(a) He should not be absent from his vessel between sunset and sunrise.

(b) He should keep his vessel ready in all respects to proceed to sea at short notice and if this is not possible for him, he must communicate the fact at once to the Deputy Conservator.

(c) On the hoisting of the danger signal, he should take all measures for the safety of his vessel, as no further instructions will be furnished by the port authorities.

95. All vessels arriving in the port shall, during their stay and while departing from the port shall comply with the provisions of the Indian Port Health Rules 1955.

[F. No. PGL-12/74]

V. R. MEHTA, Director

नई दिल्ली, 29 मई, 1976

सांकांनि० 874.—केन्द्रीय सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 8 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा, श्री एम० एम० लॉरेन्स, न्यासी, को कोचीन पत्तन न्यासी बोर्ड में हटाती है।

[फा० सं० पो टी बी 11/76]

एस० के० कोमल, निदेशक

New Delhi, the 29th May, 1976

G.S.R. 874.—In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 8 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby removes Shri M. M. Lawrence, a Trustee, from the Board of Trustees of the Port of Cochin.

[F. No. PTB-11/76]

S. K. COMAL, Director

गुडिपत्र

नई दिल्ली, 11 मई, 1976

सांकांनि० 875.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (1) तारीख 13 मार्च, 1976 से पृष्ठ 725 से 730 पर भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिमूर्चना सं० सांकांनि० 390 ता० 25 फरवरी, 1976 के साथ प्रकाशित मोरमुगाओ बन्दरगाह यान नियम के प्रारूप में,—

(क) नियम 4 के उपनियम (2) में अंतिम पैरा के स्थान पर, "प्राधिकृत अधिकारी, बन्दरगाह यान के स्वामी को, नियम 30 में विनिर्दिष्ट फीस का संशोधन करने पर प्रारूप 1 में विनिर्दिष्ट प्रारूप में अनुज्ञप्ति देगा," पढ़े,

(ख) नियम 9 के उपनियम (1) में "या ऐसे यान की बाबत प्रदत्त अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट विनिर्दिष्टियों में से किसी पर प्रभाव डालने के लिये ऐसे यान में कोई हेर फेर किया जाता है "शब्दों के स्थान पर," या ऐसे यान में कोई हेर फेर किया जाता है जिस में प्रदत्त अनुज्ञप्ति

में विनिर्दिष्ट विशिष्टियों में से किसी पर प्रभाव पड़ता है" शब्द पढ़ें।

2. पृष्ठ 728 पर,

(क) नियम 25 की अंतिम पंक्ति में, "उपहार" के स्थान पर "उपहार का दान" पढ़ें।

3. पृष्ठ 729 पर,

प्राप्त 1 में, "मोरमुगाओ बंदरगाह यात नियम, 1975 के स्थान पर, मोरमुगाओ बंदरगाह यात नियम, 1976" पढ़ें।

[सं० पी०जी० एल-28/75]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 11th May, 1976

G.S.R. 875.—In the draft Mormugao Harbour Craft Rules, 1976, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing), No. GSR. 390, dated the 25th February, 1976, at pages 731 to 735 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 13th March, 1975,—

(1) at page 732,—

(a) in sub-rule (2) of rule 4, for the last para, read "The authorised officer shall grant to the owner of the harbour craft a licence in the form specified in form 1 on payment of fees specified in rule 30";

(b) in sub-rule (1) of rule 9, for "to effect", read "to affect";

(2) at page 733,—

(a) in rule 25, in the penultimate line for "present", read "present or gift";

(3) at page 734,—

(a) In sub-rule (3) of rule 31, for "sub-rule (2)", read "sub-rule (1)";

(b) in Form 1, for "Mormugao Harbour Craft Rules, 1975", read "Mormugao Harbour Craft Rules, 1976".—

[No. PGL-28/75]

नई दिल्ली, 17 मई, 1976

सां०का०नि० 876.—महापत्तन न्यास (बोर्ड अधिवेशन प्रक्रिया) संशोधन महा पत्तन न्यास, अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 122 की उपधारा (2) द्वारा यथा अपेक्षित, भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संख्या सां०का०नि० 1147 तारीख 26 अक्टूबर, 1974 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i) तारीख 26 अक्टूबर, 1974 में पृष्ठ 2705-2706 पर प्रकाशन किया गया था, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के साठ दिन की अवधि की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनको उससे प्रभावित होने की संभावना थी :

और उक्त राजपत्र को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था और जनता से कोई भी आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्तन न्यास (बोर्ड अधिवेशन प्रक्रिया) नियम, 1964 में संशोधन

करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम महा पत्तन न्यास (बोर्ड अधिवेशन प्रक्रिया) संशोधन नियम, 1974 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. महा पत्तन न्यास (बोर्ड अधिवेशन प्रक्रिया) नियम, 1964 के नियम 4, नियम 6 और नियम 8 में, "अध्यक्ष" शब्द के स्थान पर, "अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष, यदि नियुक्त किया गया हो", शब्द रखे जायेंगे।

[सं० पी०जी०एल-36/76]

वी० द्वारकावास, सचिव

New Delhi, the 17th May 1976

G.S.R. 876.—Whereas the draft of the Major Port Trusts (Procedure at Board Meetings) Amendment Rules, 1974 was published as required by sub-section (2) of section 122 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) at pages 2705-2706 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (i) dated the 26th October, 1974, under the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. GSR 1147, dated the 26th October, 1974, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of sixty days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public.

And whereas no objections and suggestions have been received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules to amend the Major Port Trusts (Procedure at Board Meetings) Rules, 1964, namely :—

1. (1) These rules may be called the Major Port Trusts (Procedure at Board Meetings) Amendment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. In rule 4, rule 6 and rule 8 of the Major Port Trusts (Procedure at Board Meetings) Rules, 1964, for the word "Chairman" the words, "Chairman or, in his absence, the Deputy Chairman, if appointed", shall be substituted.

[No. PGL-36/76]

V. DWARAKAVAS, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 मई, 1976

पत्तन

सां०का०नि० 877.—केन्द्रीय सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28 के साथ पठित धारा 126 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित प्रथम विनियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना—(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम मुम्बई पत्तन न्यास कर्मचारी (आवरण) विनियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

(3) इन विनियमों द्वारा या उनके अधीन अन्यथा उपबन्धित के विना, ये नियम उन सभी व्यक्तियों को लागू होंगे जिन्हें मुख्य पत्न न्याय के कार्यक्षेत्र के संबंध में नियुक्त किया गया हो।

परन्तु औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14), विनियम 9, विनियम 10 का उपविनियम (2), विनियम (11) विनियम 12 का उपविनियम (2), विनियम 13, विनियम 15 का उपविनियम (1), (2) और (3) और विनियम 16, 17 और 18 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, विनियम 4 के उपविनियम (5) के खण्ड (ii) की कोई भी बात किसी ऐसे कर्मचारी को लागू नहीं होगी जो 650 से प्रति मास से अधिक वेतन ले रहा हो और वर्ष 3 या वर्ष 4 का पद धारण कर रहा हो।

परन्तु यह और कि पूर्वगामी परन्तुक की कोई भी बात ऐसे कर्मचारी को लागू नहीं होगी जो ऐसा पद धारण कर रहा हो जिसका संबंध मुख्यतः प्रशासनिक, प्रबन्ध सम्बन्धी, पर्यवेक्षकीय सुरक्षा या वरुपाण कार्यों से हो।

2 परिभाषाएँ—इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) "बोर्ड" "अध्यक्ष", "उपाध्यक्ष" और "विभागाध्यक्ष" के बनी श्रृंखला में जो महापत्न न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 18) में है।
- (ख) "वर्ग I, वर्ग II, वर्ग III और वर्ग IV पदा" के बनी श्रृंखला में जो उक्त श्रमण मुख्य पत्न न्याय कर्मचारी (वर्गीकरण नियंत्रण और अधीन) विनियम, 1976 में दिये गए हैं।
- (ग) "कर्मचारी" में बोर्ड का कर्मचारी अभिप्रेत है,
- (घ) "सरकार" में केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है,
- (ङ) किसी कर्मचारी के संबंध में, "कुटुम्ब" के सदस्यों के अन्तर्गत निम्नलिखित सम्मिलित हैं—

- (i) ऐसे कर्मचारी की पत्नी, सन्तान या मौलिक सन्तान, चाहे वे उसके साथ रहते हो या न हो और ऐसे कर्मचारी के संबंध में जो स्त्री हो उसका पति या उसके साथ रहता हो और उस पर आश्रित हो,
- (ii) ऐसा अन्य व्यक्ति, जो रक्त या विवाह द्वारा, उसे कर्मचारी या ऐसे कर्मचारी की पत्नी या पति से संबंधित हो और पूर्णतः ऐसे कर्मचारी पर आश्रित हो, किन्तु इसमें ऐसी पत्नी या ऐसा पति या कर्मचारी में वैधरूप में पृथक् हो गई हो या हो गया हो या ऐसी सन्तान या मौलिक सन्तान जो अब किसी भी प्रकार उस पर आश्रित नहीं है, या जिसको आश्रितता में रखने से, किसी विधि द्वारा कर्मचारी को अश्रित कर दिया गया हो सम्मिलित नहीं है।

- (ख) "विहित प्राधिकारी" में वह नियुक्त प्राधिकारी अभिप्रेत है जो मुख्य पत्न न्याय कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अधीन) विनियम, 1976 में विहित किया गया है।

3 साधारण—(1) प्रत्येक कर्मचारी सदैव पूर्ण रूप से विषमसमय और सेवागत रहेगा।

(2) ऐसा कोई भी कर्मचारी जो वर्ष 1 पद धारण कर रहा हो, अध्यक्ष की पूर्वसूचना के बिना, अपने पुत्र, पुत्री या किसी अन्य आश्रित व्यक्ति का, किसी ऐसे पद या कम्पनी में, जिसके साथ उसे कर्मचारी की हैसियत में उसके संबंधित हो या ऐसे अन्य पद में, जिसका कोई भी साथ संबंधित हो, कोई नियोजन स्वीकार करने की अनुज्ञा नहीं देगा।

परन्तु जहां ऐसे कर्मचारी के पुत्र, पुत्री या अन्य आश्रित द्वारा ऐसे नियोजन की स्वीकृति के लिये अध्यक्ष की पूर्वसूचना की प्रतीक्षा नहीं की जा सकती हो या अन्यथा वह प्रति आवश्यक समझा जाये, वहां कर्मचारी द्वारा मामले की रिपोर्ट अध्यक्ष का की जायेगी और अध्यक्ष की अनुज्ञा प्राप्त करने की बात पर, नियोजन का अनन्तिम रूप में स्वीकार किया जा सकेगा।

(3) प्रत्येक कर्मचारी, किसी ऐसी पद या कम्पनी में, जिसमें उसकी सन्तान या आश्रित नियोजित हो, एक से अधिक वेतन या उसका संरक्षण करने से संबंधित किसी मामले में संघर्षावरण करने से दूर रहेगा।

(4) कोई भी कर्मचारी ऐसे नीतिनाम में बोली नहीं लगायेगा जिसकी व्यवस्था बोर्ड द्वारा या उसका और से की गई हो।

(5) किसी कर्मचारी द्वारा धर्म-परिवर्तन संबंधी क्रियाकलाप में भाग लेना या ऐसे क्रियाकलाप में अपनी पद और प्रभाव का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में प्रयोग करना अपातजनक होगा।

(6) प्रत्येक कर्मचारी से यह आशा की जायेगी कि वह अपने प्राइवेट जीवन में युक्तियुक्त और अच्छा आचरण मानक बनाये रखे तथा अपने कर्तव्य से अपने नियोजन को बदनाम न करे। ऐसे मामलों में, जहां किसी कर्मचारी की वास्तव रिपोर्ट की गई है कि उसने ऐसा कार्य किया है जो बोर्ड के कर्मचारी के लिये अपमानजनक है, उदाहरणार्थ अपनी पत्नी और कुटुम्ब की अपेक्षा को है, वहां उस कारण उसके विरुद्ध कार्यवाही की जा सकेगी।

(7) ऐसा कर्मचारी जिसे किसी विधि-न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध किया गया हो या गिरफ्तार किया गया हो, परन्तु अपने विभागीय वरिष्ठों को अपनी दोषसिद्धि या गिरफ्तारी के तथ्य की वास्तव लिखित रूप में रिपोर्ट करेगा, ऐसा करने में असफल रहने पर, वह अनुशासनिक कार्यवाही के लिये दायी होगा।

4 राजनीति और निर्वाचन से भाग लेना—(1) कोई भी कर्मचारी किसी राजनैतिक दल का या किसी संगठन का, जो राजनीति में भाग लेता हो, सदस्य के रूप में या उसमें अन्यथा सह्युक्त नहीं होगा और न ही वह राजनैतिक आन्दोलन या क्रियाकलाप में भाग लेगा, न उसकी सहायता चन्दा देगा और न किसी अन्य प्रकार से सहायता करेगा।

(2) प्रत्येक कर्मचारी या यह कल्पित होगा कि वह अपने कुटुम्ब के किसी सदस्य का, किसी ऐसे आन्दोलन या क्रियाकलाप में, जो विधि द्वारा यथास्थायित सरकार के लिये प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ध्वंसकारी है या ध्वंसकारी बन जाता है, भाग लेने या उसकी सहायताार्थ चन्दा देने या किसी अन्य प्रकार से सहायता करने से रोकने के लिये प्रयास करे और जहां कर्मचारी अपने कुटुम्ब के किसी सदस्य का ऐसे आन्दोलन या क्रियाकलाप में भाग लेने या उसकी सहायताार्थ चन्दा देने या किसी अन्य प्रकार से सहायता करने से राजने में असमर्थ हो, वहां वह अपने अव्यवहित वरिष्ठ अधिकारी का इस आशय की रिपोर्ट करेगा और वह उसे उस प्राधिकारी के पास भेज देगा जो ऐसे कर्मचारी को सेवा से हटाने या पदच्युत करने में सक्षम हो।

स्पष्टीकरण—इस उप विनियम में "सरकार" के अन्तर्गत राज्य सरकार भी सम्मिलित है।

(3) यदि ऐसा प्रश्न उत्पन्न है कि कोई आन्दोलन या क्रियाकलाप इस विनियम के विस्तार क्षेत्र के अन्तर्गत है तो इस अध्यक्ष का निर्दिष्ट किया जायेगा और वह उसको विनिश्चित करेगा।

(4) कोई भी कर्मचारी किसी विधानमण्डल का स्थानीय प्राधिकारी के निर्वाचन में पक्ष-प्रचार या अन्यथा हस्तक्षेप या उससे संबंध में अपने प्रभाव का प्रयोग नहीं करेगा या उससे भाग नहीं लेगा।

परन्तु—

- (i) ऐसे निर्वाचन में मतदान करने के लिये अहित कर्मचारी, मतदान करने के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकेगा, किन्तु जहाँ वह ऐसा करे, वहाँ वह उस रीति के बारे में जिसमें वह मतदान करने के लिये प्रस्थापना करता हो या जिसमें उसने मतदान किया हो, कोई संकेत नहीं देगा;
- (ii) किसी कर्मचारी की बाबत, केवल इस कारण कि उसने तत्समय प्रचलित किसी विधि द्वारा या उसके अधीन उस पर अधिरोपित कर्तव्य के सम्यक् पालन करने हुए, किसी निर्वाचन का संचालन करने में सहायता की है यह नहीं समझा जायेगा कि उसने हम विनियम के उपबन्धों का उल्लंघन किया है।

स्पष्टीकरण:—किसी कर्मचारी द्वारा अपने शरीर, यात्रा या निवास स्थान पर कोई निर्वाचन प्रतीक प्रदर्शित करना या निर्वाचन के लिये किसी अभ्यर्थी को प्रस्तावित या अनुमोदित करना, इस उपविनियम के अर्थ के अन्तर्गत निर्वाचन के संबंध में अपने प्रभाव के प्रयोग करने की कोटि में आयेगा।

(5) कोई भी कर्मचारी—

- (i) कोई ऐसा प्रदर्शन नहीं करेगा या उसमें भाग नहीं लेगा जो भारत की प्रभुता और अखण्डता, राज्य की सुरक्षा, किन्हीं राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों, लोक व्यवस्था, शिष्टता या नैतिकता के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है या जिसमें न्यायालय अवमान, मानहानि या किसी अपराध का उद्घोष अन्तर्बलित है; या
- (ii) अपनी सेवा या किसी अन्य कर्मचारी की सेवा से संबंधित किसी विषय के बारे में कोई हड़ताल नहीं करेगा या किसी भी प्रकार से उसके लिये दुष्प्रेरित नहीं करेगा।

(6) कोई भी कर्मचारी किसी ऐसे संगम में सम्मिलित नहीं होगा या उसका मदस्य नहीं बना रहेगा जिसके उद्देश्य या क्रियाकलाप भारत की प्रभुता और अखण्डता या लोक व्यवस्था या नैतिकता के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।

5. प्रेस या रेडियों से संबंधित:—(1) कोई भी कर्मचारी, अध्यक्ष की पूर्वतन मंजूरी के बिना, कोई समाचारपत्र या सामयिक प्रकाशन का पूर्णतः या भागनः स्वामी नहीं रहेगा, या उसके सम्पादन या प्रबन्ध का संचालन नहीं करेगा या उसमें भाग नहीं लेगा।

(2) कोई कर्मचारी, अध्यक्ष या उगकी और से इस निमित्त सशक्त किसी प्राधिकारी की पूर्वतन मंजूरी के बिना, या अपने कर्तव्यों के सद्भावपूर्ण निर्वहन में, किसी रेडियो या दूरदर्शन प्रसारण में भाग नहीं लेगा या किसी समाचारपत्र या सामयिक की या तो अनाम में या अपने नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में कोई लेख नहीं देगा या पत्र नहीं लिखेगा।

परन्तु ऐसी मंजूरी के अपेक्षा उम वशा में नहीं होगी जब कि ऐसा प्रसारण या लेख विशुद्ध रूप से साहित्यिक, कलात्मक या वैज्ञानिक प्रकृति का हो।

6. बोर्ड सरकार की आलोचना:—कोई भी कर्मचारी, किसी रेडियो या दूरदर्शन प्रसारण में या तो अनाम में अपने नाम से या किसी अन्य व्यक्ति के नाम से प्रकाशित किसी दस्तावेज में या प्रेस की किसी संसूचना में या किसी सार्वजनिक अभिव्यक्ति में तथ्य सम्बन्धी कोई ऐसा वक्तव्य या ऐसी राय नहीं देगा जिसमें—

- (i) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार बोर्ड या किसी अन्य महापत्तन न्यास की वर्तमान या हाल की नीति या कार्यवाही की प्रतिकूल आलोचना होती हो;

परन्तु विनियम 1 के उप-विनियम (3) के परन्तुक में विनिर्दिष्ट किसी कर्मचारी की दशा में, इस विनियम में अन्तर्निहित कोई भी बात, ऐसे कर्मचारियों के व्यवसाय सभ के पक्षधारी के रूप में ऐसे कर्मचारियों की सेवा शर्तों को सुरक्षित करने या उसमें कोई सुधार करने के प्रयोजन के लिये उसके द्वारा अभिव्यक्त किये गये सद्भावपूर्ण दृष्टिकोण को लागू नहीं होगी।

- (ii) बोर्ड, केन्द्रीय सरकार, किसी राज्य सरकार या किसी अन्य महापत्तन न्यास के आपस के सम्बन्धों में कोई उत्पन्न पैदा होती हो; या

- (iii) केन्द्रीय सरकार और किसी विदेशी राज्य की सरकार के आपस के संबंधों में उत्पन्न पैदा होती हो:

परन्तु इस विनियम की कोई भी बात, किसी कर्मचारी द्वारा, पदीय हैसियत में या समनुदिष्ट कर्तव्यों के सम्यक् पालन में, किये गये कथनों या अभिव्यक्त किये गये दृष्टिकोण को लागू नहीं होगी।

7. समिति या किसी प्राधिकारी के समक्ष साक्ष्य:—(1) उप विनियम (3) में अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, कोई भी कर्मचारी, अध्यक्ष की पूर्वतन मंजूरी के बिना, किसी व्यक्ति, समिति या प्राधिकारी द्वारा की गई किसी जांच के संबंध में साक्ष्य नहीं देगा।

(2) जहाँ उप-विनियम (1) के अधीन कोई मंजूरी प्रदान की गई हो, वहाँ साक्ष्य देने वाला कोई भी कर्मचारी, बोर्ड या किसी अन्य महापत्तन न्यास या केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार की नीति या कार्यवाही की आलोचना नहीं करेगा।

(3) इस नियम की कोई भी बात निम्नलिखित को लागू नहीं होगी—

(क) केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार द्वारा या संसद द्वारा या किसी राज्य विधान मण्डल द्वारा या बोर्ड या किसी अन्य महापत्तन न्यास द्वारा, नियुक्त किये गये किसी प्राधिकारी के समक्ष किसी जांच में दिये गये साक्ष्य; या

(ख) किसी न्यायिक जांच में दिये गये साक्ष्य; या

(ग) सरकार के अधीनस्थ प्राधिकारियों द्वारा या बोर्ड द्वारा या किसी अन्य महापत्तन न्यास द्वारा या अध्यक्ष या उपाध्यक्ष या किसी विभागाध्यक्ष द्वारा आदिष्ट किसी विभागीय जांच में दिया गया साक्ष्य।

8. जानकारी की प्राधिकृत संसूचना:—कोई भी कर्मचारी, बोर्ड के साधारण या विशेष आदेश के अनुसरण या समनुदिष्ट कर्तव्यों के सद्भावपूर्वक पालन में के सिवाय, कोई शासकीय दस्तावेज या जानकारी किसी ऐसे व्यक्ति को, जिसे ऐसी दस्तावेज या जानकारी संसूचित करने के लिये वह प्राधिकृत नहीं है, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः संसूचित नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण:—यदि कोई कर्मचारी अपने अभ्यावेदन, अपील आदि में बोर्ड या किसी अन्य महापत्तन न्यास या सरकार की परिपत्रों और अनुदेशों का जिसमें वे भी सम्मिलित हैं जिन्हें गुप्त चिह्नित किया गया है और जिनमें फाइलों के टिप्पण और उनसे संबंधित अन्य जानकारी भी है जिनके बारे में उनसे सामान्यतया ऐसी प्रत्याशा की जाती है कि वे उन्हें रोके रखें, उद्घरण देना है या उनकी तकल देना है, तो इस कार्य का अर्थान्वयन न केवल अनुचित कार्य के रूप में किया जायेगा किन्तु यह भी किया जायेगा कि उसमें इस विनियम का उल्लंघन अन्तर्बलित है।

9. चन्दे:—कोई भी कर्मचारी, अध्यक्ष की पूर्वतन मंजूरी के बिना, किसी भी प्रकार के उद्देश्य के लिये न तो चन्दा मागेगा और न स्वीकार करेगा और न कोई निधि एकत्रित करने में स्वयं को अन्यथा सहयुक्त हो करेगा।

स्पष्टीकरण :—(1) किसी पूर्ण या हितकारी निधि को चन्दे का मंदाय करने मात्र से इस विनियम का भंग नहीं होगा।

(2) भूतपूर्व सैनिकों और वाणिज्य नौसेना कर्मिकों के फायदे के लिये 'मण्डा दिवस' चन्दों के संग्रहण के लिये किसी कर्मचारी का स्वच्छिन्न भाग लेना, इस विनियम के अधीन कोई विनिर्दिष्ट मंजूरी के बिना, अनुज्ञेय है।

(3) किसी कर्मचारी द्वारा, कर्मचारियों के सेवा मंश के मदस्य के नामे संघ के अन्य सदस्यों से चन्दे का संग्रहण—

(i) उस दशा में आपत्तिजनक नहीं होगा और उसके लिये पूर्व मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी जब कि—

(क) आगमों का उपयोग मंश के कल्याणकारी क्रियाकलापों के लिये किये जाने की प्रस्थापना की जा रही हो, या

(ख) जहां ऐसा विषय विवादग्रस्त है जिसके कारण संघ के सदस्यों के साधारण हितों पर पड़ा हो, वहां संघ के नियमों के अधीन ऐसे विषयों के संबंध में उसकी निधियों में से खर्च करना अनुज्ञेय है।

(ii) उस दशा में आपत्तिजनक होगा जब कि आगमों का उपयोग मंश के किसी ऐसे सदस्य की प्रशिक्षा के लिये किये जाने की प्रस्थापना हो जिसके विरुद्ध ऐसे आधारे पर जिनका उससे विशेष रूप से संबंध है, विभागीय कार्यवाही की जा रही हो।

(4) अध्यक्ष की पूर्वतन मंजूरी के बिना, संघ के लिये निधियां संग्रहीत करने के लिये जनता के पास पहुंचना।

10. उपहार :—(1) इन विनियमों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, कोई कर्मचारी, अध्यक्ष की पूर्वतन मंजूरी के बिना, किसी व्यक्ति से कुछ मूल्य से अधिक के उपहार स्वीकार नहीं करेगा और न अपनी पत्नी या कुटुम्ब के किसी सदस्य को उसे स्वीकार करने की अनुज्ञा देगा :

परन्तु मामले की सभी परिस्थितियों में, युक्तियुक्त मूल्य के उपहारों को संबंधियों और व्यक्तिगत मित्रों से या विवाह, वर्षगांठों, वाह संस्कारों और धार्मिक कृत्यों के अवसरों पर ऐसे व्यक्तियों को प्रस्तुत किये गये उपहारों को स्वीकार किया जायेगा यदि ऐसे उपहारों का करना या लेना विद्यमान धार्मिक या सामाजिक कृत्यों के अनुरूप हो; किन्तु कुछ मूल्य से भिन्न ऐसे उपहारों के स्वीकार किये जाने की बाबत रिपोर्ट अध्यक्ष को की जानी चाहिये और उपहारों का व्यवहन ऐसी रीति में किया जायेगा जैसा अध्यक्ष निदेश दे।

स्पष्टीकरण :—(1) इस उप-विनियम के प्रयोजन के लिये शिष्टाचार, या किसी सामाजिक भवन के प्रारम्भ या औपचारिक समारोह के अवसर पर किसी कर्मचारी को दिये गये करणी, या अन्य समान वस्तु को उपहार समझा जायेगा।

(2) यदि ऐसा प्रश्न उत्पन्न होता है कि कोई उपहार कुछ मूल्य का है या नहीं या किसी कर्मचारी को यह सन्देह हो कि उसे दिए गए उपहार कुछ मूल्य का है या नहीं, तो इस निमित्त निर्देश ऐसे कर्मचारी द्वारा अध्यक्ष को किया जाएगा और वह उसका विनिश्चय करेगा।

(2) यह बात कि उपहार को कुछ मूल्य का समझा जाना चाहिए या नहीं, इस बात पर निर्भर करेगा कि शाना कौन है और वे परिस्थितियां क्या हैं जिनमें उपहार दिया गया है। किसी ऐसे व्यक्ति से जो उसका सम्बन्धी या व्यक्तिगत मित्र नहीं है किसी कर्मचारी के सामिक परिवन्धियों के 1/20 मूल्य या बीस रुपये (जो भी कम हो) से अधिक उपहार को सामान्यतः कुछ मूल्य के उपहार के रूप में नहीं माना जाएगा।

सम्बन्धियों और व्यक्तिगत मित्रों से कर्मचारी की सामिक परिवन्धियों के 1/8 तक के मूल्य के या पचास रुपये तक के, जो भी कम हो, या ऐसी परिवन्धियों के आधे मूल्य तक या जो भी कम हो, के उपहारों को, उप-विनियम (1) के परन्तुक में उल्लिखित विशेष अवसरों पर, कुछ मूल्य के उपहारों के रूप में माना जाएगा।

(3) इस विनियम की किसी भी बात को यह नहीं समझा जाएगा कि यह किसी लोक निकाय के निवेदन पर चित्र या आवक्ष, प्रतिमा जो कि उसको प्रस्तुत किए जाने के लिए प्राणयित नहीं है, के लिए किसी कर्मचारी को बैठने से रोकती है।

स्पष्टीकरण :—विनियम 11 के परन्तुक के अधीन अनुज्ञात रूप में सेवा-निवृत्ति या स्थानान्तरण के अवसर पर ज्येष्ठ कर्मचारियों या अन्यो के सम्मान में किए जाने वाले सारतः प्राईवेट या अनौपचारिक प्रकृति के विदाई सत्कार पर और विनियम 10 के उप-विनियम (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिभाषित कुछ मूल्य के उपहारों को ऐसे अवसरों पर प्रस्तुत करने और स्वीकार करने पर कोई आपत्ति नहीं होगी।

(4) विवाह के समय, बहु के माता-पिता या अन्य सम्बन्धियों आदि से, कर्मचारी या उसके आश्रितों द्वारा या उनकी ओर से, दहेज को, जो चाहे, नकदी में हो या वस्तु के रूप में, कृत्रिम्य उपहार के रूप में माना जाएगा जिसे प्राप्तकर्ता पूर्व मंजूरी के बिना स्वीकार कर सकेगा, किन्तु विनियम 10 और 15 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, ऐसे सभी उपहारों की बाबत अध्यक्ष को या अन्य विहित प्राधिकारी को रिपोर्ट की जाएगी। यदि किसी कर्मचारी द्वारा या उसकी ओर से दहेज दिया जाता है तो विनियम 15 के उपबन्ध लागू होंगे और जहां ऐसी रिपोर्ट आवश्यक हो, वहां इस तथ्य की बाबत रिपोर्ट विहित प्राधिकारों को की जाएगी। इसी प्रकार से, जब कोई कर्मचारी आभूषण आदि जैसी जंगम सम्पत्ति का त्रय दहेज प्राप्ति के रूप में देने के लिए करता है, तो इस तथ्य की रिपोर्ट उस दशा में विहित प्राधिकारी को की जाएगी जब कि उस संव्यवहार का मूल्य एक हजार रुपये से अधिक हो।

11. कर्मचारियों के सम्मान में सामाजिक प्रदर्शन :—कोई भी कर्मचारी, अध्यक्ष की पूर्व मंजूरी के बिना, मानर्थ या अधिनन्दन पत्र नहीं प्राप्त करेगा या कोई प्रशंसा पत्र नहीं स्वीकार करेगा या उसके सम्मान में या किसी अन्य कर्मचारी के सम्मान में की गई किसी सभा या सत्कार में उपस्थित नहीं होगा या भवनों प्रादि को खुला घोषित करने या नये भवनों प्रादि के शिष्टाचारों के लिए कोई निमंत्रण पत्र स्वीकार नहीं करेगा या किन्हीं सामाजिक स्थानों या संस्थानों को अपने नाम में नहीं करने देगा :

परन्तु इस विनियम की कोई भी बात, निम्नलिखित को लागू नहीं होगी—

(i) किसी कर्मचारी या अन्य कर्मचारी की सेवा निवृत्ति या स्थानान्तरण के अवसर पर, या किसी व्यक्ति के निमित्त बोर्ड की सेवा हाल ही में त्याग की है, सम्मान में किए गए सारतः प्राईवेट या अनौपचारिक प्रकृति का विदाई सत्कार ; या

(ii) सार्वजनिक लोक निकायों या संस्थाओं द्वारा व्यवस्थित किए हुए साधारण और सस्ते सत्कारों का स्वीकार किया जाना।

12. प्राईवेट व्यापार या नियोजन :—(1) कोई भी कर्मचारी, अध्यक्ष की पूर्वतन मंजूरी के बिना, न तो किसी व्यापार या कारबार में प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः लगेगा और न कोई नियोजन ग्रहण नहीं करेगा :

परन्तु कर्मचारी, ऐसी मंजूरी के बिना, सामाजिक या खैरती प्रकृति का अवैतनिक कार्य या सार्वजनिक, कल्याणक, या वैज्ञानिक प्रकृति का आकस्मिक कार्य इस शर्त के अधीन रहते हुए, ग्रहण कर सकेगा कि उससे उसके पक्षीय कर्तव्यों में कोई बाधा न पहुंचे। किन्तु यदि अध्यक्ष द्वारा ऐसा निदेश दिया जाए तो वह उस कार्य को ग्रहण नहीं करेगा या उसे समाप्त कर देगा।

स्पष्टीकरण—किसी कर्मचारी द्वारा, अपनी पत्नी या कुटुम्ब के किसी सदस्य के स्वामित्वाधीन या प्रबन्धाधीन किसी बीमा अभिकरण, कमिशन आदि के कारबार के सम्बन्ध में पक्ष प्रचार किए जाने को इस उप-विधय का भंग समझा जाएगा।

(2) कोई भी कर्मचारी, अध्यक्ष की पूर्वतन मंजूरी के बिना, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी बैंक या अन्य कम्पनी के रजिस्ट्रीकरण, कारबार के सबद्धन या प्रबन्ध से भाग नहीं लेगा।

परन्तु कोई कर्मचारी, कोओपरेटिव सोसाइटी अधिनियम, 1912 (1912 का 2), या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन, रजिस्ट्रीकृत किसी सहकारी समिति या सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) या तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन किसी साहित्यिक, वैज्ञानिक या खेती सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण, सबद्धन या प्रबन्ध में भाग नहीं लेगा।

13 विनिधान, उधार देना और उधार लेना—(1) कोई कर्मचारी किसी विनिधान में मद्रा नहीं लगाएगा।

स्पष्टीकरण :—किसी आस्थापिक उधार-सहायक बाले मूल्य की प्रतिभूतियाँ का आस्थापिक त्रय या विषय को, इस उप-विनियम के अर्थ के अन्तर्गत विनिधानों के लिए मद्रा समझा जाएगा।

(2) कोई भी कर्मचारी, न तो स्वयं ऐसा विनिधान करेगा या अपनी पत्नी या अपने कुटुम्ब के किसी व्यक्ति को ऐसा विनिधान करने की अनुज्ञा देगा जिससे उसके कर्तव्यों के निर्वहन में कोई उल्लंघन पड़ने या अवर पड़ने की सम्भावना हो।

(3) यदि ऐसा प्रश्न उठता है कि कोई प्रतिभूति या विनिधान उप-विनियम (1) या उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट प्रकृति का है, तो उसे अध्यक्ष को निर्दिष्ट किया जाएगा जो उसका विनिश्चय करेगा।

(4) अध्यक्ष के प्राधिकार की स्थानीय सीमाओं के भीतर, कोई भी कर्मचारी अध्यक्ष की पूर्वतन मंजूरी के बिना किसी व्यक्ति को, जो भूमि या मूल्यवान् सम्पत्ति धारण कर रहा हो, धन उधार नहीं देगा या उस को धन ध्याज पर नहीं देगा।

परन्तु कोई कर्मचारी किसी प्राईवेट सेवक को, उस वंश में भी अग्रिम वेतन दे सकेगा या व्यक्तिगत मित्र या सम्बन्धी को व्याज के बिना, छोटी राशि उधार दे सकेगा जब कि ऐसे व्यक्ति के कब्जे में उसके प्राधिकार की स्थानीय सीमाओं के भीतर भूमि हो।

(5) कोई भी कर्मचारी किसी बैंक या अग्रिमप्राप्त फर्म के साथ कारबार के सामूची अनुक्रम में, उसके प्राधिकार की स्थानीय सीमाओं के भीतर, किसी व्यक्ति से या ऐसे अन्य व्यक्ति से जिसके साथ उसके संस्व-ह्वार होने की सम्भावना है, धन उधार नहीं लेगा या अन्यथा स्वयं किसी धनीय बाध्यता से ग्रस्त नहीं होगा और न वह, अध्यक्ष की पूर्वतन मंजूरी के बिना अपने कुटुम्ब के किसी सदस्य को ऐसे संस्व-ह्वार करने के लिए अनुज्ञा देगा।

परन्तु कोई कर्मचारी पूर्णतया अस्थायी रूप में छोटी राशि उधार बिना व्याज के किसी व्यक्तिगत मित्र या सम्बन्धी से स्वीकार कर सकेगा या किसी सहायक व्यापारी के साथ उधार खाता चला सकेगा।

(6) जब किसी कर्मचारी को ऐसे पद पर नियुक्त किया जाता है या स्थानान्तरित किया जाता है जिसकी प्रकृति ऐसी है जिसके कारण वह उप-विनियम (4) या उप-विनियम (5) के उपबन्धों से किसी को भग करता है, तो वह तुरन्त अध्यक्ष को उन परिस्थितियों की बाबत रिपोर्ट करेगा और तत्पश्चात् ऐसे आदेशों के अनुसरण में कार्य करेगा जैसे अध्यक्ष द्वारा पारित किए जाएं।

14. दिवाना और आस्थापिक श्रृणता—(1) कर्मचारी अपने निजी कार्यकलापों को इस प्रकार व्यवस्थित करेगा कि वह आस्थापिक श्रृणता

या दिवाने में बाध सके। ऐसा कर्मचारी जिसके विरुद्ध दिवाना न्याय निर्णय करने के लिए विधिक कार्यवाहियाँ सम्पन्न की गई हो, उन पर तथ्यों की रिपोर्ट तुरन्त अध्यक्ष को करेगा।

(2) जब किसी कर्मचारी के विरुद्ध कोई कुर्की या आरोप प्रवृत्त किया जाता है, तो अध्यक्ष—

(i) यह अवधारित करेगा कि कर्मचारी की विनीय स्थिति ऐसी ही गई है जिसके कारण उस पर विन्यास नाम किया जाना चाहिए और यदि ऐसा हो, तो वह

(ii) उसके विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही करने के प्रश्न पर विचार करेगा।

15 जगम, स्थावर और मूल्यवान् सम्पत्ति—(1) कोई भी कर्मचारी, पूर्वतन आज्ञा के बिना, पट्टे, बन्धक, त्रय, विक्रय, दान द्वारा या अन्यथा, या तो स्वयं अपने नाम में या अपने कुटुम्ब के किसी सदस्य के नाम में, किसी स्थावर सम्पत्ति का अर्जन या व्ययन नहीं करेगा।

परन्तु ऐसे संस्व-ह्वार की बाबत जो किसी नियमित या अग्रिमप्राप्त व्यवहारी के माध्यम से अन्यथा किया गया हो, विहित प्राधिकारी की पूर्वतन मंजूरी अपेक्षित होगी।

स्पष्टीकरण—यह अपेक्षित नहीं है कि कोई कर्मचारी जगम और स्थावर सम्पत्ति की बाबत विहित प्राधिकारी की पूर्वतन मंजूरी के बिना, संस्व-ह्वार करना प्रारम्भ करे और तत्पश्चात् भूतलक्षी प्रभाव से मंजूरी मागे। ऐसी प्रक्रिया से इन विनियमों के उपबन्धों के पूर्णतया प्रभावहीन हो जायेंगे और उस प्रयोजन को निष्फल कर देंगे जिसके लिए यह विनियम बनाए गए हैं। अतः यह आवश्यक है कि इन विनियमों के उपबन्धों का सख्ती से पालन किया जाए और कर्मचारी, जब कभी आवश्यक हो, संस्व-ह्वार करने से पूर्व, विहित प्राधिकारी की मंजूरी प्राप्त करेंगे।

(2) ऐसी कर्मचारी जो त्रय, विक्रय द्वारा या अन्यथा एक हजार रुपये से अधिक के मूल्य की किसी जगम सम्पत्ति के सम्बन्ध में संस्व-ह्वार करता है, ऐसे संस्व-ह्वार की रिपोर्ट तुरन्त अध्यक्ष को करेगा।

परन्तु कोई भी कर्मचारी, किसी नियमित या अग्रिमप्राप्त व्यवहारी या अधिकर्ता के साथ या माध्यम से संस्व-ह्वार करने के सिवाय या अध्यक्ष की पूर्वतन मंजूरी के बिना ऐसा संस्व-ह्वार नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण :—इस उप-विनियम के प्रयोजन के लिए “जगम सम्पत्ति” पद में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित सम्पत्ति भी सम्मिलित है, अर्थात्—

- (क) आसूबग, बीमा पॉलिसी, शेयर, प्रतिभूतियाँ और डिबेंचर;
- (ख) ऐसे कर्मचारी द्वारा अग्रिम दिए गए उधार, चाहे वे प्रतिभूति हो या नहीं;
- (ग) मोटरकार, मोटरसाईकल, मोडे या सबारी के अन्य साधन; और
- (घ) रेफ्रिजरेटर, रेडियो, रेडियोग्रम और टेलीफोन सेट।

(3) बोर्ड की सेवा में प्रवेश करते समय और तत्पश्चात् बारह मास के अन्तरालों पर प्रत्येक वर्ष 1 और वर्ष 2 कर्मचारी इन विनियमों के उपबन्ध ‘क’ में ऐसी सम्पत्ति स्थावर सम्पत्ति की जो उसके स्वामित्व में है, उसने अर्जित की है या उसने पट्टे या बन्धक पर या तो स्वयं अपने नाम में या अपने कुटुम्ब के किसी सदस्य के नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में विरासत में ली है या धारित की है, बाबत विवरण प्रस्तुत करेगा।

(4) अध्यक्ष, साधारण या विशेष आदेश द्वारा, किसी भी समय किसी कर्मचारी से उस आदेश में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, उसके द्वारा

भारित या अजित या उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य द्वारा धारित या अजित ऐसी स्थावर या जंगम सम्पत्ति की बाबत पूरे और संपूर्ण विवरण प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा यदि अध्यक्ष द्वारा ऐसी अपेक्षा की जाए, तो ऐसे विवरण में ऐसे साधन भी सम्मिलित होंगे जिनके द्वारा या उन श्रोन का जिससे ऐसी सम्पत्ति अजित की गई, न्यौरे भी सम्मिलित होगा।

स्पष्टीकरण :—(1) गृह निर्माण को आधार सम्पत्ति का अजित कहा जाएगा और इससे इस विनियम के उपबन्ध आकर्षित होते हैं। गृह निर्माण के लिए अपेक्षित जंगम सम्पत्ति का क्रय भी इस विनियम को आकर्षित करता है।

(2) हिन्दू अधिभक्त संयुक्त कुटुम्ब के सदस्यों के रूप में संव्यवहारों के लिए अध्यक्ष की पूर्ण अनुज्ञा की अपेक्षा नहीं होगी। ऐसे मामलों में, स्थावर सम्पत्ति सम्बन्धी संव्यवहार वाषिक सम्पत्ति विवरणों में सम्मिलित होंगे और जंगम सम्पत्ति सम्बन्धी संव्यवहार की बाबत रिपोर्ट, संव्यवहार के पूरे होने के ठीक पश्चात् या उनके बारे में कर्मचारी को ज्ञान होने के ठीक पश्चात् विहित प्राधिकारी को की जाएगी।

यदि कर्मचारी ऐसी सम्पत्ति से अपने श्रंग की बाबत बताने में असमर्थ हो तो वह संपूर्ण सम्पत्ति और उन सभी सदस्यों के नामों जो उसकी श्रंगधारी हैं, की बाबत न्यौरे दे सकेगा।

16. कर्मचारियों के कार्यों और चरित्र की दोषमुक्ति :—कोई भी सदस्य अध्यक्ष की पूर्वतन मंजूरी के बिना, किसी ऐसे पदीय कार्य की दोषमुक्ति के लिए, जो प्रतिकूल आलोचना या किसी मानहानि की प्रकृति के आरोप की विषय-वस्तु रहा हो, किसी न्यायालय या प्रेस का आश्रय नहीं लेगा।

स्पष्टीकरण :—इस विनियम की कोई भी बात, किसी कर्मचारी को स्वयं अपने चरित्र या व्यक्तिगत हैमियन में किए गए किसी कार्य की दोषमुक्ति करने से प्रतिषेध करने वाली नहीं समझी जाएगी।

17. गैर-सरकारी व्यक्ति द्वारा पक्ष-प्रचार या अन्य बाहरी प्रभाव :—कोई भी कर्मचारी, बोर्ड के अधीन अपनी सेवा से संबंधित विषयों की बाबत अपने हितों को अग्रसर करने के लिए किसी वरिष्ठ प्राधिकारी पर कोई राजनीतिक या अन्य प्रभाव नहीं डालेगा या डालने का प्रयास नहीं करेगा।

18. विवाहों की बाबत निर्बन्धन :—(1) कोई भी कर्मचारी, इन विनियमों के प्रारम्भ के पश्चात् :—

(क) किसी ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह नहीं करेगा, या

(ख) अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए, किसी व्यक्ति से विवाह नहीं करेगा :

परन्तु अध्यक्ष, इन विनियमों के उपबन्ध 'ख' में विनिर्दिष्ट प्रश्न में किए गए किसी आवेदन पर इस विनियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगा जब कि उसका यह सनाधान हो जाता है कि, —

(क) ऐसे विवाह ऐसे कर्मचारी या विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है, और

(ख) ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं।

(2) प्रत्येक व्यक्ति, जो इन विनियमों के प्रारम्भ के पश्चात् बोर्ड की सेवा में प्रवेश करता है, इस प्रकार प्रवेश करने से पूर्व इन विनियमों के उपबन्ध 'ग' में दी गई घोषणा करेगा।

19. सदिरा-पान :—कोई भी कर्मचारी किसी क्षेत्र में तत्समय प्रवृत्त मादक पदों और श्रौश्रियों से सम्बन्धित किसी विधि के उपबन्धों के अधीन रहते हुए —

(क) कर्तव्य पालन के दौरान, ऐसे पदों या श्रौश्रियों के प्रभाव में इस सीमा तक नहीं रहेगा जिससे वह अपने कर्तव्य का निर्वाहन भलीभांति और दक्षतापूर्ण करने में असमर्थ हो जाए ;

(ख) मादकता की वशा में किसी सार्वजनिक स्थान में उपस्थित नहीं होगा ;

(ग) ऐसे पदों या श्रौश्रियों का आध्यात्मिक रूप में अधिक प्रयोग नहीं करेगा।

20. निर्बन्धन :—यदि इन विनियमों के निर्बन्धन के सम्बन्ध में कोई प्रश्न उठता है तो उसे अध्यक्ष को निर्देश किया जाएगा जो उसका निनिश्चय करेगा।

उपाबन्ध 'क'

विनियम 15(3) देखिये

..... वर्ष के लिए प्रथम नियुक्ति पर स्थावर सम्पत्ति का विवरण

1. कर्मचारी का नाम (पूरा)
2. धारित वर्तमान पद
3. वर्तमान वेतन

जिला, सम्पत्ति का नाम उप-खण्ड, और स्थीरा ताल्लुक	वर्तमान मूल्य*	यदि अपने नाम में न हो, पट्टे, क्रय, यह बतलाएँ बन्धक, विरासत, भाय और ग्राम गृह भूमि का नाम और जिस में सम्पत्ति अन्य स्थित] भवन हो	कैसे अजित की नाम में न हो, पट्टे, क्रय, दान द्वारा या अन्यथा तथा अग्रज की चारी @ से तारीख और उम का सम्बन्ध उन व्यक्तियों के नाम और न्यौरे जिनसे अजित की
--	-------------------	--	--

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

टिप्पण :— मुम्बई पनन न्याम कर्मचारी (आचरण) विनियम, 1976 के विनियम 15 के उप-विनियम (3) के अधीन प्रत्येक अधिकारी से सेवा में प्रथम नियुक्ति पर तथा तत्पश्चात् प्रत्येक बारह मास के अन्तराल पर घोषणा प्ररूप भरे और प्रस्तुत किए जाने की अपेक्षा की जाती है जिसमें समस्त स्थावर सम्पत्ति की विनिर्दिष्टियां होंगी जो उसके स्वाभित्व में है या उसने अजित की हों या उसे विरासत में मिली हो या जो उसने या तो स्वयं अपने नाम में या अपने कुटुम्ब के किसी सदस्य के नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में पट्टे या बन्धक पर धारित की हों।

हस्ताक्षर

तारीख

*उन मामलों में जहां ठीक-ठीक मूल्य निर्धारित करना सम्भव न हो, वर्तमान परिस्थितियों के सम्बन्ध में लगभग मूल्य उपरिस्थित किया जाए।

@ जो खंड लागू न हो उसे काट दें।

† इसमें अल्पकालिक पट्टा भी सम्मिलित है।

उपाबन्ध 'ख'

(विनियम 18(1) और उपाबन्ध 'ग' देखिये)

विनियम 18 के अधीन आवश्यक अनुज्ञा के लिए आवेदन

सेवा में,

.....

महोदय,

मैं निवेदन करता हूँ कि नीचे दिए गए कारणों को ध्यान में रखते हुए मुझे मुम्बई पत्तन न्यास कर्मचारी (आचरण) विनियम, 1976 के विनियम 18 के प्रवर्तन से छूट दी जाए।

कारण

(यहाँ कारण दें)

भवदीय,

तारीख

हस्ताक्षर.....

उपाबन्ध 'ग'

(विनियम 18(2) देखिये)

घोषणा

1. मैं, श्री/श्रीमति/कुमारी..... निम्न रूप में घोषित करता हूँ/करती हूँ कि :

- * (i) मैं अविवाहित/विधुर/विधवा हूँ ;
- * (ii) मैं विवाहित हूँ और मेरी केवल एक पत्नी जीवित है ;
- * (iii) मैं विवाहित हूँ और मेरी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हैं। मुम्बई पत्तन न्यास कर्मचारी (आचरण) विनियम, 1976 के उपाबन्ध 'ख' में विनिर्दिष्ट प्ररूप में छूट देने के लिए मंजूरी के लिए आवेदन संलग्न है।
- * (iv) मैं अविवाहित हूँ और मेरे पति/मेरी पत्नी के जीवन काल के दौरान मैंने दूसरा विवाह किया है। मुम्बई पत्तन न्यास कर्मचारी (आचरण) विनियम, 1976 के उपाबन्ध 'ख' में विनिर्दिष्ट प्ररूप में छूट देने के लिए आवेदन संलग्न है।
- * (v) मैं विवाहित हूँ और मेरी सर्वोत्तम ज्ञान में मेरे पति की कोई भी अन्य जीवित पत्नी नहीं है।
- * (vi) मैंने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पहचान से ही एक या अधिक पत्नियाँ जीवित हैं। मुम्बई पत्तन न्यास कर्मचारी (आचरण) विनियम, 1976 के उपाबन्ध 'ख' में विनिर्दिष्ट प्ररूप में छूट देने के लिए आवेदन संलग्न है।

@2. मैं निष्ठापूर्वक प्रतिज्ञान करता हूँ कि उपरोक्त घोषणा सही है और मैं समझता हूँ कि मेरे आवेदन के पश्चात् घोषणा के गलत पाए जाने की दशा में मुझे सेवा से परच्युत किया जा सकेगा।

तारीख

हस्ताक्षर.....

*जो खंड लागू न हों उन्हें निकाल दें।

@केवल खंड (i), (ii) और (iii) की दशा में लागू होगा।

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

New Delhi, the 28th May, 1976

PORTS

G.S.R. 877.—In exercise of the powers conferred by section 126 read with section 28, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby makes the following first regulations, namely :—

1. Short title, commencement and application.—(1) These regulations may be called the Bombay Port Trust Employees (Conduct) Regulations, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) Except as otherwise provided by or under these regulations, they shall apply to all persons appointed to posts in connection with the affairs of the Bombay Port Trust :

Provided that nothing in clause (ii) of sub-regulation (5) of regulation 4 subject to the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), regulation 9, sub-regulation (2) of regulation 10, regulation 11, sub-regulation (2) of regulation 12, regulation 13, sub-regulations (1), (2) and (3) of regulation 15, regulations 16, 17 and 18 shall apply to an employee drawing a pay not exceeding Rs. 650 per mensem and holding a class III or class IV post :

Provided further that nothing in the foregoing proviso shall apply to any employee holding an office which is mainly concerned with administrative, managerial, supervisory, security or welfare functions.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Board", "Chairman", "Deputy Chairman" and "Head of Department", shall have the same meanings as in the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) ;
- (b) "Class I, Class II, Class III and Class IV posts" shall have the same meanings as assigned to them respectively in the Bombay Port Trust Employees (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1976.
- (c) "employees" means an employee of the Board;
- (d) "Government" means the Central Government;
- (e) "members of the family" in relation to an employee includes—
 - (i) the wife, child or step-child of such employee whether residing with him or not, and in relation to an employee who is a woman, the husband residing with her and dependent on her; and
 - (ii) any other person related, whether by blood or by marriage, to the employee or to such employee's wife or husband and wholly dependent on such employee but does not include a wife or husband legally separated from the employee, or child or step-child who is no longer, in any way, dependent upon him or her or of whose custody the employee has been deprived by law;
- (f) "prescribed authority" means the appointing authority as prescribed in the Bombay Port Trust Employees (Classification, Control and Appeal) Regulation, 1976.

3. General.—(1) Every employee shall at all times, maintain absolute integrity and devotion to duty.

(2) No employee holding a Class I post shall, except with the previous sanction of the Chairman, permit his son, daughter or any other dependant to accept any employment with any firm or company with which he has dealings in his capacity as such employee or with any other firm having dealings with the Board:

Provided that where the acceptance of such employment by the son, daughter or other dependant of such employee cannot await the prior permission of the Chairman or is otherwise considered urgent, the matter shall be reported by the employee to the Chairman and the employment may be accepted provisionally subject to the permission of the Chairman.

(3) Every employee shall desist from dealing with a case relating to award of a contract or exercise of patronage in favour of a firm or company in which his child or dependant is employed.

(4) No employee shall bid at auctions arranged by or on behalf of the Board.

(5) Participation by an employee in proselytising activities or the direct or indirect use of his position and influence in such activities shall be objectionable.

(6) Every employee shall be expected to maintain a reasonable and decent standard of conduct in his private life and not bring discredit to his employer by his misdemeanour. In cases where an employee is reported to have conducted himself in a manner unbecoming on an employee of the Board as, for instance by neglect of his wife and family, action may be taken against him on that score.

(7) An employee who is convicted by a court of law or arrested shall report the fact of his conviction or arrest to his departmental superiors promptly in writing. Failure to do this may render him liable to disciplinary action.

4. Taking part in politics and election.—(1) No employee shall be a member or be otherwise associated with, any political party or any organisation which takes part in politics nor shall he take part in, subscribe in aid of, or assist in any other manner, any political movement or activity.

(2) It shall be the duty of every employee to endeavour to prevent any member of his family from taking part in, subscribing in aid of, or assisting in any other manner, any movement or activity which is, or tends directly or indirectly to be subversive of the Government as by law established and where the employee is unable to prevent a member of his family from taking part in or subscribing in aid of or assisting in any manner any such movement or activity, he shall make a report to that effect to his immediate superior officer who shall forward the same to the authority competent to remove or dismiss such employee from the service.

Explanation : In this sub-regulation, "Government" includes a State Government.

(3) If any question arises whether any movement or activity falls within the scope of this regulation, it shall be referred to the Chairman who shall decide the same.

(4) No employee shall canvass or otherwise interfere or use his influence in connection with, or take part in, an election to any legislature or local authority :

Provided that—

(i) an employee qualified to vote at such election may exercise his right to vote, but where he does so, he shall give no indication of the manner in which he proposes to vote or has voted ;

(ii) an employee shall not be deemed to have contravened the provisions of this regulation by reason only that he assists in the conduct of an election in the due performance of a duty imposed on him by or under any law for the time being in force.

Explanation : The display by an employee on his person, vehicle or residence of any electoral symbol or proposing or seconding a candidate for election shall amount to the using of his influence in connection with an election within the meaning of this sub-regulation.

(5) No employee shall—

(i) engage himself or participate in any demonstration which is prejudicial to the interests of the sovereignty and integrity of India, the security of the State, friendly relations with foreign States, Public order, decency or morality, or which involves contempt of court, defamation or incitement to an offence ; or

(ii) resort to or in any way abet any form of strike in connection with any matter pertaining to his service or the service of any other employee.

(6) No employee shall join, or continue to be a member of an association the objects or activities of which are prejudicial to the interests of the sovereignty and integrity of India or public order or morality.

5. Connection with press or radio.—(1) No employee shall except with the previous sanction of the Chairman, own wholly or in part or conduct or participate in the editing or managing of, any newspaper or other periodical publication.

(2) No employee shall, except with the previous sanction of the Chairman, or any other authority empowered by him in this behalf, or in the bona fide discharge of his duties, participate in a radio or Television broadcast or contribute any article or write any letter either anonymously or in his own name or in the name of any other person to any newspaper or periodical :

Provided that no such sanction shall be required if such broadcast or such contribution is of a purely literary, artistic or scientific character.

6. Criticism of Board/Government.—No employee shall, in any radio or Television broadcast or in any document, published anonymously or in his own name or in the name of any other person or in any communication to the press or in any other public utterance, make any statement of fact or opinion—

(i) which has the effect of an adverse criticism of any current or a recent policy or action of the Central Government, State Government, the Board or any other Major Port Trust :

Provided that in the case of any employee specified in the proviso to sub-regulation (3) of regulation 1, nothing contained in this regulation shall apply to bona fide expression of views by him as an office bearer of a trade union of such employees for the purpose of safeguarding the service conditions of such employees or for securing any improvement therein ; or

(ii) which is capable of embarrassing the relations between the Board, the Central Government, the Government of any State or any other Major Port Trust ; or

(iii) which is capable of embarrassing the relations between the Central Government and the Government of any foreign State :

Provided that nothing in this regulation shall apply to any statements made or views expressed by an employee in his official capacity or the due performance of the duties assigned to him.

7. Evidence before committee or any other authority.—

(1) Save as provided in sub-regulation (3), no employee shall, except with the previous sanction of the Chairman, give evidence in connection with any inquiry conducted by any person, committee or authority.

(2) Where any sanction has been accorded under sub-regulation (1), no employee giving such evidence shall criticise the policy or any action of the Board or of any other Major Port Trust or of the Central Government or of a State Government.

(3) Nothing in this regulation shall apply to—

(a) evidence given at an inquiry before an authority appointed by the Central or a State Government, by Parliament or by a State legislature or by the Board or by any other Major Port Trust ; or

(b) evidence given in any judicial inquiry ; or

(c) evidence given in any departmental inquiry ordered by authorities subordinate to the Government or by the Board, or by any other Major Port Trust or by the Chairman or Deputy Chairman or Head of a Department.

8. Unauthorised communication of information.—No employee shall, except in accordance with any general or special order of the Board or in the performance in good faith of the duties assigned to him, communicate directly or indirectly, any official document or information to any person to whom he is not authorised to communicate such documents or information.

Explanation: If an employee quotes or copies in his representation, appeal, etc., circulars and instructions of the Board or any other Major Port Trust, or Government including those marked secret, notes and other information from files which they are ordinarily not expected to have been or to have retained, the action shall be construed as not only improper but also as involving contravention of this regulation.

9. Subscriptions.—No employee shall, except with the previous sanction of the Chairman, ask for or accept contributions to, or otherwise associate himself with the raising of, any fund in pursuance of any object whatsoever.

Explanations: (1) Mere payment of subscription to a charitable or benevolent fund does not by itself violate this regulation.

- (2) Voluntary association of an employee with the collection of Flag Day contributions for the benefit of Ex-servicemen and Merchant Navy personnel is permissible without any specific sanction under this regulation.
- (3) Collection of subscriptions by an employee qua member of a service union of employees from amongst other members of the union shall be—
 - (i) un-objectable and shall not require prior sanction if—
 - (a) the proceeds are proposed to be utilised for welfare activities of the union or
 - (b) where a matter affected the general interests of the members of the union is in dispute, it is permissible under the rules of the union to spend its funds over such matters;
 - (ii) objectionable if the proceeds are proposed to be utilised for the defence of an individual member of the union against whom departmental action is being taken on grounds which concerned him in particular.
- (4) Approach to the public for collecting funds for the union without the previous sanction of the Chairman shall be objectionable.

10. Gift.—(1) Save as otherwise provided in these regulations, no employee shall, except with the previous sanction of the Chairman, accept or permit his wife or any other member of his family to accept from any person any gift or more than trifling value:

Provided that the gifts of a value, reasonable in all circumstances of the case, may be accepted from relations and personal friends or presented to such persons on occasions such as wedding, anniversaries, funerals and religious functions when the making or receiving of such gifts is in conformity with the prevailing religious or social customs but acceptance of such gifts other than those of a trifling value should be reported to the Chairman and the gifts shall be disposed of in such manner as the Chairman may direct.

Explanations: (1) For the purpose of this subregulation any trowel, key or other similar article offered to an employee at the laying of the foundation stone or the opening of a public building or any ceremonial function shall be deemed to be a gift.

- (2) If a question arises whether any gift is of a trifling value or not, or where an employee is in any doubt whether a gift offered to him is of a trifling value or not, a reference in this behalf shall be made to the Chairman by such employee who shall decide the same.

(2) Whether or not a gift should be treated of a trifling value shall depend on who the donor is and the circumstances in which the gift is made. A gift exceeding in value 1/20th of the monthly emoluments of an employee or Rs. 20 (whichever is less) from a person who is not his relation or personal friend shall ordinarily be regarded as a gift not of trifling value. Gifts from relatives and personal friends up to the value 1/8th of the monthly emoluments of the employee or Rs. 50 whichever is less, or even up to the value of one-half of such emoluments or Rs. 200 whichever is less, on special occasions such as mentioned in the proviso to sub-regulation (1) may be regarded as of trifling value.

(3) Nothing in this regulation shall be deemed to prevent any employee from sitting, at the request of any public body for a portrait, bust or statue, not intended for presentation to him.

Explanation:—There is no objection to a farewell entertainment of a substantially private and informal character being held in honour of senior employees and others on the occasion of their retirement or transfer, as permitted under proviso to regulation 11 and gifts of trifling value as defined in the Explanation to sub-regulation (2) of regulation 10 presented and accepted on such occasions.

(4) Dowry, either in cash or in kind, by or on behalf of an employee or his dependants from the parents or other relatives, etc., of the bride at the time of the marriage, shall be regarded as a customary gift which the recipient may accept without prior sanction but subject to the provisions of regulations 10 and 15, all such gifts shall be reported to the Chairman or other prescribed authority. If a dowry is given by or on behalf of an employee, the provisions of regulation 15 shall apply and the fact shall be reported by him to the prescribed authority where such a report is necessary. Similarly, when an employee makes purchases of moveable property like jewellery, etc., for presentation by way of dowry, etc., the fact shall be reported to the prescribed authority if the value of the transaction exceeds Rs. 1,000.

11. Public demonstrations, etc., in honour of employees.—No employee shall, except with the previous sanction of the Chairman, receive any complimentary or valedictory address or accept any testimonial or attend any meeting or entertainment held in his honour, or in the honour of any other employee or accept any invitation to declare buildings, etc., open or to lay the foundation stones of new buildings etc., or allow public places or institutions to be named after him:

Provided that nothing in this regulation shall apply to—

- (i) a farewell entertainment of a substantially private and informal character held in honour of the employee or any other employee on the occasion of his retirement or transfer or any person who has recently quitted service under the Board; or
- (ii) the acceptance of simple and inexpensive entertainments arranged by public bodies or institutions.

12. Private trade or employment.—(1) No employee shall, except with the previous sanction of the Chairman, engage, directly or indirectly, in any trade or business or undertake any employment:

Provided that an employee may, without such sanction, undertake honorary work of social or charitable nature or occasional work of a literary, artistic or scientific character, subject to the condition that his official duties do not thereby suffer; but he shall not undertake or shall discontinue such work, if so directed by the Chairman.

Explanation:—Canvassing by an employee in support of the business of insurance agency, commission, etc., owned or managed by his wife or any other member of his family shall be deemed to be a breach of this sub-regulation.

(2) No employee shall, except with the previous sanction of the Chairman, take part in the registration, promotion or management of any bank or other company registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), or any other law for the time being in force:

tration, promotion or management of a co-operative society registered under the Co-operative Societies Act, 1912 (2 of 1912), or any other law for the time being in force, or of a literary, scientific or charitable society under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860), or any corresponding law in force

13 Investments, lending and borrowing—(1) No employee shall speculate in any investment

Explanation:—The habitual purchase or sale of securities of a notoriously fluctuating value shall be deemed to be speculation in investments within the meaning of this sub-regulation

(2) No employee shall make, or permit his wife or any member of his family to make, any investment likely to embarrass or influence him in the discharge of his duties

(3) If any question arises whether a security or investment is of the nature referred to in sub-regulation (1) or sub-regulation (2), it shall be referred to the Chairman who shall decide the same

(4) No employee shall, except with the previous sanction of the Chairman, lend money to any person possessing land or valuable property, within the local limits of his authority or at interest to any person :

Provided that an employee may make an advance of pay to a private servant, or give a loan of small amount, free of interest, to a personal friend or relative, even if such person possesses land within the local limits of his authority.

(5) No employee shall in the ordinary course of business with a bank or firm of standing borrow money from, or otherwise place himself under pecuniary obligation to, any person within the local limits of his authority or any other person with whom he is likely to have dealings; nor shall he permit any member of his family, except with the previous sanction of the Chairman, to enter into any such transaction :

Provided that an employee may accept a purely temporary loan of small amount, free of interest, from a personal friend or relative or operate a credit account with a *bona fide* tradesman.

(6) When an employee is appointed or transferred to a post of such a nature as to involve him in the breach of any of the provisions of sub-regulation (4) or sub-regulation (5), he shall forthwith report the circumstances to the Chairman and shall thereafter act in accordance with such orders as may be passed by the Chairman.

14. Insolvency and habitual indebtedness—(1) An employee shall so manage his private affairs as to avoid habitual indebtedness or insolvency. An employee who becomes a subject of a legal proceeding for insolvency shall forthwith report full facts to the Chairman

(2) When an attachment order is to be enforced against an employee, the Chairman may—

(i) determine whether the employee's financial position has reached a stage at which confidence in him must be diminished and, if so,

(ii) consider the question of taking disciplinary action against him

15 Movable, immovable and valuable property.—(1) No employee shall, except with the previous knowledge of the Chairman, acquire or dispose of any immovable property by lease, mortgage, purchase, sale gift or otherwise, either in his own name or in the name of any member of his family

Provided that any such transaction conducted otherwise than through a regular or reputed dealer shall require the previous sanction of the prescribed authority

Explanation : It is not contemplated that an employee may enter into transactions regarding movable and immovable property without the previous sanction of the prescribed authority and afterwards seek *ex post facto* sanction. Such a

procedure would render the provisions of these regulations completely ineffective and defeat the purpose for which these regulations have been framed. It is, therefore, essential that the provisions of these regulations shall be strictly adhered to and the employees shall obtain the sanction of the prescribed authority wherever necessary, before entering into a transaction

(2) An employee who enters into any transaction concerning any movable property, exceeding Rs 1000 in value by way of purchase, sale, or otherwise shall forthwith report such transaction to the Chairman :

Provided that no employee shall enter into such transaction except with or through a regular or reputed dealer or agent or with the previous sanction of the Chairman

Explanation For the purpose of this sub-regulation, the expression "movable property" includes *inter alia* the following property, namely—

(a) jewellery, insurance policies, shares, securities and debentures,

(b) loans advanced by such employee, whether secured or not;

(c) motor cars, motor cycles, horses or any other means of conveyance, and

(d) refrigerators, radios, radiograms and television sets.

(3) Every Class I and Class II employee shall, on his admission in the service of the Board and thereafter at the intervals of every 12 months, submit a return as in Annexure 'A' to these regulations of all immovable property owned, acquired or inherited by him or held by him on lease or mortgage, either in his own name or in the name of any member of his family or in the name of any other person.

(4) The Chairman may, at any time, by general or special order, require an employee to submit, within a period specified in the order, a full and complete statement of such movable or immovable property held or acquired by him or by any member of his family as may be specified in the order. Such statement shall, if so required by the Chairman, include details of the means by which or the source from which, such property was acquired

Explanations : (1) The construction of a house results in acquisition of immovable property and attracts the provisions of this regulation. The purchase of movable property required for the construction of the house also attracts this regulation

(2) Transactions as members of a Hindu undivided joint family shall not require the Chairman's prior permission. In such cases, transactions in immovable property shall be included in the annual property returns and those in movable property shall be reported to the prescribed authority immediately after completion of the transaction or immediately after the employee comes to know of them

If the employee is unable to give an idea of his share of such property, he give details of the full property and the names of the members who share it.

16 Vindication of acts and character of employees—No employee shall, except with the previous sanction of the Chairman, have recourse to any Court or the press for the vindication of any official act which has been a subject matter of adverse criticism or an attack of defamatory character.

Explanation Nothing in this regulation shall be deemed to prohibit an employee from vindicating his private character or any act done by him in his private capacity.

17 Canvassing of non-official or other outside influence—No employee shall bring or attempt to bring any political or

other influence to bear upon any superior authority to further his interests in respect of matters pertaining to his service under the Board.

18. Restriction regarding marriages.—(1) No employee shall, after the commencement of these regulations,—

- (a) enter into, or contract, a marriage with a person, having a spouse living; or
- (b) having a spouse living enter into, or contract, a marriage with any person :

Provided that the Chairman may, on an application made in the Form specified in Annexure 'B' to these regulations, exempt an employee from the operation of this regulation if he is satisfied that—

- (a) such marriage is permissible under the personal law applicable to such employee and the other party to the marriage ; and
- (b) there are other grounds for so doing.

(2) Every person who enters the Board's service after the commencement of these regulations shall make, before such entry, a declaration as set out in Annexure 'C' to these regulations.

19. Drinking.—Subject to the provisions of any law relating to intoxicating drinks or drugs for the time being in force in any area, no employee shall—

- (a) while on duty, be under the influence of such drinks or drugs to such an extent as to render him incapable of discharging his duty properly and efficiently ; or
- (b) appear in a public place in a state of intoxication ; or
- (c) habitually use such drinks or drugs to excess.

20. Interpretation.—If any question arises relating to the interpretation of these regulations, it shall be referred to the Chairman who shall decide the same.

ANNEXURE 'A'

[See regulation 15(3)]

Statement of Immovable Property on first appointment for the year.....

1. Name of employee (in full).....
2. Present post held.....
3. Present Pay.....

Name of District, Sub-division, Taluka and Village in which property is situated	Name and detail of property		Present value*	If not in own name, state in whose name held and his/her relationship to the employee@	How acquired whether by purchase, lease† mortgage, inheritance, gift or otherwise with date of acquisition and name with details of the persons from whom acquired	Annual Income from the property
	House and other buildings	Land				
1	2	3	4	5	6	7

NOTE :—The declaration form is required to be filled and submitted by every officer under sub-regulation (3) of regulation 15 of the Bombay Port Trust Employees (Conduct) Regulations, 1976, on first appointment to the service and thereafter at the interval of every twelve months, giving particulars of all immovable property owned, acquired or inherited by him or held by him on lease or mortgage, either in his own name or in the name of any member of his family or in the name of any other person.

Signature

Date

*In cases where it is not possible to assess the value accurately, the approximate value in relation to present conditions may be indicated.

@Inapplicable clause to be struck out.

†Includes short-term lease also.

ANNEXURE 'B'

[See regulation 18(1) and Annexure 'C']

Application for necessary permission under Regulation 18

To

Sir,

I request that in view of the reasons stated below, I may be granted exemption from the operation of regulation 18 of the Bombay Port Trust Employees (Conduct) Regulations, 1976.

REASONS

(Here enter the reasons)

Yours faithfully,

(Signature)_____

Dated : _____

ANNEXURE 'C'

[See regulation 18(2)]

DECLARATION

1. I, Shri/Smt./Kumari_____ declare as under :

- * (i) that I am unmarried/widower/widow ;

* (ii) that I am married and have only one wife living ;

* (iii) that I am married and have more than one wife living. Application in the Form specified in Annexure 'B' to the Bombay Port Trust Employees (conduct) Regulations, 1976, for grant of exemption is enclosed ;

* (iv) that I am married and that during the life time of my spouse, I have contracted another marriage. Application in the Form specified in Annexure 'B' to the Bombay Port Trust Employees (conduct) Regulations, 1976, for grant of exemption is enclosed ;

* (v) that I am married and my husband has no other living wife to the best of my knowledge ;

* (vi) that I have contracted a marriage with a person who has already one wife or more living. Application in the Form specified in Annexure 'B' to the Bombay Port Trust Employees (Conduct) Regulations, 1976, for grant of exemption is enclosed.

@2. I solemnly affirm that the above declaration is true and I understand that in the event of the declaration being found to be incorrect after my application, I shall be liable to be dismissed from service.

Dated_____

Signature_____

*Please delete clauses not applicable.

@Applicable in the case of clauses (i), (ii) and (iii) only.

सं० क्र० वि० 878.--राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक में अन्तर्विष्ट शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा मंगलौर और तूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1965 को, जहाँ तक उसका सम्बन्ध निम्नलिखित नियमों में सम्मिलित पदों से है, अधिकृत करते हुए, नव मंगलौर पत्तन, नौवहन और परिवहन मंत्रालय, में सहायक इंजीनियरों के समूह 'ख' पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:--

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.--(1) इन नियमों का नाम नव मंगलौर पत्तन (सहायक इंजीनियर) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होता.--ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.--उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति आयु-सीमा और अर्हताएं आदि:--उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. किसी भी रक्षा सेवा में या भारत रक्षा से संबंधित पदों पर कार्य करने का वायित्व.--उक्त पदों में से किसी पर नियुक्त कोई भी व्यक्ति यदि उससे ऐसी अपेक्षा की जाए, किसी भी रक्षा सेवा में या भारत रक्षा से संबंधित पदों पर, चार वर्ष से अत्यून अवधि के लिए, जिसमें प्रशिक्षण पर व्यतीत की गई अवधियां भी, यदि कोई हों, सम्मिलित हैं, कार्य करने के लिए बाध्य होगा।

परन्तु ऐसे व्यक्ति से,--

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के पश्चात् पूर्वोक्त रूप में कार्य करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी;

(ख) 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् पूर्वोक्त रूप में कार्य करने की सामान्यतः अपेक्षा नहीं की जाएगी।

6. निरर्हताएं:--वह व्यक्ति--

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

7. शिथिल करने की शक्ति:--जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

8. व्यावृत्ति:--इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आदेशों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अयन पद अथवा अध्ययन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं।
1	2	3	4	5	6	7
1. सहायक इंजीनियर (मि-विल), नव मंगलौर पत्तन।	14	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' (राजपत्रित) अतिरिक्त वर्गीय।	650-30-740-35- 810-४००-35- 880-40-1000- ६०००-40-1200 रु०।	चयन	30 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय)	आवश्यक: (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से सिविल इंजीनियरी में उपाधि या सम-तुल्य। (ii) सिविल इंजीनियरी संकर्मों के डिजाइन, सन्निर्माण और अनुरक्षण का 2 वर्ष का अनुभव। (अर्हताएं अन्यथा सुअहित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है)। वांछनीय:-- बन्दरगाह इंजीनियरी का अनुभव।

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रो-भतों की दशा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सोखे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रति-शत।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियों जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा/की जाएगी/किया जाएगा।	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
--	------------------------------	---	--	---	---

8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं शैक्षिक अर्हताएं : हां, स्तर 11 में यथा उपयुक्त	2 वर्ष	60 प्रतिशत पर (प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण (जिसमें अल्प-कालिक संविदा भी सम्मिलित है) या स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रोन्नति द्वारा, और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा; 40 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा; जिसमें अल्पकालिक संविदा भी सम्मिलित है और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा। टिप्पण :—प्रतिनियुक्ति या संविदा पर स्थानान्तरण या स्थानान्तरण द्वारा नियुक्ति के लिए न्यूनतम संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसमें अल्पकालिक संविदा भी सम्मिलित है) स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों महा-पत्तन न्यासों या पब्लिक सेक्टर उपक्रमों के अधीन सप्लाय पर धारण करने वाले अधिकारी। (प्रतिनियुक्ति/संविदा की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।) प्रोन्नति : ऐसे कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) और नक्शा नवीस श्रेणी 1 (सिविल) (प्रतिनियुक्तों को छोड़ कर) जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 8 वर्ष सेवा की हो; परन्तु यह तब जब कि उनके पास सिविल इंजीनियरी में डिप्लोमा हो। नक्शा-नवीस, श्रेणी 1 (सिविल) की दशा में, विहित अनुभव में कम-से-कम एक वर्ष का क्षेत्र-अनुभव (सम्मिलित) होना चाहिए।	विभागीय प्रोन्नति समिति स्तर 10 के अधीन 1. मुख्य इंजीनियर और प्रशासक—अध्यक्ष 2. कार्यपालक इंजीनियर, जिसे मुख्य इंजीनियर और प्रशासक द्वारा नाम निर्दिष्ट किया जाएगा—सदस्य 3. वित्तीय मलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी—सदस्य 4. केन्द्रीय सरकार के अन्य विभाग का अधिकारी—सदस्य 5. सचिव—सदस्य सचिव।	उपबन्धों के साथ पठित संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से कूट) विनियम, 1958 के अधीन यथापेक्षित।

1	2	3	4	5	6	7
2. सहायक इंजीनियर (यान्त्रिक) नव मंगलौर पत्तन	6	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' राजपत्रित, प्रारम्भिक वर्गीय।	650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 द०	न्यून	30 वर्ष से अनधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय)।	आवश्यक : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से यान्त्रिक इंजीनियरी में उपाधि या समतुल्य। (ii) किसी उत्तरदायी हैसियत में किसी बड़ी यान्त्रिक या सामुद्रिक कर्मशाला में कार्य करने का 2 वर्ष का अनुभव; (अर्हताएं, अन्यथा सुप्रसिद्ध अवधारणियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिलनीय)।

8	9	10	11	12	13
आयु: नही शैक्षिक अर्हताएं: हा। स्तम्भ 11 में यथा उपस्थित	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, (जिसमें अल्पकालिक संविदा भी सम्मिलित है) और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा। टिप्पण :- प्रतिनियुक्ति/संविदा पर स्थानान्तरण द्वारा, नियुक्ति के लिए खयत संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।	प्रोन्नति :— ऐसे कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) और नक्शानवीस श्रेणी I (सिविल) (प्रतिनियुक्तों को छोड़ कर), जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 8 वर्ष सेवा की हो; परन्तु यह तब जब कि उनके पास सिविल इंजीनियरी में डिप्लोमा हो। नक्शानवीस श्रेणी I (सिविल) की दशा में, विहित अनुभव में कम से कम एक वर्ष का क्षेत्र-अनुभव (सम्मिलित) होना चाहिए। प्रतिनियुक्ति (जिसमें अल्पकालिक संविदा भी सम्मिलित है) पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों महा पत्तन न्यामों या पब्लिक सेक्टर उप-क्रमों के अधीन सृष्ट पद धारण करने वाले अधिकारी। (प्रतिनियुक्ति/संविदा की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	विभागीय प्रोन्नति समिति : स्तम्भ 10 के उपबंधों के साथ पठित, संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथापेक्षित 1. मुख्य इंजीनियर और प्रशासक—अध्यक्ष 2. कार्यपालक इंजीनियर, जिसे मुख्य इंजीनियर और प्रशासक द्वारा नाम निर्देशित किया जाएगा—सदस्य 3. वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी—सदस्य 4. केन्द्रीय सरकार के अन्य विभाग का अधिकारी—सदस्य 5. सचिव—सदस्य	स्तम्भ 10 के उपबंधों के साथ पठित, संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथापेक्षित

1	2	3	4	5	6	7
3. सहायक इंजीनियर विद्युत) नव मंगलौर पत्तन।	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख', राजपत्रित असिपिक वर्गीय।	650-30-740-35-810-40-रो०-35-880-40-1000-६०००-40-1200 ६०	चयन	30 वर्ष से अनधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय)।	आवश्यक : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से वैद्युत इंजीनियरी में उपाधि या समतुल्य। (ii) किसी बड़े वैद्युत स्थापन में कार्य करने का 2 वर्ष का अनुभव।

8	9	10	11	12	13
आयु: नहीं शैक्षिक अर्हताएं: हा। स्तम्भ 11 में यथा उपस्थित	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (जिसमें अल्पकालिक संविदा भी सम्मिलित है) और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा। टिप्पण :- प्रतिनियुक्ति/संविदा पर स्थानान्तरण द्वारा नियुक्ति के लिए खयत संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।	प्रोन्नति :— ऐसे कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) और नक्शानवीस श्रेणी I (सिविल) (प्रतिनियुक्तों को छोड़ कर), जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 8 वर्ष सेवा की हो; परन्तु यह तब जब कि उनके पास सिविल इंजीनियरी में डिप्लोमा हो। नक्शानवीस, श्रेणी I (सिविल) की दशा में, विहित अनुभव में कम से कम एक वर्ष का क्षेत्र-अनुभव (सम्मिलित) होना चाहिए। प्रतिनियुक्ति (जिसमें अल्पकालिक संविदा भी सम्मिलित है) पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों महा पत्तन न्यामों या पब्लिक सेक्टर उप-क्रमों के अधीन सृष्ट पद धारण करने वाले अधिकारी। (प्रतिनियुक्ति/संविदा की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	विभागीय प्रोन्नति समिति : स्तम्भ 10 के उपबंधों के साथ पठित, संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथापेक्षित 1. मुख्य इंजीनियर और प्रशासक—अध्यक्ष 2. कार्यपालक इंजीनियर, जिसे मुख्य इंजीनियर और प्रशासक द्वारा नाम निर्देशित किया जाएगा—सदस्य 3. वित्तीय सलाहकार मुख्य लेखा अधिकारी—सदस्य 4. केन्द्रीय सरकार के अन्य विभाग का अधिकारी—सदस्य 5. सचिव—सदस्य	स्तम्भ 10 के उपबंधों के साथ पठित, संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथापेक्षित

G.S.R. 878.—In exercise of the powers contained by the proviso to article 308 of the Constitution, and in supersession of the Mangalore and Tuticorin Harbour Projects (Class I and Class II ports) Recruitment Rules, 1965, in so far as they relate to the posts included in the following rules, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Group 'B' posts of Assistant Engineers in the Port of New Mangalore, Ministry of Shipping and Transport, namely:—

1. Short Title and commencement:—(1) These Rules may be called the Port of New Mangalore (Assistant Engineers) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application:—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

3. Number of posts, classification and scale of pay:—The number of the said posts, their classification and the scale of pay attach thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc.:—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

5. Liability to serve in any Defence Service or posts connected with the Defence of India:—Any person appointed to any of the said posts shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or posts connected with the defence of India for a period of not less than four years including the periods spent on training, if any:

Provided that such person,—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 40 years.

6. Disqualification:—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such a marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

7. Power to relax:—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

8. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservation and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection post	Age limit of direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Assistant Engineer (Civil), New Mangalore Port	14	General Central Service Group 'B' (Gazetted) Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	Selection	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants).	Essential: (i) Degree in Civil Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) 2 years' experience in Design, Construction and Maintenance of Civil Engineering Works. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified). Desirable: Experience in Harbour Engineering.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion / deputation / transfer grades from which promotion / deputation transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Age: No Educational qualifications: Yes, as indicated in column 11.	2 years	60% by transfer on deputation (including short-term contract) or transfer, failing which by promotion, and failing both by direct recruitment; 40% by promotion, failing which by transfer on deputation (including short-term contract), and failing both by direct recruitment. NOTE:—Selection for appointment by transfer on deputation or contract or transfer shall be made in consultation with the Commission.	Transfer on deputation (including short-term contract)/transfer: Officers holding analogous posts under the Central Government, State Governments, Major Port Trusts or Public Sector Undertakings. (Period of deputation/contract shall ordinarily not exceed 3 years). Promotion: Junior Engineers (Civil) and Draftsman Grade I (Civil) (excluding deputationists) with 8 years' service in the grade after appointment thereto on a regular basis, provided they possess at least a diploma in Civil Engineering. In the case of Draftsman Grade I (Civil), the prescribed experience should include at least one year's field experience.	Departmental Promotion Committee : 1. Chief Engineer and Administrator— —Chairman 2. Executive Engineer to be nominated by the Chief Engineer & Administrator— —Member 3. Financial Adviser and Chief Accounts Officer —Member 4. Officer from other Central Government Department —Member 5. Secretary —Member Secretary	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958, read with the provision under column 10.

1	2	3	4	5	6	7
2. Assistant Engineer (Mechanical), New Mangalore Port	6	General Central Service Group 'B' Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	Selection	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants)	Essential: (i) Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) 2 years' experience in a large Mechanical or Marine Workshop or Organisation in a responsible capacity. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

8	9	10	11	12	13
Age: No Educational qualifications: Yes, as indicated in col 11	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation (including short-term contract), and failing both by direct recruitment. NOTE:—Selection for appointment by transfer on deputation/contract shall be made in consultation with the Commission.	Promotion: Junior Engineers (Mechanical) and Draftsman Grade I (Mechanical) (excluding deputationists, if any) with 8 years' service in the grade after appointment thereto on a regular basis, provided they possess at least a diploma in Mechanical Engineering. In the case of draftsman Grade I (Mechanical), the prescribed experience should include at least one year's field experience. Transfer on deputation including short-term contract : Officers holding analogous posts under the Central Government, State Governments, Major Port Trusts or Public Sector Undertakings. (Period of deputation/contract shall ordinarily not exceed 3 years).	Class II Departmental Promotion Committee: 1. Chief Engineer & Administrator —Chairman 2. Executive Engineer to be nominated by the Chief Engineer & Administrator —Member 3. Financial Adviser & Chief Accounts Officer —Member 4. Officer from other Central Government Department —Member 5. Secretary —Member Secretary	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958 read with the provision under column 10.

1	2	3	4	5	6	7
3. Assistant Engineer (Electrical), New Mangalore Port	1	General Central Service Group 'B' Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	Selection	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants).	Essential: (i) Degree in Electrical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) 2 years' experience of working in a large Electrical Establishment.
8	9	10	11	12	13	
Age: No educational qualifications: Yes, as indicated in col. 11	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation (including short-term contract), and failing both by direct recruitment. NOTE:—Selection for appointment by transfer on deputation/contract shall be made in consultation with the Commission.	Promotion: Junior Engineers (Electrical) and Draftsman Grade I (Electrical) (excluding deputationists, if any) with 8 years' service in the grade after appointment thereto on a regular basis provided they possess at least a diploma in Electrical Engineering. In the case of Draftsman Grade I (Electrical), the prescribed experience should include at least one year's field experience. Transfer on deputation including short-term contract): Officers holding analogous posts under the Central Government, State Governments, Major Port Trusts or Public Sector Undertakings. (Period of deputation/contract shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'B' Departmental Promotion Committee. 1. Chief Engineer & Administrator —Chairman 2. Executive Engineer to be nominated by the Chief Engineer & Administrator —Member 3. Financial Adviser & Chief Accounts Officer —Member 4. Officer from other Central Government Department —Member 5. Secretary —Member Secretary	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation Regulations, 1958, read with the provision under column 10.	

[F. No. PEL-117/74]

नई दिल्ली, 27 मई, 1976

सा० का० नि० 879.--राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नौबहन और परिवहन मंत्रालय के अधीन नव मंगलौर पत्तन में सुरक्षा अधिकारियों के समूह "ख" पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:--

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :-- (1) इन नियमों का नाम नव मंगलौर पत्तन (सुरक्षा अधिकारी) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :--उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान ये होंगे जो इन नियमों से उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि :--उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे 11वीं जी पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी रक्षा सेवा या पद पर सेवा करने के लिए दायित्व :--उक्त पद पर नियुक्त किया गया व्यक्ति, यदि ऐसा अपेक्षित हो, कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए, जिसमें प्रशिक्षण पर व्यतीत अवधि भी, यदि कोई हो, सम्मिलित है, भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी रक्षा सेवा या पद पर सेवा करने के दायित्वाधीन होगा:

परन्तु ऐसे व्यक्ति से,

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के पश्चात् पूर्वोक्त रूप में सेवा करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी;

(ख) चालीस वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् पूर्वोक्त रूप में सेवा करने की सामान्यतः अपेक्षा नहीं की जाएगी।

5. निरर्हताएं :--वह व्यक्ति --

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति :--जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या मंगीशीय है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

7. व्यावृत्ति :--इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची						
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वर्तमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
सुरक्षा अधिकारी	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' राजाजित ।	650-30-740-35- 810-६०००-35- 880-40-1000- दर०40-1200 रु०	अचयन	45 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवा के लिए शिथिलनीय) टिप्पण: आयु सीमा अधिधारण के लिए निर्णायक तारीख, भारत में के (उनमें विश्व, जो अण्डमान और निकोबार द्वीप-समूह तथा लक्षद्वीप में है) अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्ति के लिए अन्तिम तारीख होगी।	आवश्यक (i) किसी भाव्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की उपाधि या समतुल्य। (ii) पुलिस विभाग या सरकार के अधीन किसी सुरक्षा विभाग या किसी रियासत-प्राप्त औद्योगिक उपक्रम में किसी पर्यवेक्षी हेतुयत में 10 वर्ष का अनुभव। अर्हताएं अन्यथा मुद्रित अभ्यर्थियों की वशा में सश लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है; विशेष रूप से अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की वशा में शिथिल की जा सकती है। वाछनीय : कष्ट का ज्ञान ।
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आय और शैक्षिक अर्हताएं प्राप्त की दशा में लागू होगी या नहीं	परिवीक्षा की हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोन्नति /प्रतिनियुक्ति /स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा की जाएगी/किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
आय : नहीं शैक्षिक अर्हताएं : हाँ	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति ऐसा सहायक सुरक्षा अधिकारी, जिसने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 8 वर्ष सेवा की हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय या राज्य पुलिस विभागों में या केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में सव्य पद धारण करने वाले अधिकारी। (प्रतिनियुक्ति की अधि सामान्यतः 3 वर्ष में अधिक नहीं होगी)	निम्नलिखित से मिलकर बनी समूह (ख) विभागीय प्रोन्नति समिति— 1. मुख्य इंजीनियर और प्रशासक—अध्यक्ष 2. वित्त सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी—सदस्य 3. केन्द्रीय सरकार के अन्य विभाग से अधिकारी—सदस्य 4. सचिव—सदस्य सचिव	सश लोक सेवा आयोग (परामर्श ले छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथा उपोक्त	

New Delhi, the 27th May, 1976

G.S.R. 879—In exercise of the powers conferred by the provisos to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Group 'B' post of Security Officer in the Port of New Mangalore, under the Ministry of Shipping and Transport, namely:—

1. Short title and commencement: (1) These rules may be called the Port of New Mangalore (Security Officer) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay: The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.: The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Liability to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India: Any person appointed to the said post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any:

Provided that such person,

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

5. Disqualification: No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule

6. Power to relax: Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving: Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Security Officer	1	General Central Service Group 'B' Gazetted	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	Non-Selection	Not exceeding 45 years (Relaxable for Government servants)	Essential: (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) 10 years' experience in a supervisory capacity in a Police Department or a Security Department under the Government or in an Industrial Undertaking of repute. (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified; in particular the qualification regarding experience is relaxable in the case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes).
NOTE:—The crucial date for determining the age-limit shall be the closing date for receipt of applications from the candidates in India (other than those in Union territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).					Desirable: Knowledge of Kannad.	

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation,	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Age. No Educational qualifications: Yes	2 years	By promotion, failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment.	Promotion: An Assistant Security Officer with 8 years service in the grade after appointment thereto on a regular basis. Transfer on deputation: Officers holding analogous posts in the Central or State Police Departments or in the Central Industrial Security Force. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'B' Departmental Promotion Committee consisting of:— 1. Chief Engineer Administrator —Chairman 2. Financial Adviser & Chief Accounts Officer —Member 3. Officer from other Central Government Department —Member 4. Secretary —Member Secretary	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

[F. No. PEL-94/75]

नई दिल्ली, 29 मई, 1976

सांकांति० 880 —राष्ट्रपति, सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तुफ द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, संगरीर और तृतीकोरिन बखरयाह परियोजना (वर्ग I और वर्ग II पद) भर्ती नियम, 1965 को जहाँ तक उसका सम्बन्ध चिकित्सा अधिकारी (महायक शल्य चिकित्सक की श्रेणी) से है, अधिकृत करने हुये नव तृतीकोरिन पत्तन में चिकित्सा अधिकारी (महायक शल्य चिकित्सक श्रेणी) के पद समूह 'ख' पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1 सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम नव तृतीकोरिन का पत्तन चिकित्सा अधिकारी (महायक शल्य चिकित्सक श्रेणी) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान—उक्त पदा की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इससे उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट है।

3 भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हतायें आदि—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हतायें और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट है।

4 निरहंताएँ—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुये किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5 शिथिल करने की शक्ति—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिये जो कारण है उन्हें लक्ष्यद्ध करने तथा मंच लोक सेवा आयोग में परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकती है।

6 व्यावृत्ति—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अयोजित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	नियंत्रण	वेतनमान	चयन पद अथवा अध्यापन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य-अर्हताएँ
1	2	3	4	5	6	7
चिकित्सा अधिकारी (सहायक जन्य चिकित्सक श्रेणी)	1	साधारण केन्द्रीय सेवाएँ, समूह 'ख' (राजपत्रित) अल्पिक वर्गीय	द० 650-30-740-35-810-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200	लागू नहीं होगा	30 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिये शिथिलनीय)	आवश्यक : (i) भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की प्रथम या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 लाइसेन्सिड गृह्यताओं में (मिश्र) में सम्मिलित चिकित्सीय अर्हताएँ। तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित शैक्षिक अर्हताओं को धारण करने वालों को उक्त अधिनियम की धारा 13(3) में बताई गई शर्तें पूरी करनी होंगी। (ii) अनिवार्य चक्रानुवर्ती अन्तःशिक्षणा (इंटर्नशिप) पूरी कर कर ली हो।

वांछनीय :
तमिल की जानकारी

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएँ प्रोत्तों की दशा में लागू होगी या नहीं	परिचर्या की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होंगी या प्रोत्तों द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिपात	प्रोत्त/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियाँ जिनमें प्रोत्त/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा की जायेगी/किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोत्त समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग में परामर्श किया जायेगा
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा चयन आयोग के परामर्श से किया जायेगा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों, महापत्तन न्यासों और पब्लिक सेक्टर उपक्रमों के अधीन सृष्ट पद धारण करने वाले योग्य अधिकाारी/(सामान्यतः प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	लागू नहीं होता	सीधे भर्ती और स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण के लिये स्तम्भ 10 के अधिन उपबन्धों के साथ पठित संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम 1958 के अधीन यथापेक्षित

[फ० सं० पी० ई० टी० 32/75]

New Delhi, 29th May, 1976

G.S.R. 880.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Mangalore and Tuticorin Harbour Projects (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1955, in so far as they relate to the Post of Medical Officer (of Assistant Surgeon's Grade), the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'B' post of Medical Officer (of Assistant Surgeon's Grade) in the Port of New Tuticorin, namely:—

1. Short title and commencement: (1) These Rules may be called the Port of New Tuticorin, Medical Officer (of Assistant Surgeon's Grade) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay: The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.: The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 of 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification: No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of rule.

5. Power to relax: Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving: Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Medical Officer (of Assistant Surgeon's Grade)	1	General Central Services Group 'B' (Gazetted) Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35-810-35-880-40-1000-EB-40-1200	Not applicable	Not exceeding 30 years (relaxable for Government servants).	Essential: (i) A Medical Qualification included in the first or second schedule of Part II of the third Schedule (other than Licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956). Holders of educational qualifications included in Part II of the third Schedule should fulfil the conditions stipulated in section 13(3) of the said Act. (ii) Completion of compulsory rotating intern shift. Desirable: Knowledge of Tamil.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists; what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By transfer or transfer on deputation, selection being made in consultation with the Commission, falling which by direct recruitment.	Transfer or transfer on deputation: Suitable officers holding analogous posts under the Central Government or State Government, Major Port Trusts and Public Sector Undertakings. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Not applicable	For direct recruitment and transfer or transfer on deputation as required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958 read with the provision under column 10.

[F. No. PET-32/75]

स।० का० नि० 881.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्युक्त द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, नीचहुन और परिचलन मंत्रालय के अधीन नव तृतीकोरित पत्तन में पुस्तकालय अध्यक्ष के समूह 'ग' पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम नव तृतीकोरित पत्तन (पुस्तकालय अध्यक्ष) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद/पदों की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हताएँ, आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएँ:—वह व्यक्ति:—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुये किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाय कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की सम्मत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या सेवा में जोड़े गये वर्षों का कायदा के० सि०से०(प०) नियम के अधीन अनुज्ञेय है	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु-सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ
1	2	3	4	5	6	7	8
पुस्तकालय अध्यक्ष	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (अननुमचित-बीय) अराजपक्षित	330-10-380-द०रो० 12-500-द०रो०-15-560 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवाओं के लिये शिथिलनीय)	आवश्यक : मैट्रिक उत्तीर्ण वा उसके समतुल्य और साथ ही किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय वा अन्य मान्यताप्राप्त संस्था से पुस्तकालय विज्ञान में प्रमाणपत्र। वांछनीय : पुस्तकालय विज्ञान में स्नातक और साथ ही अनुभव हो।
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये यदि कोई हो विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएँ प्रोत्तनों की वक्ता में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोत्तति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिबन्ध	प्रोत्तति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वक्ता में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोत्तति / प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा/की जायेगी	यदि विभागीय प्रोत्तति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संच लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा।		
9	10	11	12	13	14		
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधे भर्ती द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण: महापत्तन न्यासों या केन्द्रीय सरकार के विभागों या राज्य सरकार या मन्त्रिक सेक्टर उपक्रमों में सदृश पदभारण करने वाले व्यक्ति और ऐसे व्यक्ति, जिनके पास स्तम्भ 8 के अधीन सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित अपेक्षित अर्हता और अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता		

G.S.R.881.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'C' post of Librarian in the Port of New Tuticorin under the Ministry of Shipping and Transport, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Port of New Tuticorin (Librarian) Recruitment Rules, 1976.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. Number of Post, classification and scale of pay.—The number of the said post, classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
3. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.
4. Disqualification.—No person,—
(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,
shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government, may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other ground for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Schedule

Name of the post	No. of post	Classification	Scale of Pay	Whether the benefit of added years of service is admissible under CCS(P) Rules	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruitment	Educational and other qualification for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Librarian	One	General Central Services Group 'C' Non-Ministerial Non-Gazetted	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Not applicable	Not applicable	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants)	Essential : Matriculation or its equivalent with certificate in Library science of a recognised University or other recognised Institution. Desirable : Graduate in Library Science with experience.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotion	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or promotion or deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made		If Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
9	10	11	12		13	14	
Not applicable	2 years	By direct recruitment failing which by transfer on deputation.	Transfer on deputation : Persons holding analogous posts in Major Port Trusts or Central Government Departments or State Government or Public Sector Undertakings and possessing the required qualification and experience prescribed for direct recruitment under Column 8. (Period of deputation ordinarily not exceeding three years).		Not applicable	Not applicable	

[F. No. PET-26/76]

MRS. B. NIRMAL, Under Secy

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(सिंचाई विभाग)

नई दिल्ली, 15 मई, 1976

सा० का० नि० 882.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल पक्ष) वर्ग 3 (भंडारी) पद भर्ती नियम, 1970 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल पक्ष) वर्ग 3 (भंडारी) पद भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल पक्ष) वर्ग 3 (भंडारी) पद भर्ती नियम, 1970 की अनुसूची में, भंडारी के पद से संबंधित क्रम सं० 2 के सामने स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“ 33 1/3 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।

66-2/3 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा।”

[सं० 153/76-फ० 39/6/75-प्रशा०एफ०]
मुकेश चन्द, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Irrigation)

New Delhi, the 15th May, 1976

G.S.R. 882.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Central Water and Power Commission (Water Wing) Class III (Store-Keepers) Posts Recruitment Rules, 1970, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Water and Power Commission (Water Wing) Class III (Store-Keepers) Posts Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to Central Water and Power Commission (Water Wing) Class III (Store-Keepers) Posts Recruitment Rules, 1970, against Serial No. 2 relating to the post of Store-Keeper, in column 10, for the existing entries, the following entries shall be substituted namely :—

“By direct recruitment 33-1/3 per cent.

By promotion 66-2/3 per cent.”

[No. 153/76-F. 39/6/75-Admn. II]
MUKESH CHAND, Under Secy.

ग्राम विकास विभाग

नई दिल्ली, 21 मई, 1976

सा० का० नि० 883.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विपणन और निरीक्षण निदेशालय (वर्ग 3 भराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1969 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम विपणन और निरीक्षण निदेशालय (वर्ग 3 भराजपत्रित पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विपणन और निरीक्षण निदेशालय (वर्ग 3 भराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1969 की अनुसूची में, ‘बालक’ के पद से सम्बन्धित मद 26 के सामने, स्तम्भ 3 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह ग, भराजपत्रित अनुसचिवीय”

[सं० का० 1-6/75-ए० एम०]

भार० एम० बक्षी, अवर सचिव

(Department of Rural Development)

New Delhi the 21st May, 1976

G.S.R. 883.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Marketing & Inspection (Class III Non-Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1969, namely :—

1. (1) These rules may be called the Directorate of Marketing and Inspection (Class III Non-Gazetted Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Marketing and Inspection (Class III Non-Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1969, against item 26 relating to the post of “Driver”, in column 3, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“General Central Service, Group C, Non-Gazetted, Non-Ministerial”.

[F. No. 1-6/75-AM]

R. N. BAKSHI, Under Secy.

खाद्य विभाग

नई दिल्ली, 25 मई, 1976

सा० का० नि० 884.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खाद्य विभाग (वर्ग 1 और वर्ग 2 अमचिवालय पद) भर्ती नियम, 1965 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम खाद्य विभाग (वर्ग 1 और वर्ग 2 अमचिवालय पद) भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य विभाग (वर्ग 1 और वर्ग 2 अमचिवालय पद) भर्ती नियम, 1965 की अनुसूची में, उपायुक्त और उसकी प्रविष्टियों से संबंधित मद 26 के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अनुचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएं आयु सीमा
1	2	3	4	5	6
अध्यक्ष	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह (क)	1800-100-2000 रु० (पुनरीक्षण)	चयन	50 वर्ष में अधिक आयु (सरकारी सेवकों के लिये शिथिलनीय) टिप्पणी—आयु सीमा अधधारित करने की अंतिम तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों में (उनमें मिनट जो अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।
					अवश्यक (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से कीट विज्ञान, पीछा सेगविज्ञान या जीव-रसायन में या समतुल्य में पी०एच०डी० या समतुल्य। (2) छात्रांशों के, बड़े पैमाने पर प्रकाशित पेपर हो। वैज्ञानिक भण्डारकरण और परिरक्षण और क्वालिटी नियंत्रण की तकनीक का 10 वर्ष का अनुभव (अर्हताएं अन्यथा सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की दशा में सघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती, विशेष रूप से अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में शिथिल की जा सकती।
					वास्तवीय
					(1) छात्रांशों के भण्डारकरण और क्वालिटी से संबंधित प्रशिक्षण/प्रोग्रामों के संचालन और समन्वय का अनुभव। (2) ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रांशों के भण्डारकरण संबंधी विस्तार प्रोग्रामों, या प्रदर्शन और प्रकाशन कार्य के संगठन और प्रशासन का अनुभव। (3) छात्रांशों के वैज्ञानिक भण्डार-करण के लिये गोदासों की संरचनात्मक निर्विषयों का ज्ञान और/अथवा अनुभव।

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये निहित प्रभु और शैक्षिक दक्षताएं प्रोत्साहित की वशा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की प्रक्रिया यदि कोई प्रोत्साहित द्वारा या प्रतिनिधित्व/स्वानामांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा करी जाने वाली रिक्रियर्स का प्रतिफल	प्रोत्साहित/प्रतिनिधित्व/स्वानामांतरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोत्साहित/प्रतिनिधित्व/स्वानामांतरण किया जावेगा/की जावेगी/किया जावेगा।	यदि विभागीय प्रोत्साहित समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जावेगा।
---	--	---	---	---

8	9	10	11	12	13
प्रभु—नहीं स्तम्भ 11 में उपदर्शित बिस्तार तक शैक्षिक दक्षता ।	2 वर्ष	प्रोत्साहित द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	प्रोत्साहित : निदेशक, भारतीय अनाथ भण्डारकरण संस्थान, हापुर और उप-प्रभुक्त, खाद्य विभाग, जिन्होंने इसमें से किसी एक पद पर नियमित आचार पर नियुक्ति के पश्चात् उस पर 3 वर्ष सेवा की हो और जिनके पास कीट-विज्ञान, पौधा रोगविज्ञान या जैव रसायन में एम०एस०सी की उपाधि या समतुल्य हो ।	समूह 'क' विभागीय प्रोत्साहित समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे— 1. संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य —प्रभुक्त 2. संयुक्त सचिव (प्रशासन)—सदस्य 3. संयुक्त सचिव (विकास और नियमित)—सदस्य 4. उप महा निदेशक (खाद्य)—सदस्य	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) नियमित, 1958 के अधीन यथा अपेक्षित ।

[सं० ए० 12018/6/73-ई-1]

यू० बी० बी० एल० नरसिम्ह, अवर सचिव

(Department of Food)

New Delhi, the 25th May, 1976

G.S.R. 884.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Food (Class I and Class II Non-Secretariat Posts) Recruitment Rules, 1963, namely :—

1. (1) ~~These rules~~ may be called the Department of Food (Class I and Class II Non-Secretariat Posts) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Department of Food (Class I and Class II Non-Secretariat Posts) Recruitment Rules, 1963, after item 26 relating to the post of Deputy Commissioner and the entries thereof, the following item and entries shall be inserted, namely :—

1	2	3	4	5	6	7
"27. Joint Commissioner	1	General Central Service Group 'A'	Rs. 1800-100-2000. (Revised)	Selection	Not exceeding 50 years (Relaxable for Government servants)	<p>Essential :</p> <p>(i) Ph. D. in Entomology, Plant Pathology or Bio-Chemistry or equivalent from a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) 10 years, experience in techniques of large scale scientific storage and preservation and quality control of foodgrains as evidenced by published papers.</p> <p>(Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes).</p> <p>Desirable :</p> <p>(i) Experience in conducting and coordinating training/teaching programmes concerning storage and quality of foodgrains.</p> <p>(ii) Experience in organisation and Administration of extension programmes or demonstration and publicity work regarding storage of food-grains in rural areas.</p> <p>(iii) Knowledge and/or experience of structural specifications of godowns for scientific storage of foodgrains.</p>

Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

8	9	10	11	12	13
Age—No Educational qualifications to the extent indicated in column 11;	2 years	By promotion failing which, by direct recruitment.	Promotion : Director, Indian Grain Storage Institute Hapur and Deputy Commissioner, Department of Food, with 3 years, service rendered in either post after appointment thereto on a regular basis and possessing an M.Sc. degree or equivalent qualification in Entomology Plant Pathology or Bio-chemistry.	Group 'A' Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. Member Union Public Service Commission—Chairman 2. Joint Secretary (Administration)—Member 3. Joint Secretary (Development and Regulations)—Member 4. Deputy Director General (Food).—Member	For direct recruitment as required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations 1958.

[No. A-12018/6/73-E.I]

U. V. V. L. NARASIMHAM, Under Secy.

कृषि विभाग

मई बिल्सी, 1 जून, 1976

सं० का० लि० 885—राष्ट्रपति सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वनस्पति-रक्षण, संगरोध और संवयन निदेशालय में कनिष्ठ कृत्तक विशेषज्ञ के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् —

1 सविधान नाम और प्रारम्भ —(1) इन नियमों का नाम वनस्पति-रक्षण संगरोध और संवयन निदेशालय (कनिष्ठ कृत्तक विशेषज्ञ) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 पद सख्या, वर्गीकरण और वेतनमान —उक्त पद की सख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो उन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3 भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि —उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे सम्बंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4 निरर्हताएं — वह व्यक्ति, —

(क) जिनमें ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिनमें अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5 शिथिल करने की शक्ति —जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें देखबख्श करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आवेदन द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6 व्याप्ति —इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सबध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

वनस्पति-रक्षण, संगरोध और संवयन निदेशालय, कृषि विभाग में कनिष्ठ कृत्तक विशेषज्ञ के पद के लिए भर्ती नियम।

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद अथवा अध्ययन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
कनिष्ठ कृत्तक विशेषज्ञ एक		साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क'	700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रुपए (पुन-राक्षित)	लागू नहीं होता	35 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल-नीय) टिप्पण— आयु सीमा के प्रवर्धन की निर्णायक तारीख भारत में के (उनसे भिन्न जो अर्ह-मान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में हैं) अभ्यर्थियों से प्राप्ति की अन्तिम तारीख होगी।)	आवश्यक : 1. किसी मायताप्राप्त विश्वविद्यालय से जीव-विज्ञान, कीट-विज्ञान या कृषि जीव-विज्ञान में एम० एस सी० की उपाधि या समतुल्य इस क्षेत्र, में प्रकाशित कागज पत्रों द्वारा यथा साधित, अनुसंधान के प्रत्यक्ष अनुभव सहित कृत्तक नियंत्रण और उनके विष-विज्ञान का 3 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव। (अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं, विशेषकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामले में अनुभव से संबंधित अर्हता शिथिल की जा सकती है।)

नोट्स

- (1) उपर्युक्त (I) में आवश्यक अर्हता के अनुसार विशेष अध्ययन के क्षेत्र में डाक्टर की उपाधि।
- (2) स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं के अध्यापन का अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक प्रहर्-ताएं प्रोन्नतों की वशा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति-भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति नमिनि है, तो उसकी संरचना	भर्ती करने से किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।
--	-------------------------------	---	---	--	---

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथापेक्षित

[सं० 13-15/75 पी०पी०एस०]

के० बालकृष्णन, अवर सचिव।

Department of Agricultural

New Delhi, the 1st June, 1976

G.S.R. 885:—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Junior Rodent Specialist in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, namely :—

1. Short title and commencement .—(1) These rules may be called the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage (Junior Rodent Specialist) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay .—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age-limit, qualifications, etc. .—The method of recruitment, age-limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification .— No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax .—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving .—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Schedule Castes, the Scheduled Tribes and other Special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Junior Rodent Specialist in the Directorate of Plant protection, Quarantine and Storage, Department of Agriculture

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Junior Rodent Specialist		General Central Service Group 'A'	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (Revised)	Not applicable	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government servants) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)	Essential : (i) M.Sc. degree in Zoology, Entomology or Agricultural Zoology from a recognised University or equivalent. (ii) 3 years' practical experience of rodent control and their toxonomy, including adequate experience of research in the field, as evidenced by the published papers. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes). Desirable : (i) Doctorate in the field of specialisation vide Essential Qualification (i) above. (ii) Experience of teaching graduate and post-graduate classes.
Whether age and Educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By direct recruitment.	Not applicable	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.	

[No. 13-15/75-PPS]

K. BALAKRISHNAN, Under Secy.

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

(सांस्कृतिक विभाग)

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1976

सा. का. नि. 806.—संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबंधों द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा संस्कृति विभाग में तकनीकी सहायक (रिप्रोड्यूसिबल ग्रेड II) पद के लिए भर्ती की प्रणाली का विनियम करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- लघु प्रारम्भ तथा आरम्भ.—(I) इन नियमों को संस्कृति विभाग (तकनीकी सहायक रिप्रोड्यूसिबल ग्रेड II) भर्ती नियम, 1976 कहा जाए।
(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में छपने की तारीख से लागू होंगे।
- पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान —पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान उसी प्रकार होंगे जिस प्रकार अनुबन्ध सूची के कानून 2 से 4 तक में निर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा तथा अर्हताएं इत्यादि :— इस पद के लिए भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा, योग्यताएं तथा भर्ती से संबंधित अन्य विषय उपरोक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में निरदिष्ट के अनुसार होंगे।
4. अयोग्यताएं :— कोई भी ऐसा व्यक्ति—
 (क) जो ऐसे व्यक्ति से विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है जिसकी पत्नी अथवा पति जीवित हो, अथवा
 (ख) जापति/पत्नी के रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है, उक्त पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा, किन्तु यदि सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसा विवाह उक्त व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन अनुमति है तथा ऐसा करने के कुछ अन्य आधार भी हैं, किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।
5. रियासत देने की शक्ति :— जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक अथवा उचित है, तो लिखित रूप से कारणों को उर्ज करते हुए वह आदेश द्वारा किसी भी श्रेणी अथवा वर्ग के व्यक्तियों के संघ में इन नियमों के किसी भी उद्देश में रियासत दे सकती है।
6. शर्तः— इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों को दी जाने वाली अपेक्षित रियासतों और आरक्षणों को इन नियमों में से कोई भी प्रभावित नहीं करेगा।

अनुसूची

तकनीकी सहायक (रिप्रोग्रेफी ग्रेड-II) के पद के लिये भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवरण पद है या अप्रवरण	प्रत्यक्ष भर्ती वालों के लिये आयु	प्रत्यक्ष भर्ती वालों के लिये अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य योग्यतायें
1	2	3	4	5	6	7
तकनीकी सहायक (रिप्रोग्रेफी ग्रेड-II)	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग-सी अराजपक्षित अभिपिकीय वर्ग	425-15-500-र०र० 15-560-20- 700 रु०	लागू नहीं होता	30-20 वर्षों के बीच	अनिवार्य : (1) उच्चतर माध्यमिक (2) फोटोग्राफी में 5 वर्षों का अनुभव।
क्या प्रत्यक्ष भर्ती वालों के लिए निर्धारित की गई आयु तथा शैक्षिक अर्हताएं, पदोन्नति के विषय में भी लागू होंगी	परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो तो	भर्ती प्रणाली, प्रत्यक्ष भर्ती या पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति या तबादले द्वारा और विभिन्न प्रणालियों द्वारा भरे जाने वाले रिक्त स्थानों की प्रतिशतता	पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति या तबादले द्वारा भर्ती किये जाने की स्थिति में उन अर्थों का उल्लेख जिससे पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति या तबादला किया जाता है	यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसकी संरचना क्या है	परिस्थितियां जिनके लिये भर्ती करने के विषय में सच लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाता है	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रत्यक्ष भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	

[फा० सं० ए० 12018/1/75 ई०एण्ड सी०]

पी० एस० बालाकृष्णन्, अवर सचिव

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE

(Department of Culture)

New Delhi, the 26th April, 1976

G. S. R. 886:—In exercise of the powers conferred by the Proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Technical Assistant (Reprography Grade-II) in the Department of Culture, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Department of Culture (Technical Assistant-Reprography Grade-II) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. Number of post, classification and scale of Pay :—The number of the said post, classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in column 2 to 4 of the scheduled annexed herewith.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc. :—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the aforesaid schedule.

4. Disqualifications :—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government, may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule

5 Power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons

6 Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard

SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Technical Assistant (Reprography Grade-II)

Name of post	No of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-Selection Post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Technical Assistant (Reprography Grade-II)	1	General Central Service Group C Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs 425-15-500-EB-15-560-20-700	Not applicable	Between 20-30 years	Essential : (i) Higher Secondary (ii) 5 years' experience in photo-graphy
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	by If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted for making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable	

[F No A-12018/1/75-E&C]
P S BALAKRISHNAN, Under Secy

नई दिल्ली, 25 मई, 1976

सांख्यिकी 887 —सविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्ध द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति निम्नलिखित नियम बनाते हैं जो केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के पत्राचार पाठ्यक्रम की सहायक शिक्षा अधिकारी और मूल्यांकन भर्ती नियमावली, 1970 का संशोधन करते हैं यथा

1 (1) इस नियमावली को केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के पत्राचार पाठ्यक्रम की सहायक शिक्षा अधिकारी और मूल्यांकन भर्ती (संशोधित) नियमावली, 1976 कहा जाए।

(2) यह नियमावली सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगी।

2 केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के पत्राचार पाठ्यक्रम की सहायक शिक्षा अधिकारी और मूल्यांकन भर्ती नियमावली 1970 में

(1) नियम 5 के निम्नलिखित नियम जोड़े जाएँ, यथा

6 छूट देने की शक्ति —यदि केन्द्रीय सरकार का यह मत हो कि किसी श्रेणी या व्यक्ति या अथवा पद के संबंध में इस नियमावली के उपबन्धों में छूट देना आवश्यक अथवा कारगर है तो वह सच लोक सेवा आयोग के परामर्श से और लिखित रूप में कारणों के उल्लेख सहित आदेश देकर ऐसा कर सकती है।

7 बचाव —इस नियमावली का कोई अंश उन आरक्षणों अथवा रियायतों का प्रभावित नहीं करेगा, जिन्हें सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों अथवा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों को प्रदान करना अपेक्षित है।

(11) सहायक शिक्षा अधिकारी (पत्राचार पाठ्यक्रम) के पद के लिए—

(क) कालम 2 की प्रविष्टि के स्थान पर '7' पढ़ा जाए,

(ख) कालम 4 की प्रविष्टि के स्थान पर "650-30-740-35-880-ब०रो०-40-960 रु०" पढ़ा जाए,

(ग) कालम 5 की प्रविष्टि के स्थान पर "प्रवरण" पढ़ा जाए,

(घ) कालम 7 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाए, यथा

“अनिवार्य :

- (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की हिन्दी में कम से कम द्वितीय श्रेणी में निष्णात डिग्री या उसके समकक्ष योग्यता । किसी मान्यता प्राप्त संस्थान और विश्वविद्यालय में भाषा विज्ञान में प्रशिक्षण प्राप्त किया हो या भाषा-शिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया हो ।

अथवा

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की भाषा विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में निष्णात डिग्री या उसके समकक्ष योग्यता जिसके डिग्री स्तर पर या तो हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय के रूप में हो या हिन्दी की समकक्ष योग्यता हो ।

- (ii) द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण का दो वर्ष का अनुभव हो ।

- (iii) डिग्री स्तर पर अंग्रेजी का अध्ययन किया हो ।

(अन्य प्रकार से योग्य उम्मीदवारों के लिए मध्य लोक सेवा आयोग की इच्छा से अर्हताओं में छूट दी जा सकती है ।)

बांछनीय

- (1) हिन्दी का छोड़ कर कम से कम एक आधुनिक भारतीय भाषा का ज्ञान ।

- (2) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की शिक्षा में डिग्री या डिप्लोमा जिसमें हिन्दी शिक्षण में विशेषज्ञता प्राप्त की हो ।”

- (3) कालम 8 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाए, यथा :

“भाषा : नहीं

शैक्षिक अर्हताएं : हाँ ।”

- (च) कालम 10 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाए, यथा :

“50 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा, ऐसा संभव न होने पर प्रत्यक्ष भर्ती द्वारा ।

50 प्रतिशत प्रत्यक्ष भर्ती द्वारा ।”

- (छ) कालम 11 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाए, यथा :

“पदोन्नति :—मूल्यांकन (पत्राचार पाठ्यक्रम) के पद पर नियमित नियुक्ति के बाद निर्धारित वेतनमान में 3 वर्ष की सेवा ;

- (ज) कालम 12 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाए, यथा :

विभागीय पदोन्नति समिति, जिसके निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

- | | |
|---|------------|
| 1. अध्यक्ष, वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली आयोग निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय | अध्यक्ष |
| 2. निदेशक (भाषा)/उप-सचिव (भाषा)/शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय/अथवा उनका प्रतिनिधि | सदस्य |
| 3. प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी (के० वि०), केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय । | सदस्य |
| 4. अवर सचिव (जो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो), शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय | सदस्य |
| 5. उप निदेशक (प्रशासन) केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय | सदस्य-सचिव |

- (iii) मूल्यांकन के पद के लिए—

- (क) कालम 2 की प्रविष्टि के स्थान पर ‘27’ पढ़ा जाए ;

- (ख) कालम 4 की प्रविष्टि के स्थान पर “550-25-750-द०रो०-30-900 रु०” पढ़ा जाए ,

- (ग) कालम 7 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाए, यथा

“अनिवार्य : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की हिन्दी में कम से कम द्वितीय श्रेणी में निष्णात डिग्री या उसके समकक्ष योग्यता/किसी मान्यताप्राप्त संस्थान और विश्वविद्यालय में भाषा-विज्ञान में प्रशिक्षण प्राप्त किया हो या भाषा-शिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया हो ।

अथवा

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की भाषा विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में निष्णात डिग्री या उसके समकक्ष योग्यता जिसमें डिग्री स्तर पर या तो हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय के रूप में हो या हिन्दी की समकक्ष योग्यता हो ।

- (ii) डिग्री स्तर पर अंग्रेजी का अध्ययन किया हो ।

(अन्य प्रकार से योग्य उम्मीदवारों के लिए मध्य लोक सेवा आयोग की इच्छा से अर्हताओं में छूट दी जा सकती है ।)

बांछनीय . (i) द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण का अनुभव हो ।

- (ii) हिन्दी का छोड़कर कम से कम एक आधुनिक भारतीय भाषा का ज्ञान,

- (iii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की शिक्षा में डिग्री या डिप्लोमा जिसमें हिन्दी शिक्षण में विशेषज्ञता प्राप्त की हो ।”

केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय, (शिक्षा विभाग) सहायक शिक्षा अधिकारी (पत्राचार पाठ्यक्रम) और मूल्यांकन (पत्राचार पाठ्यक्रम) पद के भर्ती नियम।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवरण पद या अप्रवरण पद	प्रत्यक्ष भर्ती के लिए निर्धारित आयु	प्रत्यक्ष भर्ती के लिए निर्धारित शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7

1. सहायक शिक्षा अधिकारी (पत्राचार पाठ्यक्रम)	7	सामान्य केन्द्रीय सेवा द्वितीय श्रेणी राजपत्रित (अतिरिक्त वर्गीय)	650-30-740-35 880-ब०रो०40- 960 ब०	प्रवरण	35 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट दी जा सकती है।)	अतिरिक्त : (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-
--	---	---	---	--------	--	---

विद्यालय की हिन्दी में कम से कम द्वितीय श्रेणी में निष्णात डिग्री या उसके समकक्ष योग्यता। किसी मान्यताप्राप्त संस्थान और विश्वविद्यालय से भाषा विज्ञान में प्रशिक्षण प्राप्त किया हो या भाषा-शिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया हो।

अथवा

किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की भाषा विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में निष्णात डिग्री या उसके समकक्ष योग्यता जिसमें डिग्री स्तर पर या तो हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय के रूप में हो या हिन्दी की समकक्ष योग्यता।

(ii) द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण का दो वर्ष का अनुभव।

(iii) डिग्री स्तर पर अंग्रेजी का अध्ययन।

(अन्य प्रकार से योग्य उम्मीदवारों के लिए संघ लोक सेवा आयोग की इच्छा से अर्हताओं में छूट दी जा सकती है।)

बांछनीय :

(i) हिन्दी को छोड़ कर कम से कम एक आधुनिक भारतीय भाषा का ज्ञान।

(ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की शिक्षा में डिग्री या डिप्लोमा जिसमें हिन्दी शिक्षण में विशेषता प्राप्त की हो।

क्या प्रत्यक्ष भर्ती के लिए निर्धारित आयु तथा शैक्षणिक अर्हताएं प्रायः पदोन्नति द्वारा नियमित के मामले में लागू।	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो।	भर्ती की विधि चाहे प्रत्यक्ष नियुक्ति हो या पदोन्नति या नियुक्ति/स्थानान्तर हो इस प्रकार भरे जाने वाले स्थानों का प्रतिशत।	यदि भर्ती पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण से हो वे पद जिनसे पदोन्नति, प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण होगा।	यदि विभागीय पदोन्नति हा तो उसका गठन	वे परिस्थितियाँ जिनमें सच लोक सेवा आयोग का परामर्श लिया जाएगा।
--	-----------------------------	--	--	-------------------------------------	--

8

9

10

11

12

13

आयु : नहीं शैक्षणिक अर्हताएं : हा	2 वर्ष	50 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा, ऐसा संभव न होने पर प्रत्यक्ष भर्ती द्वारा। 50 प्रतिशत प्रत्यक्ष भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : मूल्यांकन (पत्राचार पाठ्यक्रम) के पद पर नियमित नियुक्ति के बाद निर्धारित वेतनमान में 3 वर्ष की सेवा।	द्वितीय श्रेणी विभागीय पदोन्नति समिति, जिसके निम्नलिखित सदस्य होंगे : (1) अध्यक्ष, वै० श० आ० निवेशक, के० हि० न०— अध्यक्ष (2) निवेशक (भाषा) उपसचिव (भाषा) शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय अथवा उनका प्रतिनिधि —सदस्य (3) प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी (के० वि०), के० हि० नि० —सदस्य (4) अवर सचिव (जो अनुसूचित जाति / अनुसूचित जन जाति का हो), शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय —सदस्य (5) उप निवेशक (प्रशासन) के० हि० नि० —सदस्य सचिव	सच लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट नियमावली 1958 के अनुसार)
--------------------------------------	--------	---	---	--	---

1	2	3	4	5	6	7
2 मूल्यांकन (पत्राचार पाठ्यक्रम)	27 सामान्य केंद्रीय सेवा द्वितीय श्रेणी अग्रज-पत्रित (अर्लिफरवर्गीय)	550-25-750-३० री० 30-900 रु०	लागू नहीं होता	35 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट दी जा सकती है।)	अनिवार्य	(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की हिन्दी में कम से कम द्वितीय श्रेणी में निष्णात डिग्री या उसके समकक्ष योग्यता । किसी मान्यता प्राप्त संस्थान और विश्वविद्यालय में भाषा विज्ञान में प्रशिक्षण प्राप्त किया हो या भाषा शिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया हो । अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की भाषा विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में निष्णात डिग्री या उसके समकक्ष योग्यता जिसमें डिग्री स्तर पर या तो हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय के रूप में हो या हिन्दी की समकक्ष योग्यता । (2) डिग्री स्तर पर अंग्रेजी का अध्ययन । (अन्य प्रकार से योग्य उम्मीदवारों के लिए सब लोक सेवा आयोग की दृष्टि से अर्हताओं में छूट दी जा सकती है।) वांछनीय (1) द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण का अनुभव । (2) हिन्दी को छोड़ कर काम से कम एक आधुनिक भारतीय भाषा का ज्ञान । (3) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की शिक्षा में डिग्री या डिप्लोमा जिसमें हिन्दी शिक्षण में विशेषज्ञता प्राप्त की हो ।
8	9	10	11	12	13	
नहीं	2 वर्ष	प्रत्यक्ष भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	सब लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) नियमावली, 1958 के अनुसार ।	

New Delhi, the 25th May, 1976

G.S.R. 887.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Central Hindi Directorate Assistant Education Officers and Evaluators for Correspondence Course Recruitment Rules, 1970 namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Hindi Directorate Assistant Education Officers and Evaluators for Correspondence Course Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Hindi Directorate Assistant Education Officers and Evaluators Correspondence Course Recruitment Rules, 1970;

(i) after rule 5, the following rules shall be inserted, namely :—

"6. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

7. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time, in this regard."

(ii) against the post of Assistant Education Officer (Correspondence Course),—

(a) for the entry in column 2, the entry "7" shall be substituted;

(b) for the entry in column 4, the entry "Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960" shall be substituted;

(c) for the entry in column 5, the entry "Selection" shall be substituted;

(d) for the entries in column 7, the following shall be substituted namely:—

"ESSENTIAL:

(i) At least second Class Master's degree in Hindi of a recognised University or equivalent and should have attended training or participated in Linguistics or Language teaching conducted by recognised Institutes and Universities.

Or

At least second Class Master's degree in Linguistics of a recognised University or equivalent with either Hindi Literature as one of the optional subjects at the degree level or with an equivalent Hindi qualification.

(ii) Two years experience of teaching Hindi as a Second language :

(iii) Should have studied English at degree stage.

(Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

DESIRABLE:

(i) Knowledge of at least one modern Indian Language other than Hindi.

(ii) Degree or Diploma of a recognised University or equivalent in Education with specialisation in Hindi teaching."

(e) for the entry in column 8, the following shall be substituted namely :—

"Age : No

Educational qualifications : Yes";

(f) for the entry in column 10, the following shall be substituted, namely:—

"50% by promotion failing, which by direct recruitment.

"50% by direct recruitment."

(g) for the entry in column 11, the following shall be substituted, namely:—

Promotion :

Evaluators (Correspondence Courses) with 3 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis;

(h) for the entry in column 12, the following shall be substituted, namely :—

"D.P.C. consisting of the following namely :—"

1. Chairman, CSTT/Director, CHD

.. Chairman

2. Director (Languages)/Deputy Secretary (Languages)/Ministry of Education & Social Welfare or his nominee.

.. Member

3. PSO (CS) in Central Hindi Directorate

.. Member

4. Under Secretary, Min. of Edu. & Social Welfare belonging to SC/ST community

.. Member

5. Deputy Director (Admn.) Central Hindi Directorate

.. Member Secretary

(iii) against the post of Evaluator:—

(a) for the entry in column 2, the entry '27' shall be substituted;

(b) for the entry in column 4, the entry "Rs. 550-25-750-EB-30-900", shall be substituted

(c) for the entries in column 7, the following shall be substituted namely :—

"Essential :

(i) At least Second Class Master's degree in Hindi of a recognised University or equivalent and should have attended training or participated in Linguistics or language teaching conducted by recognised Institutes and Universities.

OR

At least Second Class Master's degree in Linguistics of a recognised University or equivalent with either Hindi Literature as one of the optional subjects at the degree level or with an equivalent Hindi qualification.

(ii) Should have studied English at degree stage.

(Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

Desirable :

(i) Experience of teaching Hindi as a second language.

(ii) Knowledge of at least one modern Indian language other than Hindi.

(iii) Degree or Diploma of a recognised University or equivalent in Education with specialisation in Hindi teaching."

SCHEDULE

Recruitment Rules for the posts of Assistant Education Officer (Correspondence Courses) and Evaluator (Correspondence Courses) in the Central Hindi Directorate in the Ministry of Education & Social Welfare (Deptt. of Education)

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Assistant Education Officer (Correspondence Courses)	7	General Central Service Class II Gazetted (Non-Ministerial)	Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960	Selection	Not exceeding 35 years (Relaxable for Govt. servants)	<p>Essential :</p> <p>(i) At least Second Class Master's degree in Hindi of a recognised University or equivalent and should have attended training/ or participated in Linguistics Language teaching conducted by recognised Institutes and Universities.</p> <p>OR</p> <p>At least second Class Master's Degree in Linguistics of a recognised University or equivalent with either Hindi Literature as one of the optional subjects at the degree level or with an equivalent Hindi qualification.</p> <p>(ii) Two years' experience of teaching Hindi as a second language.</p> <p>(iii) Should have studied English at Degree stage.</p> <p>(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).</p> <p>Desirable :</p> <p>(i) Knowledge of at least one modern Indian Language other than Hindi</p> <p>(ii) Degree or Diploma of a recognised University or equivalent in Education with specialisation in Hindi Teaching.</p>
2. Evaluator (Correspondence Courses)	27	General Central Service Class II Non-Gazetted (Non-Ministerial)	Rs. 550-25-750-EB-30-900	N.A.	Not exceeding 35 years (Relaxable for Govt. servants).	<p>Essential :</p> <p>(i) At least second Class Master's degree in Hindi of a recognised University or equivalent and should have attended training/ or participated in Linguistics/ Language teaching conducted by recognised Institutes and Universities</p> <p>OR</p> <p>At least second class Master's Degree in Linguistics of a recognised University or equivalent with either Hindi Literature as one of the optional subjects at the degree level or with an equivalent Hindi qualification.</p> <p>(ii) Should have studied English at Degree stage</p> <p>(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).</p> <p>Desirable :</p> <p>(i) Experience of teaching Hindi as a second language.</p> <p>(ii) Knowledge of at least one modern Indian Language other than Hindi.</p> <p>(iii) Degree or Diploma of a recognised University or equivalent in Education with specialisation in Hindi teaching.</p>

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotions	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13
Age : No Educational Qualification Yes	2 years	50% by Promotion failing which by direct recruitment; 50% by direct recruitment	Promotion : Evaluators (Correspondence Courses) with 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Class II Departmental promotion Committee consisting of:— 1. Chairman, CSTT/Director CHD —Chairman 2. Director (Language)/Deputy Secretary (Languages)/Ministry of Edu. & Social Welfare or his nominee. —Member 3. P.S.O. (Central subject) Central Hindi Directorate —Member 4. Under Secretary, Min. of Edu. & Social Welfare belonging to SC/ST —Member 5. Deputy Director (Admn) Central Hindi Directorate —Member Secretary	As required under the U.P. S. C. Exemption from Consultation, Regulations, 1958
N.A.	2 years	By direct recruitment	N.A.	N.A.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958

[No. F21-55/68-H.I.-DII(L)]
SARAN SINGH, Under Secretary.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 मई, 1976

सा० का० नि० 888.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा भारत मौसम विज्ञान विभाग (हिन्दी अधिकारी) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं; अर्थात् :—

- (i) ये नियम भारत मौसम विज्ञान विभाग (हिन्दी अधिकारी) भर्ती (संशोधन) नियम, 1974 कहें जा सकेंगे।

(ii) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारत मौसम विज्ञान विभाग (हिन्दी अधिकारी) भर्ती नियम, 1974 की अनुसूची में, कॉलम 6 में वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“40 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय)”।

[सं० ए० 12018/5/75-एम]
ए० बी० एन० राव, अवर सचिव

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th May, 1976

G.S.R. 888.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the India Meteorological Department (Hindi Officer) Recruitment Rules, 1974, namely :—

1 (i) These rules may be called the India Meteorological Department (Hindi Officer) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the India Meteorological Department (Hindi Officer) Recruitment Rules, 1974, in column 6, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“Not exceeding 40 years (relaxable for Government servants)”.

[No. A. 12018/5/75-M]
A. V. N. RAO, Under Secy.

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
संयुक्त निवेशक	2	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह क, राजपत्रित	1800-100-2000 ६०	चयन	50 वर्ष से अनधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय) टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने की निम्नलिखित तारीख, अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	<p>आवश्यक :</p> <p>(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से प्राणिविज्ञान में डिग्री।</p> <p>(ii) पशुओं के वर्गीकरण विज्ञान आकृतिविज्ञान और परिस्थिति विज्ञान के प्रति विशेष निर्देश के साथ प्राणिविज्ञान में लगभग 15 वर्ष का अनुसंधान का अनुभव (अनुसंधान के साक्ष्य स्वरूप प्रकाशित लेखों की प्रतियों को प्रस्तुत किया जाएगा)।</p> <p>(अर्हताएं, अन्यथा सुपरिहित अभ्यर्थियों की वशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है ; विशेष रूप से अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की वशा में शिथिल की जा सकेगी)</p>

सोर्ध भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो।	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा/की जायेगी/किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
8	9	10	11	12	13
आयु—नहीं शैक्षिक अर्हताएं—नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति : उपनिदेशक, जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 3 वर्ष सेवा की हो जिसके न हो सकने पर उपनिदेशक जिन्होंने उपनिदेशक और अधीक्षण प्राणिविज्ञानों के रूप में 8 वर्ष मिश्रित सेवा की हो। टिप्पण :—यदि किसी उपनिदेशक के नाम पर उसके सेवाकाल, अर्थात् 3 वर्ष के आधार पर संयुक्त निदेशक के रूप में प्रोन्नति के लिए विचार किया जाता है, तो उससे ज्येष्ठ समस्त उप-निदेशकों के नामों पर इस बात पर ध्यान दिए बिना कि उन्होंने 3 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है या नहीं, उनकी ज्येष्ठता के अनुक्रम में प्रोन्नति के लिए विचार किया जाएगा।	समूह के विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्न-लिखित होंगे— (1) संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य—अध्यक्ष (2) सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग—सदस्य (3) संयुक्त सचिव (प्रशासन) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग—सदस्य (4) केवल अधीनस्थ कार्यालयों के संबंध में संबंधित विभाग का प्रधान—सदस्य	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधिन यथा-अर्पेक्षित।

[सं० एक० 1-38/75-सू० 3 (जेड)]
पी० बी० दास, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

New Delhi, the 2nd June, 1976

G.S.R.889.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Joint Director in the Zoological Survey of India under the Department of Science and Technology, namely:—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Zoological Survey of India (Joint Director) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay :—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications:—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications :—

No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government, may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to a any class or category of persons.

6. Savings:—Nothing in these rules shall affect reservation and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the Post of Joint Director in the Zoological Survey of India in the Department of Science and Technology

Name of Posts	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Joint Director	2	General Central Service, Group A, Gazetted	Rs. 1800-100-2000	Selection	Not exceeding 50 years. (Relaxable for Government servants) Note :—The crucial date for determining the age limit shall be closing date for receipt of applications from candidates (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Doctorate in Zoology of a recognised university. (ii) About 15 years research experience in Zoology with special reference to systematics, Morphology and Ecology of animals (copies of published papers to be submitted as evidence of research). (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified in particular the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes. Desirable : Experience of conducting field surveys and guiding research.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13
Age : No Educational Qualifications : No	2 years	Promotion, failing which by direct recruitment	Promotion : Deputy Directors with 3 years service in the grade rendered after appointment there to on a regular basis, failing which, Deputy Directors having a combined service of 8 years as Deputy Director and Superintending Zoologist. Note:—If a Deputy Director is considered for promotion as Joint Director on the basis of his length of service viz., 3 years, all Deputy Directors Senior to him shall also be considered for promotion in the order of their seniority irrespective of the fact whether or not they have put in 3 years service.	Group A Departmental Promotion consisting of— 1. Member of Union Public Service Commission—Chairman 2. Secretary, Department of Science and Technology—Member 3. Joint Secretary (Administration) Department of Science and Technology—Member 4. Head of the Department concerned in respect of Subordinate Offices only—Member	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958

सा० का० नि० 890.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (वर्ग 3 पद) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (वर्ग 3 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (वर्ग 3 पद) भर्ती नियम 1975 की अनुसूची में, पुस्तकालय अध्यक्ष के पद से सम्बन्धित क्रम सं० 1 के सामने, स्तम्भ 7 में "आवश्यक" प्रवृत्ताएं, के नीचे, मद (1) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कला/विज्ञान में उपाधि।

[सं० का० 12018/1/76-प्रशा० (सी डी एन)]

एन० सी० चटर्जी, अवर सचिव

G.S.R. 890.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department of Science and Technology (Class III posts) Recruitment Rules, 1975, namely :—

1. (i) These rules may be called the Department of Science and Technology (Class III Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Department of Science and Technology (Class III Posts) Recruitment Rules, 1975, against Serial Number 1 relating to the post of Librarian, in column 7, under "Essential" qualifications, for item (1), the following item shall be substituted, namely :—

"(1) Degree in Arts/Science from a recognised University".

[No. A. 12018/1/76-Adm(Cdn)]

N. C. CHATTERJEE, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, 27 मई, 1976

सा० का० नि० 891.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय जल विद्युत परियोजना नियंत्रण बोर्ड (वर्ग 2 अराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1973 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय जल विद्युत परियोजना नियंत्रण बोर्ड (वर्ग 2 अराजपत्रित पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय जल विद्युत परियोजना नियंत्रण बोर्ड (वर्ग 2 अराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1973 की अनुसूची में निरीक्षण अधीक्षक के पद से सम्बन्धित

क्रम सं० 2 के सामने स्तम्भ 4 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगी, अर्थात् :—

"500-20-700-ब०रो०-25-900 ब०"

[सं० 11/76-फा० 12(5)/74-प्रशा०-IV]

जंगशेर सिंह, अवर सचिव,

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Power)

New Delhi, the 27th May, 1976

G.S.R. 891.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Hydro-electric Projects Control Board (Class II Non-Gazetted posts) Recruitment Rules, 1973, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Hydro-electric Projects Control Board (Class II Non-Gazetted Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Central Hydro-electric Projects Control Board (Class II Non-Gazetted posts) Recruitment Rules, 1973, for the entry in column 4 against serial number 2, relating to the post of Inspection Superintendent, the following shall be substituted, namely :—

"Rs. 500-20-700-EB-25-900".

[No. 11/76-F. 12(5)/74-Adm. IV]

JANGSHER SINGH, Under Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

(निर्माण पक्ष)

नई दिल्ली, 8 जून, 1976

सा० का० नि० 892.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा/केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा समूह में कार्यपालक इंजीनियर की श्रेणी में नियुक्त व्यक्तियों की ज्येष्ठता को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का नाम कार्यपालक इंजीनियर केन्द्रीय इंजीनियरी और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा (समूह क) (ज्येष्ठता का विनियम) नियम, 1976 है।

(2) ये 10 दिसम्बर, 1974 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. अधिकारियों की ज्येष्ठता :— केन्द्रीय इंजीनियरी और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी समूह क के कार्यपालक इंजीनियरों की ज्येष्ठता इन नियमों के प्रारम्भ होने की तारीख से इसमें इसके पश्चात् दिए गए उपबंधों के अनुसार विनियमित की जाएगी, अर्थात्

(i) ऐसे अधिकारी, जिन्हें 25 अगस्त, 1949 (अर्थात् जिस तारीख से सहायक कार्यपालक इंजीनियर और सहायक इंजीनियर की श्रेणियों से कार्यपालक इंजीनियर की श्रेणी में प्रोन्नति के लिए कोटा नियम किए गए थे) से पूर्व कार्यपालक इंजीनियर नियुक्त किया गया था और जो उसके पश्चात् कार्यपालक इंजीनियर के रूप में कार्य करते रहे हैं, उन अधिकारियों से, जिन्हें अगस्त, 1949 को या उसके पश्चात् कार्यपालक इंजीनियर नियुक्त किया गया है, सामूहिक रूप से रैंक में ज्येष्ठ होंगे। ऐसे अधिकारियों की परस्पर ज्येष्ठता, 25 अगस्त, 1949 से पूर्व विद्यमान ज्येष्ठता नियमों के अनुसार प्रवर्धित की जाएगी।

(ii) ऐसे अधिकारियों की परस्पर ज्येष्ठता, जिन्हें 25 अगस्त, 1949 से 21 दिसम्बर, 1959 तक की अवधि के दौरान सहायक कार्यपालक इंजीनियर या सहायक इंजीनियर की श्रेणी से समय-समय पर उनके लिए विहित कोटा के मोर प्रोन्नति द्वारा कार्यपालक इंजीनियर की श्रेणी में नियुक्त किया गया है, कार्यपालक इंजीनियर की श्रेणी में उनकी नियमित निरंतर सेवा की अवधि के आधार पर इस प्रकार अवधारित की जाएगी कि उनका अपना परस्पर क्रम बना रहे अर्थात् सहायक कार्यपालक इंजीनियर के मामले में, उनको छोड़ते हुए जिन्हें कार्यपालक इंजीनियर के रूप में प्रोन्नति के लिए अयोग्य पाया गया है, उनकी ज्येष्ठता का यथावत् क्रम और सहायक इंजीनियर के मामले में, विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा कार्यपालक इंजीनियर के रूप में उनकी प्रोन्नति के लिए अवधारित योग्यता क्रम।

टिप्पण—(क) कार्यपालक इंजीनियर के रूप में प्रोन्नति सहायक इंजीनियर की नियमित सेवा की गणना सहायक इंजीनियर समूह की श्रेणी में उनकी पुष्टि किए जाने की पश्चात् से ही की जाएगी।

(ख) ऐसे सहायक इंजीनियरों को, जिन्हें निश्चित किए गए कोटा के ऊपर प्रोन्नति दी गई है, जो ब्रे खिमका दिया जाएगा और पश्चात्तर्ती वर्ष में उनके कोटे में उन्हें स्थान दिया जाएगा।

(iii) कार्यपालक इंजीनियर की श्रेणी में ऐसी रिक्तियों जो 25 अगस्त, 1949 से 21 दिसम्बर, 1959 तक की अवधि के दौरान सहायक कार्यपालक इंजीनियर की श्रेणी में से उनके लिए विहित कोटे के अनुसार प्रोन्नति के लिए निश्चित की गई थी, किन्तु जो भरी नहीं जा सकी, अवैधित की जाएगी और 22-12-59 को या उसके पश्चात् प्रोन्नति किए गए सहायक कार्यपालक इंजीनियरों द्वारा भरी जाएगी। ऐसे अधिकारियों को परस्पर ज्येष्ठता सहायक कार्यपालक इंजीनियर की श्रेणी में, उनको छोड़ते हुए जिन्हें प्रोन्नति के लिए अयोग्य माना गया है, उनकी ज्येष्ठता के क्रम में अवधारित की जाएगी और उन्हें 22-12-1959 के पूर्व प्रोन्नति किए गए अन्तिम कार्यपालक इंजीनियर से रैंक में ठीक नीचे रखा जाएगा।

(iv) कार्यपालक इंजीनियर की श्रेणी में ऐसी सभी रिक्तियों को जो 25 अगस्त, 1949 से 21 दिसम्बर, 1959 तक की अवधि के दौरान सहायक कार्यपालक इंजीनियर की श्रेणी में से उनके लिए विहित कोटे के अनुसार प्रोन्नति के लिए निश्चित की गई थी, किन्तु भरी नहीं जा सकी थी, 22-12-1959 को या उसके पश्चात् प्रोन्नति किए गए सहायक कार्यपालक इंजीनियरों से भर लेने और ऐसे अधिकारियों को ऊपर (3) में यथा उपर्युक्त ज्येष्ठता प्रदान करने के पश्चात् कार्यपालक इंजीनियर की श्रेणी में सभी पश्चात्तर्ती रिक्तियों सहायक कार्यपालक इंजीनियर और सहायक इंजीनियरों में से, कार्यपालक इंजीनियर के रूप में प्रोन्नति के लिए उनके लिए समय-समय पर विहित कोटे के अनुसार, चक्रानुक्रम से भरी जाएगी।

4. इस प्रकार कार्यपालक इंजीनियर की श्रेणी में प्रोन्नति किए गए सहायक कार्यपालक इंजीनियर और सहायक इंजीनियरों की परस्पर ज्येष्ठता भी कोटे के ऐसे चक्रानुक्रम ही के आधार पर अवधारित की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए भर्ती रोस्टर निम्नलिखित रूप में होगा—

(क) जब कार्यपालक इंजीनियर की श्रेणी में सहायक कार्यपालक इंजीनियर और सहायक इंजीनियर के लिए रिक्तियों का आरक्षण क्रमशः 66 $\frac{2}{3}$ प्रतिशत और 33 $\frac{1}{3}$ प्रतिशत है, (अर्थात् 31-1-72 तक) प्रथम स्थान

प्रथम स्थान	}	सहायक कार्यपालक इंजीनियर
द्वितीय स्थान		
तृतीय स्थान		सहायक इंजीनियर
चतुर्थ स्थान	}	सहायक कार्यपालक इंजीनियर
पंचम स्थान		
छटा स्थान		सहायक इंजीनियर और आगे इसी प्रकार

(ख) जब कार्यपालक इंजीनियर की श्रेणी में सहायक कार्यपालक इंजीनियर और सहायक इंजीनियर के लिए रिक्तियों का आरक्षण प्रत्येक के लिए 50 प्रतिशत है (अर्थात् 1-4-72 से 7 वर्ष की अवधि तक)

प्रथम स्थान	सहायक कार्यपालक इंजीनियर
द्वितीय स्थान	सहायक इंजीनियर
तृतीय स्थान	सहायक कार्यपालक इंजीनियर
चतुर्थ स्थान	सहायक इंजीनियर और आगे इसी प्रकार

(v) यदि पर्याप्त संख्या में सहायक कार्यपालक इंजीनियर उनके लिए निश्चित की गई कार्यपालक इंजीनियर की रिक्तियों को भरने के लिए उपलब्ध नहीं है तो उन रिक्तियों को रोस्टर स्थान के अनुसार [जैसा कि ऊपर (4) में वर्णित है] ज्येष्ठता सूची में दर्शित किया जाएगा और कार्यपालक इंजीनियर के रूप में प्रोन्नति किए गए सहायक इंजीनियरों की ज्येष्ठता उनके कोटे में उपलब्ध उनके रोस्टर स्थानों के अनुसार अवधारित की जायेगी। जब भी और जैसी भी सहायक कार्यपालक इंजीनियर कार्यपालक इंजीनियर के रूप में प्रोन्नत किए जाएं वे उनके लिए ज्येष्ठता सूची में निश्चित किए गए रिक्त स्थान ग्रहण कर लेंगे और उसी के अनुसार ज्येष्ठता के क्रम में रखे जायेंगे।

व्याख्यात्मक टिप्पणी

श्री ए० के० सुब्रह्मण्यम द्वारा दायर की गई 1972 की रिट याचिका सं० 489 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 11 दिसम्बर, 1974 को दिए गए निर्णय के फलस्वरूप के० लो० निर्माण विभाग की केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा/केन्द्रीय बिजली इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'ए' के ग्रेड में बरिष्ठता निर्धारित करने के प्रयोजनों के लिए जैसा कि विभाग द्वारा इसे समझा गया है उपर्युक्त अधिसूचना में दिए गए बरिष्ठता के विद्वान सर्वोच्च न्यायालय के उपर्युक्त आधार के पर निर्धारित किए गए हैं।

[सं० 23/4/74- इ० सी० आर० (खण्ड)]

एस० एन० राय जीधरी, अव्वर सचिव

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 8th June, 1976

G.S.R. 892.—In exercise of the power conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the seniority of persons appointed to the grade of Executive Engineer of Central Engineering Service/Central Electrical Engineering Service, Group A, in the Central Public Works Department, namely :—

1. Short title and commencement—

(i) These rules may be called the Executive Engineers, Central Engineering and Central Electrical Engineering Service (Group A) (Regulation of Seniority) Rules, 1976.

(ii) They shall be deemed to have come into force with effect from the 10th December, 1974.

2. Seniority of officers.—The seniority of the Executive Engineering in Central Engineering and Central Electrical Engineering Service, Group A, shall be regulated as from the date of commencement of these rules in accordance with the provisions hereinafter contained, namely:—

(i) The officers who had been appointed as Executive Engineers prior to 25th August, 1949 (i.e. the date from which the quotas for promotion to the grade of Executive Engineer from the grade of Assistant Executive Engineer and Assistant Engineer were fixed) and continued to work as Executive Engineers thereafter shall be ranked en-bloc senior to the officers appointed as Executive Engineers on or after 25th August, 1949. The inter-se seniority of such officers shall be determined in accordance with the seniority rules prevailing prior to 25th August, 1949.

(ii) The inter-se seniority of officers appointed to the grade of Executive Engineer during the period from 25th August, 1949 to 21st December, 1959 by promotion from the grades of Assistant Executive Engineer and Assistant Engineer, within the quotas prescribed for them from time to time will be determined on the basis of length of regular continuous service in the grade of Executive Engineer, subject to their respective inter-se order being maintained, i.e. in the case of Assistant Executive Engineer, the order of their seniority as such, those who were considered unfit for promotion as Executive Engineer being omitted, and in the case of Assistant Engineer, the order of merit as determined by the Departmental Promotion Committee for their promotion as Executive Engineer.

Notes—(a) Assistant Engineers promoted as Executive Engineers would count their regular service only after they are confirmed in the grade of Assistant Engineer, Group B.

(b) Those Assistant Engineers, who have been promoted in excess of the quota earmarked for them, would be pushed down and accommodated within their quota in subsequent years.

(iii) The vacancies in the grade of Executive Engineer, which were earmarked for promotion from the grade of Assistant Executive Engineer in accordance with the quotas prescribed for them during the period from 25th August, 1949 to 21st December, 1959, but could not be filled would be carried forward and filled by Assistant Executive Engineers promoted on or after 22-12-59. The inter-se seniority of such officers will be determined in the order of their seniority in the grade of Assistant Executive Engineers—those who were considered unfit for promotion being omitted and they will rank immediately below the last Executive Engineer, promoted prior to (22-12-1959).

(iv) After all the vacancies in the grade of Executive Engineer, which were earmarked for promotion from the grade of Assistant Executive Engineer in accordance with the quotas prescribed for them during the period from 25th August, 1949 to 21st December, 1959, but could not be filled, are filled by Assistant Executive Engineers promoted on or after 22-12-59 and such officers assigned seniority as indicated in (ii) above, all subsequent vacancies in the grade of Executive Engineer will be filled by rotation of vacancies between the Assistant Executive Engineers and Assistant Engineers on the basis of quotas prescribed for them for promotion as Executive Engineer from time to time. The inter-se seniority of Assistant Executive Engineers and Assistant Engineers so promoted to the grade of Executive Engineer, will also be determined on the basis of such rotation of quotas. For this purpose, the recruitment roster shall be drawn as under :—

(a) When the reservation of the vacancies in the grade of Executive Engineer for Assistant Executive Engineer and Assistant Engineer is 66-2/3% and 33-1/3% respectively (i.e. upto 31-3-72).

1st position } Assistant Executive Engineer.

2nd position } Assistant Engineer.

4th position } Assistant Executive Engineer.

5th position } Assistant Engineer, and so on.

(b) When the reservation of the vacancies in the grade of Executive Engineer for Assistant Executive Engineers and Assistant Engineers is 50% each (i.e. from 1-4-72) and for a period of 7 years.

1st position—Assistant Executive Engineer.

2nd position—Assistant Engineer.

3rd position—Assistant Executive Engineer.

4th position—Assistant Engineer, and so on.

(v) If sufficient number of Assistant Executive Engineers are not available to fill the vacancies of Executive Engineers earmarked for them, then these vacancies would be indicated in the seniority list according to the roster points (as shown in (iv) above) and the seniority of the Assistant Engineers, promoted as Executive Engineers will be determined according to the roster points available to them within their quota. As and when Assistant Executive Engineers are promoted as Executive Engineers, they would occupy the vacant points earmarked for them in the seniority list and assigned seniority accordingly.

EXPLANATORY MEMORANDUM

Consequent upon the judgment of the Supreme Court delivered on the 11th December, 1974 in the Writ petition No. 489 of 1972 filed by Shri A. K. Subraman and others principles of seniority, as incorporated in the above notification have been laid down on the basis of the above mentioned judgment of the Supreme Court, as it is understood by the Department for purposes of determination of seniority in the grade of Executive Engineer in Central Engineering Service/Central Electrical Engineering Service, Group A, in the Central Public Works Department.

[No. 23/4/74-ECI(Vol. V)]

S. N. ROY CHOUDHURY, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 1 मई, 1976

सा० का० नि० 893.—भारतीय संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने डाक-तार दूर संचार कारखाना संगठन (वर्ग 1 पद) भर्ती नियमावली 1971 में संशोधन करने के लिए निम्नवर्ती नियम बनाए हैं, अर्थात् :—

1. (i) इन नियमों को डाक-तार दूर संचार कारखाना संगठन (वर्ग 1 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 कहा जाएगा।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. डाक-तार दूर संचार कारखाना संगठन (वर्ग 1 पद) भर्ती नियमावली के साथ वाली अनुसूची में मद संख्या के सामने जो कि सहायक प्रबन्धक (कारखाने) के पदों के बारे में है :—

(i) कालम 6 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नवर्ती प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“20 वर्ष से कम नहीं किन्तु जिस वर्ष परीक्षा आयोजित की जाती है उसकी पहली अगस्त को 20 वर्ष से कम नहीं बशर्ते कि वर्ष 1975 में आयोजित परीक्षा के लिए आयु की ऊपरी सीमा 30 वर्ष से कम हो”;

(ii) कालम 7 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नवर्ती प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय इंजीनियरी डिग्री

या

अन्य योग्यता जो कि आयोग की राय में इंजीनियरी डिग्री के समकक्ष हो”;

(iii) कालम 10 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नवर्ती प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :-

"50 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा और सैनिकल इंजीनियरी सेवाओं के समूह या पदों के लिए निर्धारित परीक्षा योजना के आधार पर (संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित) संयुक्त इंजीनियरी सेवा परीक्षा की मार्फत 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।"

व्याख्यात्मक ज्ञापन

सहायक प्रबन्धक (कारखाने) के पद के लिए भर्ती संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित संयुक्त इंजीनियरी सेवा परीक्षा (सेवा या पदों का यांत्रिक इंजीनियरी समूह) के जरिये की जाती है। उन इंजीनियरी स्नातकों को हुई परेशानी को कम करने की दृष्टि से उक्त परीक्षा की ऊपरी आयु सीमा में रियायत दी गई थी जिन्होंने मिलव्ययिता में गतिरोध की अवधि के दौरान परीक्षा पास की थी और जो इस कारण सरकारी सेवा में प्रविष्ट नहीं हो सके थे क्योंकि उन्होंने 1972 और 1973 की परीक्षाओं के लिए निर्धारित ऊपरी आयु सीमा पार की थी यह रियायत 1974 और 1975 की परीक्षाओं के लिए 5 वर्ष की थी।

अतः, 1975 में हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के लिए घोषणा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा एक फरवरी, 1975 को की गई थी। उस परीक्षा के जरिए भर्ती में सुविधा की दृष्टि से यह आवश्यक है कि वे संशोधन उक्त परीक्षा की घोषणा जारी की जाने की पूर्व तारीख से दिए जाएं।

(2) एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त संशोधनों को पूर्व तारीख से देने से किसी भी व्यक्ति के अधिकार पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[फाइल सं० 2-3/74-टी एक]

इ० ग० मु० सत्यप्रति, सहायक महानिदेशक (टी एक)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P&T Board)

New Delhi, the 1st May, 1976

G.S.R. 893.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Posts & Telegraphs Telecom Factories Organisation (Class I Posts) Recruitment Rules, 1971, namely :—

1. (i) These rules may be called the Posts and Telegraphs Telecom Factories Organisation (Class I Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule annexed to the Posts & Telegraphs Telecom Factories Organisation (Class I Posts) Recruitment

Rules, 1971, against Item 4 relating to the post of "Assistant Manager (Factories)"—

(i) in column 6, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Not less than 20 years but less than 27 years on the first day of August of the year in which the examination is held, provided that for the examination held in the year 1975, the upper age limit shall be less than 30 years";

(ii) in column 7, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Degree in Engineering from a recognised University.

OR

Any other qualification which, in the opinion of the Commission, is equivalent to a Degree in Engineering."

(iii) in column 10, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"50% by promotion, and

50% by direct recruitment through the Combined Engineering Services Examination (conducted by the Union Public Service Commission) on the basis of the scheme of examination prescribed for the Mechanical Engineering Group of Services or posts."

EXPLANATORY MEMORANDUM

Recruitment to the post of Assistant Manager (Factories) is made through the Combined Engineering Services Examination (Mechanical Engineering Group of Services or Posts) conducted by the Union Public Service Commission. The upper age limit for the said examination was relaxed in order to mitigate the hardship caused to those engineering graduates who passed Examination during period of stagnation in the economy and who could not enter Government service because they had crossed the prescribed upper age limit for 1972 and 1973 examinations. This relaxation was for 5 years for the examinations 1974 and 1975.

An announcement for the Engineering Services Examination held in August, 1975 was made by the Union Public Service Commission on 1st February, 1975. To facilitate recruitment through that examination it is necessary to give to these amendments, retrospective effect from the date of issue of the announcement of the said examination.

2. It is hereby certified that giving retrospective effect to the aforementioned amendments would not prejudicially affect the right of any person.

[File No. 2-3/74-TF]

E. G. S. SATHYAMOORTHY, Assistant Director Genl. (T.F.)

भारत सरकार

नई दिल्ली, 1 जून, 1976

सा० का० नि० 894.—आवृत्ति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रशिक्षण निदेशालय (अनुदेशकों के लिए) केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र का एकक और उससे सम्बद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान; और क्षेत्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण निदेशालय कानपुर) वर्ग 3 पद भर्ती नियम, 1974 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1 (1) इन नियमों का नाम प्रशिक्षण निदेशालय (अनुदेशकों के लिए) केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र का एकक और उससे सम्बद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान और क्षेत्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण निदेशालय कानपुर) वर्ग 3 पद भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. प्रशिक्षण निदेशालय (अनुदेशकों के लिए) केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र का एकक और उससे सम्बद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान और क्षेत्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण निदेशालय कानपुर) वर्ग 3 पद भर्ती नियम, 1974 की अनुसूची में, मद 47 और उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6	7
"48. हिन्दी अनुवादक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा (समूह 'ग') (अराज-पत्रित) अनुमतिवीय	425-15-500-३०००- 20-700 रु०	लागू नहीं होता	21 वर्ष और 30 वर्ष के बीच	<p>आवश्यक :</p> <p>(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय की उपाधि जिसमें हिन्दी और अंग्रेजी ऐच्छिक विषय के रूप में रहा हो</p> <p>(2) अंग्रेजी से हिन्दी और हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद करने का कम से कम 2 वर्ष का अनुभव ।</p> <p>वांछनीय :</p> <p>हिन्दी के अतिरिक्त किसी अन्य एक आधुनिक भारतीय भाषा का ज्ञान ।</p>

8	9	10	11	12	13
(i) शैक्षिक अर्हताएं : हाँ	2 वर्ष	स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	स्थानान्तरण : ऐसे उच्च श्रेणी लिपिक या आशु-लिपिक या ऐसे निम्न श्रेणी लिपिक जिन्होंने एकक के सम्बद्ध श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की हो और जो स्तम्भ 7 में विहित अर्हताएं रखते हों ।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
(ii) आयु : नहीं			<p>प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अन्य कार्यालयों में समरूप पद धारण करने वाले अधिकारी ।</p> <p>(प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)</p>		

[सं० डी०जी०ई०टी०-12(19)/75 टी०ए०-III]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 1st June, 1976

G.S.R. 894. —In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Training (the Unit of the Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto ; and the Regional Directorate of Apprenticeship Training at Kanpur) Class III posts Recruitment Rules 1974, namely:—

1. (1) These Rules may be called the Directorate of Training (the Unit of the Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto ; and the Regional Directorate of Apprenticeship Training at Kanpur), Class III posts Recruitment (2nd Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Training (the unit of the Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto; and the Regional Directorate of Apprenticeship Training at Kanpur), Class III posts Recruitment Rules, 1974, after item 47 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
"48. Hindi Translator	1	General Central Service Group 'C' (Non-gazetted) Ministerial	425-15-500-EB-560-20-700	Not applicable	Between 21—30 years.	Essential: (i) Degree of a recognised University with Hindi and English as elective subjects. (ii) At least 2 years experience in translation from English to Hindi and vice versa. Desirable: Knowledge of one of the modern Indian languages other than Hindi.
8	9	10	11	12	13	
(i) Educational Qualifications— Yes. (ii) Age—No.	2 years.	By transfer/deputation failing which by direct recruitment.	Transfer: Upper Division Clerks or Stenographers or Lower Division Clerks with 5 years service in the grade concerned, in the Unit who possess essential qualifications prescribed in col. 7. Transfer on deputation: Officers holding analogous posts in other Central Government Offices. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years.)	Not applicable	Not applicable.	

[No. DGET 12 (19) /75-T.A.—III]

सा०का०नि० 895.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रशिक्षण निदेशालय (अनुदेशकों के लिए केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र का एकक और उससे सम्बद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान; और क्षेत्रीय शिक्षता प्रशिक्षण निदेशालय मुम्बई) वर्ग 3 पद भर्ती नियम, 1974 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1 (1) इन नियमों का नाम प्रशिक्षण निदेशालय (अनुदेशकों के लिए केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र का एकक और उससे सम्बद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान; और क्षेत्रीय शिक्षता प्रशिक्षण निदेशालय, मुम्बई) वर्ग 3 पद भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. प्रशिक्षण निदेशालय (अनुदेशकों के लिए केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र का एकक और उससे सम्बद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान; और क्षेत्रीय शिक्षता प्रशिक्षण निदेशालय मुम्बई) वर्ग 3 पद भर्ती नियम, 1974 की अनुसूची में, मद 35 और उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6	7
"36. हिन्दी अनुवादक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा (समूह 'ग') (अराज-पत्रित) अनुसचिवीय	425-15-500-ब०-रो०-20-700 ब०	लागू नहीं होता	21 वर्ष और 30 वर्ष के बीच	आवश्यक : (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की उपाधि जिसमें हिन्दी और अंग्रेजी ऐच्छिक विषय के रूप में रहा हो। (2) अंग्रेजी से हिन्दी और हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद करने का कम से कम 2 वर्ष का अनुभव : बांछनीय : हिन्दी के प्रतिरिक्त किसी अन्य एक आधुनिक भारतीय भाषा का ज्ञान।

8	9	10	11	12	13
(i) शैक्षिक अर्हताएं : हाँ	2 वर्ष	स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति द्वारा	स्थानान्तरण :	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
(ii) आयु : नहीं		जिसके तहत हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	ऐसे उच्च श्रेणी लिपिक या आयु-लिपिक या ऐसे निम्न श्रेणी लिपिक जिन्होंने एकक के सम्बद्ध श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की हो और जो स्तम्भ 7 में विहित अर्हताएं रखते हैं।		
			प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अन्य कार्यालयों में समरूप पद धारण करने वाले अधिकारी। (प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)		

[सं. डी०जी०ई०टी० 12(19)/75 टी०ए०-II]

G.S.R. 895.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Training (the Unit of the Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto ; and the Regional Directorate of Apprenticeship Training at Bombay) Class III posts Recruitment Rules, 1974 namely :—

1. (1) These Rules may be called the Directorate of Training (the Unit of the Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto ; and the Regional Directorate of Apprenticeship Training at Bombay) Class III posts Recruitment (2nd Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Training (the Unit of the Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto ; and the Regional Directorate of Apprenticeship Training at Bombay), Class III posts Recruitment Rules 1974 after item 35 and the entries relating thereto the following item and entries shall be inserted, namely:—

SCHEDULE

1	2	3	4	5	6	7
"36. Hindi Translator	1	General Central Service Group 'C' (Non-Gazetted) Ministerial	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700	Not applicable	Between 21 years & 30 years	Essential: (i) Degree of a recognised University with Hindi and English as elective subjects. (ii) At least 2 years Experience in translation from English to Hindi and vice versa. Desirable: Knowledge of one of the modern Indian Languages other than Hindi.
8	9	10	11	12	13	
(i) Educational Qualifications— Yes (ii) Age—No	2 years	By transfer/deputation failing which by direct recruitment.	Transfer:— Upper Division Clerks or Stenographers or Lower Division Clerks with 5 years service in the grade concerned in the Unit who possess essential qualifications prescribed in col. 7. Transfer on deputation:— Officers holding analogous posts in other Central Government Offices. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years.)	Not applicable	Not applicable	

[No. DGET-12(19)/75-T.A.—II]

सांकांति० 896.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रशिक्षण निदेशालय (महिला अनुदेशकों के लिए केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, नई दिल्ली) वर्ग 3 पद भर्ती नियम, 1974 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम प्रशिक्षण निदेशालय (महिला अनुदेशकों के लिए केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, नई दिल्ली) वर्ग 3 पद भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. प्रशिक्षण निदेशालय (महिला अनुदेशकों के लिए केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र नई दिल्ली) वर्ग 3 पद भर्ती नियम, 1974 की अनुसूची में, मद 8 और उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी अर्थात्:—

1	2	3	4	5	6	7
"9. हिन्दी अनुवादक	1	माधारण केन्द्रीय सेवा (समूह 'ग') (भराज-पत्रित) अनुसचिवीय	425-15-500-ब०-रो०-20-700 रु०	लागू नहीं होता	21 वर्ष और 30 वर्ष के बीच	<p>आवश्यक :</p> <p>(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की उपाधि जिसमें हिन्दी और अंग्रेजी ऐच्छिक विषय के रूप में रहा हो।</p> <p>(ii) अंग्रेजी से हिन्दी और हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद करने का कम से कम 2 वर्ष का अनुभव।</p> <p>बांछनीय :</p> <p>हिन्दी के अतिरिक्त किसी अन्य एक आधुनिक भारतीय भाषा का ज्ञान।</p>

8	9	10	11	12	13
(i) शैक्षिक अर्हताएं : हां	2 वर्ष	स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण : ऐसे उच्च श्रेणी लिपिक या आशु-लिपिक या ऐसे निम्न श्रेणी लिपिक जिन्होंने एकक के सम्बद्ध श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की हो और जो स्तम्भ 7 में विहित अर्हताएं रखते हों।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
(ii) आयु : नहीं			प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अन्य कार्यालयों में समरूप पद धारण करने वाले अधिकारी। (प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)		

G.S.R. 896.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby made the following rules further to amend the Directorate of Training, [the Unit of the Central Training Institute for Instructors (Women) at New Delhi] Class III posts Recruitment Rules, 1974, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Directorate of Training [the Unit of the Central Training Institute for Instructors (Women) at New Delhi], Class III posts Recruitment (2nd Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Training [the Unit of the Central Training Institute for Instructors (Women) at New Delhi], Class III posts Recruitment Rules, 1974 after item 8 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted namely :—

SCHEDULE

1	2	3	4	5	6	7
"9. Hindi Translator	1	General Central Service Group- 'C' (Non-Gazetted) Ministerial	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700	Not applicable	Between 21 years and 30 years	Essential : (i) Degree of a recognised University with Hindi and English as elective subjects. (ii) At least 2 years experience in translation from English to Hindi and vice-versa. Desirable : Knowledge of one of the modern Indian languages other than Hindi.
8	9	10	11	12	13	
(i) Educational Qualification— Yes. (ii) Age—No.	2 years	By transfer/deputation failing which by direct recruitment.	Transfer: Upper Division Clerks or Stenographers or Lower Division Clerks with 5 years service in the grade concerned in Unit who possess essential qualifications prescribed in col. 7. Transfer on deputation: Officers holding analogous posts in other Central Government offices. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years.)	Not applicable.	Not applicable.	

[No. DGET-12(19)/75-T.A.-IV]

सां०का०नि० 897.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रशिक्षण निदेशालय (अनुदेशकों के लिए केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र का एकक और उससे सम्बद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान; केन्द्रीय कर्मचारिवृन्द प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान और क्षेत्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण निदेशालय कलकत्ता) वर्ग 3 पर भर्ती नियम, 1974 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1 (1) इन नियमों का नाम प्रशिक्षण निदेशालय (अनुदेशकों के लिए केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र का एकक और उससे सम्बद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान; केन्द्रीय कर्मचारिवृन्द प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान और क्षेत्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण निदेशालय कलकत्ता) वर्ग 3 पर भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. प्रशिक्षण निदेशालय (अनुदेशकों के लिए) केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र का एकक और उससे सम्बद्ध आदर्श प्रशिक्षण सम्पान ; केन्द्रीय कर्मचारिवृत्त प्रशिक्षण एवं अनुसंधान भण्डार और क्षेत्रीय शिक्षता प्रशिक्षण निदेशालय कलकत्ता) वर्ग 3 पद भर्ती नियम, 1974 की अनुसूची में, मद 45 और उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी अर्थात् :—

अनुसूची

1	2	3	4	5	6	7
" 46. हिन्दी अनुवादक	2	साधारण केन्द्रीय सेवा (समूह 'ग') (अराज-पत्रित) अनुसन्धीय	425-15-500-४०-२०-20-700 २०	लागू नहीं होता	21 वर्ष और 30 वर्ष के बीच	आवश्यक : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की उपाधि जिसमें हिन्दी और अंग्रेजी ऐक्षिक विषय के रूप में रहा हो । (ii) अंग्रेजी से हिन्दी और हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद करने का कम से कम 2 वर्ष का अनुभव । वांछनीय : हिन्दी के अतिरिक्त किसी अन्य एक आधुनिक भारतीय भाषा का ज्ञान ।
8	9	10	11	12	13	
(i) शैक्षिक अर्हताएं : हाँ	2 वर्ष	स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति द्वारा	स्थानान्तरण :	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
(ii) आयु : नहीं		जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	ऐसे उच्च श्रेणी लिपिक या प्राशु-लिपिक या ऐसे निम्न श्रेणी लिपिक जिन्होंने एकक के सम्बद्ध श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की हो और जो स्तम्भ 7 में विहित अर्हताएं रखते हों । प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अन्य कार्यालयों में समरूप पद धारण करने वाले अधिकारी । (प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)			

[स० डी०जी०ई०टी०-12(19)/75 टी०ए०-1]

आर० पी० गुप्त, अवर सचिव

G.S.R. 897.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Training (the Unit of the Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto ; the Central Staff Training and Research Institute ; and the Regional Directorate of Apprenticeship Training at Calcutta) Class III posts Recruitment Rules, 1974, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Directorate of Training (the Unit of the Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto ; the Central Staff Training and Research Institute ; and the Regional Directorate of Apprenticeship Training at Calcutta) Class III posts Recruitment (2nd Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Training (the Unit of the Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto ; the Central Staff Training and Research Institute ; and the Regional Directorate of Apprenticeship

Training at Calcutta), Class III posts Recruitment Rules, 1974 after item 45 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted, namely :—

SCHEDULE

1	2	3	4	5	6	7
46. Hindi Translator	2	General Central service group 'C' Non-gazetted. Ministerial	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700	Not applicable	Between 21 years and 30 years.	Essential: (i) Degree of a recognized University with Hindi and English as elective subjects. (ii) At least 2 years experience in translation from English to Hindi and vice-versa. Desirable: Knowledge of one of the modern Indian Languages other than Hindi.
8	9	10	11	12	13	
(i) Educational Qualification — Yes (ii) Age—No	2 years.	By transfer/deputation failing which by direct recruitment.	Transfer: Upper Division Clerks or Lower Division Clerks with 5 years service in the grade concerned in the Unit who possess essential qualifications prescribed in col. 7. Transfer on deputation: Officers holding analogous posts in other Central Government offices. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)	Not applicable	Not applicable.	

[No. DGET-12(19)/75-T.A.I]

R. P. GUPTA, Under Secy.

राजस्व और बैंककारी विभाग

(राजस्व पक्ष)

नई दिल्ली, 19 जून, 1976

सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 898.—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के यथास्थिति (राजस्व विभाग) या (राजस्व प्रभाग) की निम्नलिखित अधिमूचना को विखंडित करती है, अर्थात् :—

(1) सं. 158 — सीमा शुल्क तारीख 4 दिसम्बर, 1954.

(2) सं. 197 — सीमाशुल्क तारीख 31 अगस्त, 1957.

(3) सं. 78 — सीमाशुल्क तारीख 15 जुलाई, 1961.

[सं. 120/फा. सं. 355/66/76 सीमा. 1]

एच. एन. राव, अवर सचिव

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

New Delhi, the 19th June, 1976

CUSTOMS

G.S.R. 898.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 read with sub-section (3) of section 160 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) or (Revenue Division), as the case may be, namely :—

(1) No. 158—Customs dated the 4th December, 1954.

(2) No. 197—Customs dated the 31st August, 1957.

(3) No. 78—Customs dated the 15th July, 1961.

[No. 120/F. No. 355/66/76-Cus. 1]

H. N. RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जून, 1976

New Delhi, the 19th June, 1976

केंद्रीय उत्पाद-शुल्क

CENTRAL EXCISES

सा. का. नं. 899.—केंद्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की क्रमशः मव संख्या 21 और 22 के अन्तर्गत आने वाले ऊनी कपड़ों और रेशम या कृत्रिम रेशमी कपड़ों के नमूनों को, उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण अतिरिक्त उत्पाद शुल्क से तब तक छूट देती है जब तक कि उन्हें द्वितीय उल्लिखित अधिनियम के अधीन उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त है।

G.S.R. 899.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts samples of woollen fabrics and rayon or artificial silk fabrics, falling respectively under Items Nos. 21 and 22 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the additional duty of excise leviable thereon, so long as the same are exempt from the duty of excise leviable under the Second mentioned Act.

[अधिसूचना सं. 192/76-सी ई-फा. सं. 54/3/75-सी. एक्स 2]

[Notification No. 192/76-CE. F. No. 54/5/75-CX. 2]

एन. ओबराय, अवर सचिव

N. OBHRAI, Under Secy.